जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Gen Z Is Trading Night Clubs for Japanese... Dark rooms filled with soft leather sofas and curated vinyl are popping up across the United States and the world

Why They Tilt Towards the Equator

Lenses Before Galilei The Optics That Existed Long Before the Telescope

'जब तक "अविश्वास प्रस्ताव" पर निर्णय नहीं होता, मैं अध्यक्ष की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा'

लोकसभाध्यक्ष ओम बिड़ला की इस सशक्त प्रतिज्ञा ने सदन का वातावरण कुछ ठीक किया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 फरवरी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने अपनी कुर्सी से हटने का फैसला किया है। उन्होंने कहा है कि जब तक उनके खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर कोई फैसला नहीं हो जाता, तब तक वे सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता नहीं करेंगे और न ही कुर्सी पर बैठेंगे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के खिलाफ मोर्चा संभालते हुए कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष ने 118 सांसदों के हस्ताक्षर के साथ यह प्रस्ताव महासचिव को सौंपा।

एक वरिष्ठ नेता ने बताया, "विपक्ष के नेता होने के नाते राहुल गांधी ने इस याचिका पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, जैसी कि परंपरा रही है, हालांकि अध्यक्ष के खिलाफ मुख्य शिकायत यही है कि उन्होंने राहुल गांधी को बोलने की अनुमति नहीं दी। साथ ही उन पर आरोप है कि उन्होंने महिला सांसदों पर गंभीर आरोप लगाए, जिसमें उन्होंने कहा था कि महिला सांसद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला करने की योजना बना रही थीं।

महासचिव इस याचिका की जांच करेंगे और तय करेंगे कि यह वैध है या नहीं और इसे स्वीकार किया जा सकता है या नहीं।

इस पूरी प्रक्रिया के लिए 14 दिन का समय दिया गया है।

अध्यक्ष ने कहा है कि जब तक अविश्वास प्रस्ताव की स्थिति स्पष्ट नहीं हो जाती, तब तक वे सदन की अध्यक्षता नहीं करेंगे।

यह साफ है कि वे अपने खिलाफ दिए गए नोटिस पर खुद फैसला नहीं कर सकते।

सत्तारूढ़ भाजपा ने सत्ता में आने के बाद से अब तक उपाध्यक्ष नियुक्त करना जरूरी नहीं समझा है। आमतौर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पर, एक दिक्कत यह है कि सरकार ने लोकसभा में उपाध्यक्ष पद कभी भरने की कोशिश नहीं की, अतः निर्वाचित अध्यक्ष के अभाव में, अब वक्ताओं के एक पैनल पर जिम्मेवारी आ पड़ी है, सदन सुचारू रूप से चलाने के लिए।
- राहुल गांधी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर, बोलने की इजाज़त नहीं मिली थी, अब, गुरुवार की दोपहर में वे बजट पर अपने विचार रखेंगे सदन में।
- अब तक लोकसभा के रिकॉर्ड के अनुसार, तीन बार लोकसभाध्यक्ष के खिलाफ "अविश्वास" प्रस्ताव लाए गए हैं, पर तीनों बार प्रस्ताव पारित नहीं हो पाए थे। पहला अविश्वास प्रस्ताव 1954 में तत्कालीन लोकसभाध्यक्ष मालवीय के खिलाफ लाया गया था।

आईसीसी के दबाव में यूटर्न लिया पाक ने

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 10 फरवरी। जैसा कि अनुमान था, पाकिस्तान सरकार ने टी20 विश्व कप 2026 में 'भारत के बहिष्कार' के अपने रुख पर यू-टर्न लेने की पुष्टि कर दी है।

15 फ़रवरी को सूर्यकुमार यादव की टीम के खिलाफ होने वाले मैच में उतरने से अपनी टीम को रोकने के बाद, पाकिस्तान ने सोमवार को अपना फैसला पलट दिया, जिससे अब आगामी रविवार को कोलंबो में मैच खेले जाने का रास्ता साफ हो गया है।

इस फैसले की घोषणा इन्टरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी), पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और कुछ अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में हुई उच्चस्तरीय बैठकों की श्रृंखला के बाद की गई।

इस यू-टर्न से किसी को हैरानी नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इस यूटर्न से क्रिकेट में पाकिस्तान की साख और घटी है। अब पाकिस्तान 15 फरवरी को भारत के साथ क्रिकेट मैच खेलेगा।

क्या है सच, नरवणे की किताब छपी थी या नहीं

पूर्व थलसेना प्रमुख एमएम नरवणे की आत्मकथा के प्रकाशन पर परस्पर विरोधी दावे किए जा रहे हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 फरवरी। पैनग्विन रैंडम हाउस इंडिया ने एक स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि पूर्व थलसेना प्रमुख एमएम नरवणे की आत्मकथा "फोर स्टार्स ऑफ़ डेस्टिनी" के विशेष प्रकाशन अधिकार उसके पास हैं और यह किताब अभी तक किसी भी रूप में प्रकाशित नहीं हुई है।

यह बयान ऐसे समय आया है, जब पांडुलिपि की कथित अनधिकृत प्रतियों के प्रसार को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है और यह राजनीतिक मुद्दा संसद तक पहुंच गया है, जहां नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इसके अंश पढ़ने की कोशिश की थी।

इंडिया टुडे डिजिटल ने सत्यापित किया है कि नरवणे की आत्मकथा की प्रकाशित प्रतियां वापस मंगाए जाने से पहले दिल्ली के बुकस्टोर्स तक पहुंच चुकी थी। राहुल गांधी ने संसद परिसर में उस किताब को प्रदर्शित किया, जब उन्हें पुस्तक से अंश पढ़ने से रोक दिया गया।

दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है और उस सामग्री के कथित अवैध वितरण की जांच शुरू कर दी है, जिसे अभी तक प्रकाशित सामग्री बताया जा रहा है।

सोमवार को जारी एक बयान में पब्लिश हाउस ने कहा कि वह उन खबरों के मद्देनज़र अपनी स्थिति स्पष्ट करना चाहता है, जिनमें दावा किया गया है कि आत्मकथा की प्रतियां डिजिटल और अन्य प्रारूपों में प्रसारित हो रही हैं।

बयान में कहा गया, "पैनग्विन रैंडम हाउस इंडिया यह स्पष्ट करना चाहता है कि "फोर स्टार्स ऑफ़ डेस्टिनी", जो कि भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की आत्मकथा है, उसके एकमात्र प्रकाशन अधिकार हमारे पास हैं। हम यह साफ़ करना चाहते हैं कि यह पुस्तक अभी तक प्रकाशित नहीं हुई है।"

कंपनी ने आगे कहा कि पुस्तक की कोई भी प्रति, मुद्रित या डिजिटल रूप में, प्रकाशक द्वारा न तो प्रकाशित की गई है, न वितरित, न बेची गई है और न ही किसी अन्य तरीके से आम जनता के लिए उपलब्ध कराई गई है।

- जहाँ प्रकाशन समूह पैनग्विन रैन्डम हाउस इंडिया ने कहा कि पुस्तक के प्रकाशन अधिकार उसके पास हैं और अभी तक पुस्तक की कोई भी प्रति न तो छपी है, न वितरित हुई है और न ही बेची गई है।
- पर हाल ही में संसद के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पुस्तक की प्रति प्रदर्शित की। सूत्रों ने कहा कि यह किताब दिल्ली के बुक स्टोर्स पर मौजूद थी, पर, कंपनी ने इसे वापस ले लिया, लेकिन वापसी से पहले यह राहुल गांधी के पास पहुँच चुकी थी।
- इधर दिल्ली पुलिस ने पुस्तक के अवैध वितरण को लेकर एक एफआईआर दर्ज कर जाँच शुरु कर दी है।

ममता बनर्जी को पच नहीं रहा, उनकी रणनीति कैसे इतनी नाकामयाब रही सुप्रीम कोर्ट में

अति जोश के कारण, उन्होंने अपने वरिष्ठ वकीलों के पैनल, जिसमें अभिषेक मनु सिंघवी, कपिल सिब्बल जैसे धुरंधर शामिल थे, को बैठाए रखा और स्वयं बहस की सुप्रीम कोर्ट में, पर, यह दांव एकदम खाली गया, जजों के सामने

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 10 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने चल रही मतदाता सूची की स्पेशल इन्टैन्सिव रिवीज़न (एसआईआर) प्रक्रिया को रोकने की ममता बनर्जी की कोशिश को बड़ा झटका दिया है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने अपने वोट बैंक से वादा किया था कि वे राज्य में एसआईआर प्रक्रिया लागू नहीं होने देंगी।

ममता बनर्जी खुद मुख्य न्यायाधीश की अदालत में एसआईआर प्रक्रिया को राज्य में खत्म करने की मांग रखने और मतदाता सूची को जैसा है, वैसा बनाए रखने के लिए अपनी दलील देने पहुंची थीं।

हालांकि, अदालत ने फैसला दिया कि एसआईआर प्रक्रिया को किसी भी तरह से नहीं रोका जाना चाहिए और इसे बिना किसी रुकावट के पूरा होने दिया जाना चाहिए। अदालत ने राज्य सरकार को यह भी निर्देश दिया कि पुनरीक्षण कार्य को पूरा करने के लिए पर्याप्त संख्या में अधिकारियों की व्यवस्था की जाए।

ममता बनर्जी ने शिकायत की थी कि चुनाव आयोग ने बाहर से ऐसे अधिकारियों को नियुक्त किया है, जो स्थानीय भाषा और स्थानीय नामों को नहीं समझते और उन्होंने स्थानीय परिस्थितियों को समझे बिना लोगों के नाम हटा दिए।

अपने विशिष्ट अंदाज में ममता ने अदालत में अपने उच्च स्तरीय वकीलों के पैनल से दलील दिलाने के बजाय,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- ममता बनर्जी ने अपनी दलीलें पेश करते हुए रविन्द्रनाथ टैगोर का भी दो-तीन बार नाम लिया। बंगाल में इस नाम का सदा चमत्कारिक प्रभाव पड़ता आया है, जजों पर, पर, दिल्ली में सुप्रीम कार्ट के जजों पर इतना भारी प्रभाव नहीं पड़ा, नोबल प्राइज़ विजेता के नाम का।
- रणनीति के सभी दांव फेल होने पर ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर निशाना साधा और अंत तक चुनाव आयुक्त को न्यायालय में कोसती रहीं, पर, सुप्रीम कोर्ट अप्रभावित रहा और प.बंगाल को हिदायत दी कि सरकार पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराए चुनाव आयुक्त को, जिससे मतदाता सूची का काम सुचारु रूप से पूरा किया जा सके।

जयपुर घूमने आए दो जापानी टूरिस्ट लापता

जयपुर, 10 फरवरी। अशोक नगर थाना इलाके में जयपुर घूमने आए दो जापानी टूरिस्ट के लापता होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने ट्रैक्सी ड्राइवर की शिकायत पर दोनों जापानी टूरिस्ट की गुमशुदगी दर्ज कर उनकी तलाश शुरु कर दी है।

थानाधिकारी मोतीलाल ने बताया कि टैक्सी चालक पिकेन्द्र कुमार ने मामला दर्ज कराया है कि दोनों जापानी टूरिस्ट हिबिक्की शिब्बा और युमा टूरिस्ट विजा पर 6 फरवरी को दिल्ली से जयपुर आए थे और ब्रह्मपुरी स्थित एक होटल में आकर रुके और मैकडॉनल्डस खाने निकले। जाने से पहले उन्होंने अपना बैग भी टैक्सी चालक के सुपुर्द कर दिया। काफी देर तक इंतजार करने के बाद ड्राइवर ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने टूरिस्टों का बैग जब्त कर उनकी तलाश शुरु कर दी है।

टैक्सी चालक ने पुलिस को बताया कि दोनों टूरिस्टों के पास मोबाइल फोन तो है। लेकिन उनका नंबर नहीं पता। पुलिस ने रेस्टोरेंट के सीसीटीवी फुटेज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- दिल्ली से आकर 6 फरवरी को ब्रह्मपुरी की होटल में ठहरे जापानी पर्यटक मैकडॉनल्ड्स खाना खाने गए थे।

भारत को बांग्लादेश के बारे में सक्रिय रुख अपनाना ही होगा

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्याओं का दौर लगातार तेज हो रहा है, जिससे भारत में गुस्सा बढ़ रहा है

-अंजनरॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 फरवरी। एक बेहद दुखद और चौंकाने वाली घटना के अन्तर्गत, बांग्लादेश में एक और हिंदू की बेरहमी से हत्या कर दी गई। देश की पुलिस और प्रशासन हाथ खड़े कर रहे हैं और हत्यारों को पकड़ने में अपनी लाचारी जता रहे हैं। इस मामले में, एक व्यापारी की उसकी ही दुकान में घुसकर तेज हथियार से हत्या कर दी गई और उसे खून से लथपथ मरने के लिए छोड़ दिया गया।

बांग्लादेश में हिंदुओं का नरसंहार हो रहा है और इन घटनाओं के खिलाफ कोई आवाज़ नहीं उठ रही है, न बांग्लादेश में और न ही भारत में।

अपराधियों ने दुकान में तोड़फोड़ की और दुकान से लाखों रुपये नकद लूटकर फरार हो गए। बाद में जब परिवार वाले उन्हें ढूंढने निकले तो खून से लथपथ उनका शव मिला।

यह घटना एक और हिंदू युवक की हत्या के तुरंत बाद हुई है। 25 वर्षीय यह युवक एक गैराज में सो रहा था, तभी गैराज में आग लगा दी गई और उसका शरीर इतनी बुरी तरह जल गया कि उसकी पहचान करना मुश्किल हो गया।

सिर्फ दिसंबर महीने में ही पूरे बांग्लादेश में ऐसे हमलों और हत्याओं की 51 घटनाएं सामने आईं, लेकिन अपराधियों और हत्यारों को अब तक कोई सजा मिलती दिखाई नहीं दे रही है।

जैसे-जैसे यह अराजक देश राष्ट्रीय संसदीय चुनाव की ओर बढ़ रहा है, इस तरह की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। वर्तमान में कोई स्थिर सरकार नहीं होने के कारण लोग जुर्म कर रहे हैं।

ये घटनाएं और इस तरह के हमले साफ तौर पर देश में कानून व्यवस्था के कमजोर होने की ओर इशारा करते हैं, जबकि एक अंतरिम सरकार मौजूद है। सरकार का रवैया पूरी तरह उदासीन दिखाई दे रहा है और ऐसा लगता है कि वह अपराध करने वालों के प्रति नरमी बरत रही है।

इसी बीच, बांग्लादेश 12 फरवरी को नई सरकार बनाने के लिए संसदीय चुनाव कराने जा रहा है। तथापि, पूरे देश में अपराध और अराजकता का माहौल बना हुआ है।

कुछ मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इन चुनावों के बाद कट्टरपंथी ताकतों के सत्ता में आने की संभावना है। जिन दो प्रमुख राजनीतिक दलों को ज्यादा समर्थन मिलने की उम्मीद है, वे दोनों इस्लामिक विचारधारा वाले माने जाते हैं।

चुनाव प्रक्रिया में अवामी लीग ने हिस्सा नहीं लिया, क्योंकि इस पार्टी को चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

अवामी लीग के चुनाव से बाहर होने के बाद, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बी.एन.पी.) और जमात-ए-इस्लामी प्रमुख दावेदार बनकर सामने आए हैं। बेगम खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बी.एन.पी. पर पहले भी कट्टर नीतियां अपनाने और हिंदुओं के साथ भेदभाव करने के आरोप लगते रहे हैं।

दूसरी ओर, जमात-ए-इस्लामी पाकिस्तान समर्थक और इस्लामिक विचारधारा वाली पार्टी मानी जाती है, जो देश को पूरी तरह इस्लामिक राष्ट्र बनाना चाहती है। दिलचस्प बात यह है कि जमात ने अपने उम्मीदवारों में एक भी महिला को शामिल नहीं किया है।

एक अजीब मोड़ यह आया है कि शेख हसीना के पिछले शासन को गिराने वाले छात्र क्रांतिकारी चुनावी मैदान में कहीं दिखाई नहीं दे रहे हैं। छात्र आंदोलन कई हिस्सों में बंट चुका है और धर्मनिरपेक्ष विचारधारा वाला छात्र समूह इस समय सक्रिय नहीं है।

छात्र संगठनों ने एक स्वतंत्र और धर्मनिरपेक्ष बांग्लादेश की मांग की थी, जहां धर्म या जाति के आधार पर किसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- बांग्लादेश में 12 फरवरी को चुनाव होने हैं, पर, फिलहाल वहां भारी अराजकता है, हिंसा पर उतारु लोगों को नियंत्रित करने में पुलिस लाचार नज़र आ रही है।
- हाल ही में भीड़ ने एक हिंदू व्यापारी की उसी की दुकान में घुस कर हत्या कर दी और लूटपाट की।
- इससे पहले एक गैराज में सो रहे 25 वर्षीय हिंदू युवक को आग में जलाकर मार डाला गया। अकेले दिसंबर महीने में ही हिंदुओं के साथ हिंसा की 51 घटनाएं हुई हैं। पर, एक में भी अपराधियों को दंड नहीं मिला है।

मैक्रों 17 फरवरी को भारत आएंगे

नई दिल्ली, 10 फ़रवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 17 फरवरी को भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आएंगे।

विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों होराइजन 2047 रोडमैप के तहत, भारत-फ्रांस द्विपक्षीय सहयोग को और सुदृढ़ करने पर व्यापक चर्चा करेंगे। दोनों नेता भारत-प्रशांत क्षेत्र सहित, आपसी हित के क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श करेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों भारत सरकार के निमंत्रण पर 3 दिन के दौरे पर भारत आ रहे हैं।

भारत ने किया अब तक का सबसे बड़ा रक्षा सौदा

3.25 लाख करोड़ रूपए में 114 राफेल जैट खरीदे जाएंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 फरवरी। भारतीय वायु सेना के मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट कार्यक्रम के तहत, फ्रांस में बने 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के 3.25 लाख करोड़ रुपये के सौदे को इस सप्ताह रक्षा मंत्रालय से मंजूरी मिल सकती है। यह मंजूरी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के दिल्ली दौरे से कुछ दिन पहले मिल सकती है। इन विमानों की डिलीवरी 2030 तक होने की संभावना है।

अगर यह सौदा पक्का हो जाता है, तो इससे यह भी साफ होगा कि भारत फ्रांस के बाहर राफेल विमानों का सबसे बड़ा उपयोग करने वाले देशों में शामिल हो जाएगा। राफेल दो इंजन वाला मल्टी-रोल लड़ाकू विमान है, जिसे दुनिया के सबसे खतरनाक लड़ाकू विमानों में से एक माना जाता है। यह हवाई वर्चस्व और सटीक हमले करने में सक्षम है।

भारत के पास पहले से 36 राफेल विमान हैं। वायु सेना को दिसंबर 2024 में आखिरी "सी वर्ज़न" मिला था। इसके अलावा भारत ने 63,000 करोड़ रुपये के सौदे में नौसेना के लिए 26 "एम वर्ज़न" भी खरीदे हैं।

इस सौदे में चार दो-सीटर ट्रेनर विमान, बेड़े की देखरेख, लॉजिस्टिक सपोर्ट और कर्मचारियों की ट्रेनिंग भी शामिल है। यह सब एम.आर.ओ., यानी "मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल" समझौते के तहत किया जाएगा।

"एम" वर्ज़न राफेल विमानों को विमानवाहक पोत आई.एन.एस. विक्रांत और विक्रमादित्य पर तैनात किया जाएगा।

वायु सेना को मिले "सी" वर्ज़न विमानों को दो स्क्वाड्रनों में बांटा गया है। इनमें से एक अंबाला में नंबर 17 स्क्वाड्रन (गोल्डन एरो) और दूसरा पश्चिम बंगाल के हासीमारा में नंबर 101 स्क्वाड्रन (फैलकन्स) है।

भारतीय वायु सेना के राफेल विमानों ने पहले भी युद्ध में हिस्सा लिया है। उन्होंने पिछले साल मई में पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में किए गए "ऑपरेशन सिंदूर" में भाग लिया था और लद्दाख में भी तैनात रहे थे। गणतंत्र दिवस परेड में भी वायु सेना की "सिंदूर फॉर्मेशन" में राफेल, मिग-29 और सुखोई-30 विमान दिखाई दिए थे।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तैनात राफेल विमानों ने स्कैल्प (एस.सी.ए.एल.पी.) मिसाइल का इस्तेमाल किया था। यह हवा से दागी जाने वाली क्रूज मिसाइल है, जो 250 किलोमीटर से अधिक दूरी तक बेहद सटीक तरीके से मजबूत लक्ष्यों पर हमला कर सकती है। इस मिसाइल का इस्तेमाल दुनिया के कई युद्धों में किया गया है, जिनमें इराक और लीबिया के संघर्ष शामिल हैं।

- फ्रांस के राष्ट्रपति एमानुएल मैक्रों की भारत यात्रा से पूर्व इसी सप्ताह रक्षा सौदे पर हस्ताक्षर कर दिए जाएंगे, हथियारों की आपूर्ति 2030 तक होगी।
- भारत के पास अभी भी 36 राफेल हैं, भारत ने अंतिम "सी" वर्ज़न की डिलीवरी दिसंबर 2024 में प्राप्त की है।
- ऑपरेशन सिंदूर में राफेल की भूमिका बेहद प्रशंसनीय रही। कहा जाता है कि इस दौरान राफेल ने एक एयर क्रूज़ मिसाइल 256 किलोमीटर दूर सटीक निशाने पर दागी थी।

कांग्रेस की महिला सांसदों ने स्पीकर को धमकाने की कोशिश की - रिजिजू

नई दिल्ली, 10 फरवरी। संसद के बजट सत्र में लोकसभा में जारी गतिरोध के बीच, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने दावा किया है कि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की महिला सांसदों ने स्पीकर ओम बिड़ला के चैंबर में जाकर उन्हें धमकाने की कोशिश की।

रिजिजू ने संसद भवन परिसर में मंगलवार को पत्रकारों से कहा कि सदन की कार्यवाही के दौरान कांग्रेस के सदस्य सत्तापक्ष की बेंच की ओर आ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भाजपा की महिला सांसदों ने स्पीकर से कड़ी कार्यवाही करने के लिए पत्र लिखा।

विचार बिन्दु

कदम पीछे ना हटाने वाला ही ऐश्वर्य को जीतता है। –ऋग्वेद

जीवनशैली को बदल रही आर्थिक नीतियां और प्रौद्योगिकी

खुली आर्थिक नीतियों के बाद दो दशकों में भारत की सामाजिक संरचना में भले ही ज्यादा बदलाव नहीं हुआ हो, किन्तु डिजिटल तथा अन्य तकनीकी विकास के कारण यहां के लोगों की आदतों और रीति–रिवाजों में व्यापक परिवर्तन जरूर नज़र आता है। यह परिवर्तन केवल सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि सोच, आपसी संबंध, काम करने के तरीकों और उपभोग की संस्कृति तक फैले हुए हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म और ई–कॉमर्स ने भारतीय उपभोक्ता को रात और दिन चौबीसों घंटे बाजार से जोड़ दिया है। अब खरीदारी केवल जरूरत तक सीमित नहीं रही, बल्कि इच्छा–आधारित उपभोग का रूप ले चुकी है। ऑनलाइन शॉपिंग, फ्लैश सेल और डिजिटल भुगतान ने खर्च को सहज बनाया है।अभी खरीदो, बाद में चुकाओ जैसी सुविधाओं ने ऋण–आधारित जीवनशैली को बढ़ावा दिया है। डिजिटल तकनीक रोजगार और कार्य–संस्कृति को भी नया रूप दे रही है। वर्क फ्रॉम होम, फ्रीलांसिंग और गिग इकॉनॉमी समय और स्थान की बाधा तोड़ रही है। सोशल मीडिया और मैसेजिंग ऐप्स ने संवाद को तेज़ और व्यापक बना दिया है, पर ऐसा भी माना जाता है कि उसकी गहराई कम कर दी है। यह भी लग रहा है कि परिवार और पड़ोस के आपसी प्रत्यक्ष संवाद में कमी आ रही है। स्टार्ट–अप संस्कृति और ऐप–आधारित सेवाओं ने युवाओं में उद्यमिता की सोच को बढ़ावा दिया है। नौकरी की स्थिरता घटी है और कार्य तथा निजी जीवन की सीमाएं धुंधली होने लगी हैं। तकनीक ने जीवन को तेज़, प्रतिस्पर्धी और परिणाम–केंद्रित बना दिया है। धैर्य, प्रतीक्षा और संतोष जैसी प्रवृत्तियां कमजोर हुई हैं। सब कुछ तुरंत चाहिए वाली मानसिकता विकसित हो रही है। विशेषज्ञ कहते हैं कि इसका असर मानसिक स्वास्थ्य, पारिवारिक समय और जीवन के संतुलन पर पड़ रहा है। लोगों की जीवनशैली तो स्पष्ट रूप से बदल रही है। छोटी जगहों के युवा अच्छे पैकेज पर अपनी जगह छोड़ कर बाहर जा रहे हैं। ऊंची–ऊंची फ्लैटों वाली बिल्डिंगें हमारे शहरों की पहचान बदल रही हैं। आधिकारिक तौर पर सबसे अधिक शुद्धतावादी माने वाले भारतीय समाजमें यौन अनुमति देने वाली पीढ़ी विस्तार पा रही है। शहरी जीवन का नया बहुराष्ट्रीय और बहुजातीय चरित्रबन रहा है। नये समय में एक तरफ जहां शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है वहीं दूसरी तरफ गांवों में अब भी झोपड़ियों में जीवन बिताते लोग भी मिलते है और शहरों में कच्ची बस्तियों का जाल हर कहीं नज़र आता है। खुली अर्थनीतियों और नये नैतिक प्रतिमानों में लोग राजशाही के नॉस्टैल्जिया, वंशानुगत वंशावली, शासकीय सम्मान और आडंबरपूर्ण रीति–रिवाजों और समारोहों के बोझ से दबे हुए नज़र आते हैं। देश में संवैधानिक–गणतांत्रिक व्यवस्था होने के बावजूद अनेक मौकों पर यहां की शासन व्यवस्था राजसी ठसक वाली और वैसी ही अन्यायपूर्ण भी देखने को मिलती है।

भारत मिथकों से प्यार करने वाला देश रहा है। इसी कारण यहां की सामाजिक स्थिति का यथार्थवादी मूल्यांकन करना हमेशा ही कठिन रहा है। अंग्रेजों के जाने के बाद हम भारत के लोगों ने अपना संविधान बनाया मगर ब्रिटेन के 1935 के कानून की मूलभूत संरचनाओं में वास्तविक और बड़ा जमीनी परिवर्तन नहीं कर पाए हैं। समग्र रूप से देखें तो पाते हैं कि इस कारण देश में आजादी के बाद वर्ग संरचना या व्यवसायों के वितरण तथा प्रशासन में कोई क्रांतिकारी या नाटकीय परिवर्तन नहीं हो पाया है। भले ही कृषि की जीडीपी में भूमिका कम होकर करीब 14 प्रतिशत रह गई है, मगर उस पर अब भी 45 प्रतिशत आबादी आश्रित है। राज्य अब भी प्रमुखता वाला और लोकप्रिय नियोक्ता बना हुआ है। अधिकतर श्रमिक अकुशल हैं, और वे रोज गांवों से चल कर नजदीकी शहरों में मजदूरी के लिए आते हैं। अतीत के श्रमिक वर्ग समुदाय, एकजुटता वाले संगठन अपना जुझारू चरित्र खो चुके हैं। भारत में वर्ग मतभेद न केवल मजबूत बने हुए हैं बल्कि अब तो वे अहंकारों में बदल गए हैं। साधन संपन्न लोगों के सभी चुनिंदा निजी शिक्षण संस्थान व्यावसायिक हो गये हैं जिनकी फ़ीसें चौकने वाली हैं। ऐसी पब्लिक स्कूलें अप्रतिम समृद्धि अर्जित करती हैं। शिक्षा आगे बढ़ने की सीढ़ी बनने के बजाय एक ऐसी छलांग बन गई है, जो गरीब नहीं लगा पाता। यही हाल स्वास्थ्य सेवाओं का है जो अब पूरी तरह कॉर्पोरेट जगत के अधीन हो चुकी हैं और जिनके मकड़जाल में चिकित्सक भी फंस रहे हैं। बीमार शरीर और कर्ज़ में डूबा परिवार आर्थिक पायदान पर ऊपर कैसे चढ़े? सरकार का आधिकारिक चेहरा पूरी तरह पूंजी के ताप में दमक रहा है। सत्ता भी जीडीपी के आंकड़ों की धुंध में असमानता की खाई को ढके रखना चाहती है। आज भी संविधान के प्रावधान के बावजूद सब बच्चों को समान गुणवत्ता वाली शिक्षा नहीं मिल रही है। गरीबों और अमीरों के स्कूल का भेद बना हुआ है क्योंकि शिक्षा के अधिकार कानून का मोल उस कागज की रद्दी से अधिक नहीं है जिस पर वह छपा है। असमानता वाली शिक्षा व्यवस्था ने अधिकांश बच्चों को गुणवत्ता वाली शिक्षा से पूरी बाहर कर रखा है। उनमें शुरू से ही यह भावना भर दी जाती है कि वे स्थायी रूप से हीन हैं। यह तथ्य कि शिक्षा सैद्धांतिक रूप से सभी के लिए खुली है, केवल उनके बाहरी होने की भावना को रेखांकित करती है। अमीर इतने अमीर हैं कि वे सामाजिक बहुमत से अलग हो जाते हैं। खुली आर्थिक नीतियों ने अमीरों को अपने धन के प्रदर्शित का साहस और स्वाद दिया है। उनकी कार्यप्रणाली उन्हें उन लोगों से अलग करती है जो वेतन पर जीवन यापन करते हैं। वेतनभोगी अपनी आय पर कर का भुगतान करते हैं। उनके पास कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि यह सीधे उनके वेतन से काटा जाता है। लेकिन जो लोग संपत्ति या वाणिज्यिक उद्यमों से आय का आनंद लेते हैं, उनके पास कर से बचने के अनेक उपाय और उपकरण है, जिससे उनकी कानूनी पिरामिड में ऊपर तक पहुंच बनी हुई है। सामाजिक पैमाने के निचले स्तर पर, अकुशल या अर्ध–कुशल शारीरिक मजदूरों वाली आबादी का एक तिहाई हिस्सा अनिश्चित भविष्य के साथ श्रमसाध्य दिनचर्या का सामना करता है। असंगठित क्षेत्र में आय से केवल जीविका चलती है, प्रगति नहीं होती।

> **तकनीक ने जीवन को तेज़, प्रतिस्पर्धी और परिणाम-केंद्रित बना दिया है। धैर्य, प्रतीक्षा और संतोष जैसी प्रवृत्तियां कमजोर हुई हैं। सब कुछ तुरंत चाहिए वाली मानसिकता विकसित हो रही है। विशेषज्ञ कहते हैं कि इसका असर मानसिक स्वास्थ्य, पारिवारिक समय और जीवन के संतुलन पर पड़ रहा है। लोगों की जीवनशैली तो स्पष्ट रूप से बदल रही है। छोटी जगहों के युवा अच्छे पैकेज पर अपनी जगह छोड़ कर बाहर जा रहे हैं।**

पारंपरिक राजनीति के प्रति अब किसी का रुझान नहीं है। प्रतिस्पर्धी चुनावी राजनीति प्रचलन में है, जिसमें जन प्रतिनिधि स्थानीय लोग नहीं तय करते है, बल्कि पार्टी संगठनों के आलाकमान उन्हें चुनते हैं। हालांकि यह कभी कोई नहीं जान पाता कि पार्टी आलाकमान क्या और कौन है? यह ढांचा सभी पार्टियों में रहस्य बना रहता है। पूंजी और श्रम के संगठनात्मक ढांचे रूढ़िवादी और अक्षम है। यही कारण है कि देश में मेन्युफेक्चरिंग क्षेत्र में विकास की दर सबसे कम बनी हुई है। देश में ध्रुवीकृत सामाजिक संरचना बनाने की तेज होती कोशिशें बेचैन करती हैं। हालांकि कोई भी भारत में सामाजिक क्रांति की उम्मीद नहीं कर सकता, लेकिन, कोई भी तेजी से भारतीयकरण की उम्मीद भी नहीं कर रहा है, सिवाय उन सतही मामलों के जो किसी भी आधुनिक औद्योगिक समाज को पसंद आते हैं, विशेष रूप से उपभोक्ता सामान। भारत की राजनीतिक संभावनाएं ऐसी ही है। जिस विकास के दावे आज किए जा रहे हैं, बहुसंख्यक जन उस विकास के मात्र दर्शक बने हुए हैं, भागीदार नहीं। आज भी जाति, वर्ग, लिंग और क्षेत्र अधिकतर मामलों में अवसर तय होते हैं। नेटवर्किंग और सिफ़ारिश जिनके पास होती है वे अवसर पा जाते हैं और असमर्थ, जो केवल अपनी योग्यता पर निर्भर करता है, वह अपने को धकेला हुआ पाता है, क्योंकि बराबरी की दौड़ में कुछ लोग 100 मीटर आगे से दौड़ शुरू करते हैं। सरकारी योजनाएं जो लाभार्थी को सीधे नकद या अन्न देती है वह बस भूख को कम करती हैं, तात्कालिक राहत प्रदान करती हैं। लेकिन ये योजनाएं गरीब को आत्मनिर्भर उद्यमी या कुशल कारीगर या कर्मचारी नहीं बनातीं। गरीबी प्रबंधित हो रही है, समाप्त नहीं। शहरीकरण और पलायन का जाल पीढ़ीगत गरीबी का निर्माण कर रहा है। गरीब इसलिए पीछे नहीं है कि वह मेहनती नहीं है, बल्कि इसलिए हैं कि शासन व्यवस्था मेहनत को अवसर में बदलने का उपाय करने में असफल हो रही है। शासन आज के भारत को दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में पहुंचा देने का दावा कर रहा है। जीडीपी के आंकड़े उत्साह से भरे हैं, शेयर बाज़ार नई ऊंचाइयां छू रहा है, लेकिन इस चमक के नीचे एक कड़वी सच्चाई छिपी है – भारत का गरीब उसी तेजी से आर्थिक सीढ़ी पर ऊपर चढ़ पाने में अपने को असमर्थ पा रहा है। कुछ हाथों में सीमित पूंजी के बढ़ने से देश की जीडीपी तो बढ़ी हुई दिखती है किन्तु दूसरी तरफ प्रतिव्यक्ति जीडीपी हमें दूसरी सच्चाई से भी रूबरू कराती है। सवाल यह नहीं कि विकास क्यों नहीं हो रहा, सवाल यह है कि विकास सबको साथ लेकर क्यों नहीं चल पा रहा? हमें यह तय करना है कि हम केवल आर्थिक वृद्धि चाहते हैं या समान अवसरों पर आधारित प्रगति, क्योंकि बिना सामाजिक गतिशीलता के कोई भी विकास न टिकाऊ होता है, न न्यायपूर्ण। विकास का मतलब है गरीब का गरीब न रहना, अगली पीढ़ी का बेहतर जीवन जी पाना, और मेहनत के दम पर सामाजिक–आर्थिक हैसियत बदल सकना। यह प्रक्रिया जब ठहर जाती है, तो समाज में असंतोष, हताशा और असमानता गहराने लगती है। देश आज इसी मोड़ पर खड़ा है। जहां सुविधाएं बढ़ी है, वहीं अति उपभोग और वित्तीय असंतुलन की आशंका भी बढ़ी है, जो सामाजिक अलगाव, मानसिक दबाव और होड की जीवनशैली को जन्म ले रही है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा,
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

राजस्थान के बजट के 75 साल का बहीखाता

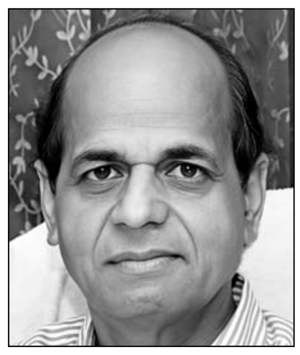

डॉ. कैलाश चन्द सैनी

राजस्थान का वर्ष 1952 से 2026 तक का बजट केवल आय–व्यय का दस्तावेज़ नहीं रहा, बल्कि सत्ता, संसदीय परम्परा और परिपक्वता की कहानी भी कहता है। यह 75 वर्षों की उस वित्तीय यात्रा का बहीखाता है, जिसने मरु प्रदेश के विकास की दिशा तय की है।

किसी भी विधानसभा के दो प्रमुख काम होते हैं– विधायी और वित्तीय। इस परिप्रेक्ष्य में राजस्थान विधानसभा ने पिछले 75 वर्षों में न केवल राज्य के लोगों के लिए कल्याणकारी कानूनों का निर्माण किया है, बल्कि प्रतिवर्ष राज्य का बजट पारित कर प्रदेश के आर्थिक विकास की दिशा भी निर्धारित की है। वर्ष 1952 से अब तक की इस यात्रा में जहाँ एक ओर आंकड़ों की विस्तृत दुनिया दिखाई दी है, वहीं दूसरी ओर राजनीतिक नेतृत्व के अनेक रोचक और अर्थपूर्ण रंग भी उभरकर सामने आए हैं। पचहत्तर वर्षों के इस संसदीय इतिहास में विधानसभा के सम्मानित सदन में वित्त मंत्रियों द्वारा 74 बार बजट भाषण प्रस्तुत किया जाना इस बात का प्रमाण है कि राजस्थान ने अपने विकास के हर उतार–चढ़ाव को सजगता और गंभीरता से देखा–परखा है।

शुरुआती सारथी : मिर्धा से व्यास तक

राजस्थान के वित्तीय इतिहास का श्रीगणेश 7 अप्रैल 1952 को हुआ, जब नाथूराम मिर्धा ने पहले वित्त मंत्री के रूप में वर्ष 1952–53 का बजट प्रस्तुत किया। राजस्थान की राजनीति के इस कद्दावर नेता का व्यक्तित्व आगे चलकर इतना प्रभावी सिद्ध हुआ कि वे 1979–80 में केंद्र सरकार में वित्त राज्य मंत्री भी रहे। अब तक राजस्थान के वित्तीय इतिहास में 20 वित्त मंत्रियों ने राज्य का बजट प्रस्तुत किया है। यहाँ की एक विशिष्ट परंपरा यह भी रही है कि कई अवसरों पर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने स्वयं वित्त विभाग का दायित्व संभालते हुए बजट प्रस्तुत किया। इसी परंपरा की शुरुआत करते हुए जयनारायण व्यास 17 मार्च 1953 को राज्य के पहले ऐसे मुख्यमंत्री बने, जिन्होंने बजट प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी भी स्वयं निभाई। इसके ठीक बाद, 12 मार्च 1954 को टीकाराम पालीवाल ने वित्त मंत्री की हैसियत से बजट पेश किया। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि पालीवाल इससे पूर्व राज्य के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री – दोनों पदों पर रह चुके थे।

सुखाड़िया युग : सत्रह वर्षों का 'शून्य बजट प्रस्तुति' काल

राजस्थान के वित्तीय इतिहास का सबसे रोचक और विश्लेषणात्मक तथ्य मोहनलाल सुखाड़िया से जुड़ा है। लगभग 17 वर्षों (1954–1971) तक मुख्यमंत्री रहने के बावजूद उन्होंने स्वयं कभी बजट प्रस्तुत नहीं किया। यह निर्णय सत्ता के विकेंद्रीकरण और मंत्रियों की वित्तीय विशेषज्ञता पर उनके गहरे विश्वास को दर्शाता है। उनके कार्यकाल में बृजसुन्दर शर्मा, हरिभाऊ उपाध्याय, बालकृष्ण कौल और मथुरादास माथुर जैसे दिग्गज वित्त मंत्रियों ने सदन में राज्य के आर्थिक आंकड़े प्रस्तुत किए।

इनमें हरिभाऊ उपाध्याय का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जिन्होंने 1952–56 तक अजमेर राज्य के मुख्यमंत्री रहने के बाद 1957–62 के दौरान राजस्थान का पाँच बार बजट प्रस्तुत किया। यह दौर इस बात का उदाहरण है कि राजस्थान की वित्तीय परंपरा व्यक्ति–केंद्रित न होकर संस्था–केंद्रित रही।

आंकड़ों के जादूगर : गहलोत और राजे

आधुनिक राजस्थान की राजनीति में अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे का नाम वित्तीय प्रबंधन और बजट प्रस्तुति के संदर्भ में विशेष रूप से उल्लेखनीय है। सुखाड़िया के बाद सबसे लंबे समय तक राज्य की बागडोर संभालने वाले अशोक गहलोत 1998 में पहली बार मुख्यमंत्री बने। प्रारंभ में उन्होंने अपने पास किसी भी विभाग का प्रभार नहीं रखा और बजट की जिम्मेदारी विश्वस्त वित्त मंत्री प्रद्युम्न सिंह को सौंपी, जिन्होंने चार बार बजट प्रस्तुत किया। प्रद्युम्न सिंह ऐसे वित्त मंत्री रहे जिन्हें विधानसभा के टाउन हॉल स्थित पुराने भवन और ज्योतिनगर स्थित नए भवन– दोनों में बजट पेश करने का अवसर मिला। तेरहवीं और पंद्रहवीं विधानसभा के कार्यकाल में अशोक गहलोत ने अपने सभी 10 बजट स्वयं प्रस्तुत किए।

इसी प्रकार, वसुंधरा राजे ने बारहवीं और चौदहवीं विधानसभा के अपने दोनों कार्यकालों में सभी 10 बजट स्वयं पेश कर सर्वाधिक बजट प्रस्तुत करने का रिकॉर्ड बनाया, जिसकी बराबरी आगे चलकर अशोक गहलोत ने की। तीन बार प्रदेश की बागडोर संभालने वाले भैरोंसिंह शेखावत अपने दूसरे और तीसरे कार्यकाल में कुल 6 बार बजट प्रस्तुत करने वाले मुख्यमंत्री रहे। उनके पहले कार्यकाल में वित्त मंत्री मास्टर आदित्येन्द्र ने बजट पेश किया। शेखावत ने अंत्योदय जैसी योजना को लागू कर राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बनाई।

जगन्नाथ पहाड़िया, हरिदेव जोशी और शिवचरण माथुर भी ऐसे मुख्यमंत्री रहे जिन्होंने अपने कार्यकाल में अनेक बार बजट प्रस्तुत करने का दायित्व निभाया। पहाड़िया लोकसभा और राज्यसभादोनों सदनों में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर चुके थे और केंद्र सरकार में वित्त उपमंत्री भी रहे। पहली से दसवीं विधानसभा तक लगातार विधायक निर्वाचित होकर हरिदेव जोशी ने एक अनूठा रिकॉर्ड बनाया। वे जहाँ तीन बार मुख्यमंत्री रहे, वहीं शिवचरण माथुर भी दो बार प्रदेश की बागडोर संभाल चुके थे।

चन्दनमल बैद वित्तीय विशेषज्ञ

यदि केवल वित्त मंत्री के रूप में प्रभाव और निरंतरता की बात की जाए, तो चन्दनमल बैद का स्थान विशिष्ट है। उन्होंने बरकतुल्ला खां (दो बार), हरिदेव जोशी (चार बार), शिवचरण माथुर (एक बार) और अशोक गहलोत (एक बार) – कुल चार मुख्यमंत्रियों के कार्यकाल में आठ बार बजट प्रस्तुत किए। वे सही अर्थों में राजस्थान के सबसे अनुभवी और विशेषज्ञ वित्त मंत्रियों में गिने जाते हैं।

लोकसभा में प्रस्तुत हुआ राजस्थान का बजट

इतिहास सदैव एकरेखीय नहीं होता। एक अवसर ऐसा भी आया जब राष्ट्रपति शासन के कारण राजस्थान विधानसभा के स्थान पर राज्य का बजट लोकसभा में प्रस्तुत किया गया। केंद्र सरकार के वित्त राज्य मंत्री एम. वी. चन्द्रशेखर मूर्ति ने वर्ष 1993–94 का बजट लोकसभा में पेश किया। वित्तीय विषयों में सिद्धहस्त और अनुभवी मानिकचन्द सुराणा की यह विडंबना रही कि वित्त मंत्री होने के बावजूद सीमित कार्यकाल के कारण उन्हें सदन में बजट भाषण देने का अवसर ही नहीं मिल सका। इसी प्रकार, मात्र 16 दिन मुख्यमंत्री रहे हीरालाल देवपुरा भी वित्त विभाग का दायित्व होने के बावजूद बजट प्रस्तुत नहीं कर पाए।

बजट के तीसरे पड़ाव पर : दिया कुमारी

इतिहास के पन्नों से निकलकर वर्तमान की ओर दृष्टि डालें, तो उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी आज एक नई इबारत लिखने जा रही हैं। हरिशंकर भाभड़ा के बाद वे वित्त विभाग संभालने वाली प्रभावशाली उपमुख्यमंत्री हैं। 11 फरवरी 2026 को वे अपना तीसरा बजट प्रस्तुत करने जा रही हैं, जो राजस्थान के विकसित होने के संकल्प की अगली कड़ी होगा। उल्लेखनीय है कि दो बार विधानसभा अध्यक्ष रह चुके हरिशंकर भाभड़ा ने उपमुख्यमंत्री रहते हुए 1997–98 में दो बार बजट प्रस्तुत किया था।

निष्कर्ष– वर्ष 1952 के पहले बजट से लेकर 2026 के प्रस्तावित बजट तक राजस्थान ने आर्थिक विकास की एक लम्बी और सार्थक यात्रा तय की है। यह यात्रा केवल आय–व्यय के आंकड़ों तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह उन नेतृत्वकर्ताओं की दूरदर्शी सोच को भी प्रतिबिंबत करती है, जिन्होंने मरू प्रदेश को एक विकसित और सशक्त राज्य बनाने का सपना देखा। विधानसभा के सदन में वित्त मंत्रियों द्वारा प्रस्तुत 74 बजट भाषणों का यह लेखा–जोखा राजस्थान की राजनीतिक परिपक्वता, स्वस्थ संसदीय परंपराओं और आर्थिक विकास की जीवंत गाथा प्रस्तुत करता है।

– डॉ. कैलाश चन्द सैनी,
पूर्व मुख्य अन्वेषण एवं संदर्भ अधिकारी, राजस्थान विधानसभा, जयपुर

पाली : जिला कारागृह के निरीक्षण में बंदियों से समस्यायें जानी

प्राधिकरण सचिव भाटी ने जिला कारागृह का निरीक्षण किया

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) विक्रम सिंह भाटी ने जिला कारागृह, पाली का आकस्मिक निरीक्षण किया।

पाली, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) विक्रम सिंह भाटी ने मंगलवार को जिला कारागृह, पाली का आकस्मिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान 78 बंदी जिला कारागृह, पाली में निरूद्ध मिले। इस दौरान सचिव भाटी द्वारा बंदियों से वार्तालाप कर कारागृह में भोजन, चिकित्सीय सुविधा, पेयजल, सफाई व्यवस्था इत्यादि के संबंध में जानकारी ली गई। इसके अतिरिक्त कोई भी बंदी निजी अधिवक्ता करने में असमर्थ हो अथवा विधिक सहायता के अभाव में बिना अधिवक्ता के कारागृह में निरूद्ध ना रहे, इसके लिए सचिव भाटी द्वारा कारागृह में बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी। साथ ही ऐसे बंदी जिनकी जमानत होने के उपरांत भी कारागृह में निरूद्ध हो इस संबंध में भी जानकारी ली गई तथा बंदियों को उनके प्रकरणों की स्थिति के बारे में बताया। सचिव भाटी ने बंदियों से वार्तालाप कर समस्याओं के बारे में पूछा तथा नये बंदियों से वार्तालाप कर वक्त घटना/आरोपित अपराध के समय उनकी आयु के संबंध में जानकारी ली। सभी बंदी की ओपीडी के समय में स्वास्थ्य जांच की जाती है तथा इमरजेंसी होने पर बंदी को राजकीय बांगड़ अस्पताल पाली रेफर किया जाता है। निरीक्षण के दौरान जोराराम कुमावत कारापाल जिला कारागृह पाली, रविंद्र परिहार मेलनर्स जेल डिस्पेंसरी पाली, अल्ताफ हुसैन सहायक जेल विजिटिंग लॉयर्स तथा इंटर्नशिप करने आए पुनित गोरा विधि विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाएं कल से

> **इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं में 19 लाख 90 हजार 57 विद्यार्थी पंजीकृत किए गए हैं**

अजमेर, (निसं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाएं गुरुवार 12 फरवरी से राज्यभर में प्रारंभ होंगी। इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं में 19 लाख 90 हजार 57 विद्यार्थी पंजीकृत किए गए हैं। परीक्षाओं का आयोजन प्रदेशभर में 6194 परीक्षा केंद्रों पर किया जाएगा।

बोर्ड सचिव गजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि इस वर्ष सेकेंडरी परीक्षा में 10 लाख 68 हजार 109, सीनियर सेकेंडरी परीक्षा में 9 लाख 10 हजार 9, प्रवेशिका में 7 हजार 817 तथा वरिष्ठ उपाध्याय वर्ग में 4 हजार 122 विद्यार्थी पंजीकृत किए गए हैं। उन्होंने बताया कि परीक्षा के सफल संचालन के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई हैं। नकल रहित परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी, उड़नदस्तों की तैनाती एवं विशेष दलों की नियुक्ति की गई है। इस साल जिलों में अभय कमांड सेन्टर से भी परीक्षाओं की मॉनिटरिंग की जाएगी। बोर्ड सचिव ने परीक्षार्थियों से समय से परीक्षा केंद्र पर पहुंचने तथा बोर्ड द्वारा जारी सभी दिशा–निर्देशों का पूर्ण पालन करने की अपील की है। परीक्षाओं के सफल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी आयोजन के लिए शिक्षक, केंद्राध्यक्ष एवं प्रशासनिक अधिकारी समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं।

अज्ञात जंगली जानवर ने कई मवेशियों को मारा

सादुलपुर, (निसं)। गांव ग्वालीसर में सोमवार व मंगलवार की रात्रि को अज्ञात जंगली जानवरों के हमले में अनेक मवेशियों की मौत व घायल होने का मामला सामने आया है तथा अनेक मवेशी गायब बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार पशुपालक नवीन अपने 85 मवेशियों को रिवाडे में बन्द कर पास ही बने मकान में सो गया। हमेशा की तरह सुबह 7–8 बजे मवेशियों को संभाला तो दंग रह गया। इसी दौरान रिवाडे में अनेक भेड़ लहूलुहान पड़ी थी, जिसमें कई मवेशियों की मौत हो चूकी थी तो कई मवेशी घायल थे। ग्रामीणों ने बताया कि वन विभाग जल्द से जल्द अज्ञात जंगली जानवर का रेस्क्यू करें ताकि ग्रामीणजन व पशुपालकों को राहत मिल सके। पशुपालक नवीन ने बताया कि वह मवेशियों का पालकर अपने परिवार का पालन–पोषण कर जीवन यापन करता है, मगर अब उसके सामने रोजी–रोटी का पहाड़ टूट पड़ा है। उन्होंने बताया कि 35 मवेशी गायब हैं, तथा गांव में अज्ञात जानवर बताया जा रहा है।

उदयपुर : सामूहिक विवाह सम्मेलन में 40 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

उदयपुर, (का.सं.)। मंगलवार को राजपूत महासभा संस्थान, उदयपुर संभाग द्वारा आयोजित 27वें सामूहिक विवाह समारोह में 40 जोड़े शादी की सभी रस्में निभाने के बाद जीवनसाथी बने। 40 पण्डितों के एक साथ मंत्रोच्चार से फतह स्कूल का विशाल पाण्डाल गूंज उठा।

फतह स्कूल में विवाह की रस्में सम्पन्न होने से पूर्व टाउनहॉल से 40 घोड़ी एवं 10 बग्गियों में वर–वधू बैण्ड–बाजों की धुनों के साथ समाजजन नाचते–गाते टाउन हॉल से फतह स्कूल पहुंचे, जहां सभी दुल्हों ने तोरण की रस्म सम्पन्न की। बिंदौली में 40 घोड़ों एवं 10 सुसज्जित बग्घियों में सवार दूल्हा–दुल्हन उल्लास और उत्साह के साथ आगे बढ़ रहे थे।

दोपहर एक बजे विवाह स्थल पर तोरण रस्म विधिवत रूप से संपन्न हुई। जिसमें दूल्हा–दुल्हन के माता–पिता सहित सैकड़ों समाजजन और रिश्तेदार उपस्थित रहे और उन्होंने नवयुगलों को अपना स्नेह व आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मेघराज सिंह रॉयल ने समाज की एकता पर बल देते हुए कहा कि अब हमें संगठित होकर आगे बढ़ाना है। इसके पश्चात सभी वर–वधु पाण्डाल में पहुंच कर पण्डितों द्वारा किये गये मंत्रोच्चार एवं उनके बतायी गयी रस्मों को निभाते हुए परिणय सूत्र में बंधे। समारोह में संस्थान के महासचिव प्रदीप सिंह भाटी, मेघराजसिंह रायल, पूर्व मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास, रामप्रताप सिंह डिग्गी, भाजपा नेता हिम्मतसिंह झाला, राजस्थान विद्यापीठ के वाइस चांसलर कर्नल प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, भापजा नेता एवं पूर्व विधायक रणधीरसिंह भीण्डर, वीरेन्द्र रावणा, वीरमदेवसिंह कृष्णावत, यदुराजसिंह कृष्णावत को क्षत्रिय शिरोमणी विभूति सम्मान से सम्मानित किया गया।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 11 फरवरी, 2026

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, अनुराधा नक्षत्र दिन 10:53 तक, व्याघात योग रात्रि 2:30 तक, गर करण प्रातः 9:59 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

गृह स्थितिः सूर्य–मकर, चन्द्रमा–वृश्चिक, मंगल–मकर, बुध–कुम्भ, गुरू–मिथुन, शुक्र–कुम्भ, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 10:53 तक है। भद्रा रात्रि 11:11 से आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ–अमृत सूर्योदय से 9:56 तक, शुभ 11:18 से 12:41 तक, चर 3:26 से 4:49 तक, लाभ 4:49 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:11, सूर्यास्त 6:12

मेष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। परिवार में वाद–विवाद हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा।

कर्क
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

सिंह
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

कन्या
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कारणों से मन में असंतोष बना रहेगा। वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सनातन संस्कृति को मजबूत करने में संत और महात्माओं का अद्वितीय योगदान : मुख्यमंत्री

'युवा पीढ़ी संतों की शिक्षा आत्मसात करें, भारत की गौरवशाली परंपरा आगे बढ़ाएं'

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जयपुर के आराध्य श्री गोविंददेव जी मंदिर परिसर स्थित जय निवास उद्यान से विधिवत पूजा-अर्चना कर विशाल कलश यात्रा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संत-महात्मा राष्ट्र को सही दिशा देकर सनातन संस्कृति को मजबूत कर रहे हैं तथा इनके विचार मानवता, सेवा एवं सद्भावना का संदेश देते हैं।

उन्होंने युवाओं से आव्हान किया कि संतों की शिक्षाओं और आदर्शों को आत्मसात करें तथा भारत की गौरवाशाली परम्परा को आगे बढ़ाने में योगदान दें। शर्मा ने कहा कि बाबा बालनाथ ने भारतीय धर्म एवं संस्कृति को आगे बढ़ाने में अद्वितीय योगदान दिया। इसी परंपरा का बाबा बस्तीनाथ जी महाराज भी अनुसरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की अवधारणा पर आधारित है, जो सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का संदेश देती है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बस्तीनाथ महाराज को दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस दौरान शर्मा ने महाराज जी के आशीर्वचन भी सुनें।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जयपुर के गोविंददेवजी मंदिर परिसर से विशाल कलश यात्रा का शुभारंभ किया।

- **मुख्यमंत्री ने गोविंददेवजी मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए कामना की**

कलश यात्रा में हजारों की संख्या में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इससे पहले शर्मा ने गोविंददेव जी मंदिर में दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। उन्होंने मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं से आत्मीयता के साथ मुलाकात की और उनका अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों ने भगवान गोविंददेव जी के जयघोष से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर विधायक देवी सिंह शेखावत सहित लोग और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पं. उपाध्याय की पुण्यतिथि आज

जयपुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति द्वारा एकात्म मानववाद के प्रणेता पं. दीन दयाल उपाध्याय की 58 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी स्मृति में पुष्पांजलि एवं प्रार्थना सभा का आयोजन बुधवार को सायं 4 बजे से 5:30 बजे तक धानक्या रेलवे स्टेशन स्थित पंडित दीन दयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्मारक स्थल पर किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष प्रो. मोहनलाल छीपा ने बताया कि पुण्यतिथि पर हर वर्ष की भांति 11 फरवरी को धानक्या में दीनदयाल जी के राष्ट्रीय स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के लिए प्रार्थना सभा रखी है। पुण्यतिथि के अवसर पर भण्डारी हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर, जयपुर एवं समिति के सहयोग से स्मारक पर प्रात: 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक नि:शुल्क चिकिसा शिविर लगेगा, जिसमें एलोपैथी, होम्योपैथी, आयुर्वेद एवं योग चिकित्सा के विशेषज्ञ जाँच कर परामर्श प्रदान करेंगे। पंडित दीनदयाल उपाधयाय के जीवन से सम्बंधित दुर्लभ छायाचित्र और प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जाएगा।

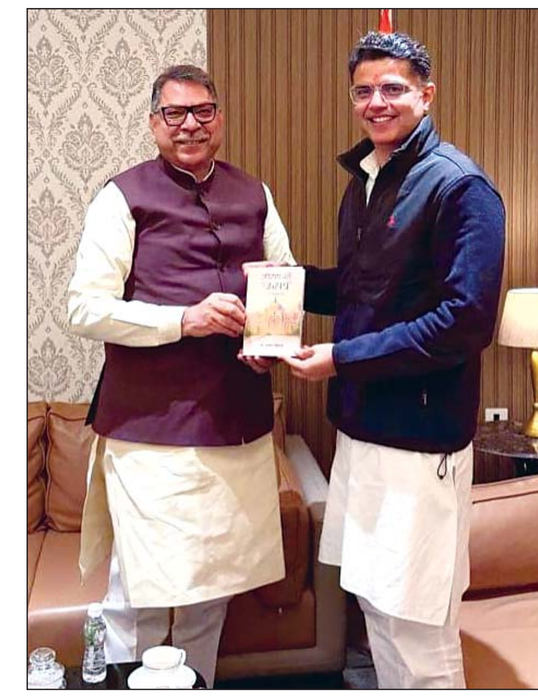

राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और हरियाणा प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने जयपुर एयरपोर्ट पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट से मुलाकात के दौरान ''अग्निपथ नहीं जनपथ'' पुस्तक भेंट की।

'दिहाड़ी मजदूर की महीने की आय 26 नहीं 30 दिनों की मानी जानी चाहिए'

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने मोटर दुर्घटना के मुआवजे से जुडे मामले में कहा कि दिहाड़ी मजदूर की महीने की आय 26 दिनों के बजाय 30 दिनों की मानी जानी चाहिए। इसके साथ ही अदालत ने अफसरों को 26 दिनों के बजाय 30 दिनों की मजदूरी की गणना करने का निर्देश दिया है, जिससे संबंधित पक्षकारों को सही मुआवजा मिल सके।

अदालत ने आदेश की कॉपी केन्द्र सरकार के श्रम मंत्रालय सचिव, श्रम विभाग व राज्य सरकार को भी भेजने का निर्देश दिया है, ताकि वे दिहाड़ी मजदूरों को महीने में 26 दिन के बजाय 30 दिन की न्यूनतम मजदूरी देने के अपने नोटिफिकेशन को बदलने के लिए कदम उठाए।

जस्टिस अनूप कुमार यह आदेश लक्ष्मण कुमावत की अपील को मंजूर करते हुए दिया। अदालत ने कहा कि प्रार्थी मुआवजे के तौर पर 33040 रुपए की अतिरिक्त राशि और प्राप्त करने का हकदार है।

ऐसे में मामले से जुडे संबंधित पक्षकारों को निर्देश दिया जाता है कि वे मजदूरी की पुन: गणना कर बढ़ी हुई राशि दो महीने में प्रार्थी को याचिका दायर करने की तारीख से 6 प्रतिशत ब्याज सहित अदा करें। अपील में अधिवक्ता राहुल सिंह ने कहा कि अपीलार्थी 27 अगस्त, 2020 को मोटरसाइकिल से जा रहा था। इतने में दूसरी तरफ से वाहन ने आकर उसे टक्कर मार दी।

जिससे उसके गंभीर चोटें आई। इस पर अपीलार्थी की ओर से स्थानीय एमएसीटी कोर्ट में मुआवजे के लिए परिवाद पेश किया गया। जिस पर फैसला देते हुए अधिकरण ने मुआवजे की गणना के लिए न्यूनतम मजदूरी की गणना 26 दिनों से की। जबकि दैनिक मजदूर को माह में 30 दिन काम करने वाला माना जाता है।

इसलिए मुआवजे की गणना तीस दिन मजदूरी के आधार पर किया जाए। जिसका विरोध करते हुए बीमा कंपनी की ओर से कहा गया कि श्रम मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार मजदूर माह में 26 दिन ही काम करते हैं।

ऐसे में अधिकरण ने अपने आदेश में कोई गलती नहीं की है। इसलिए अपील को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने मजदूरी की गणना तीस दिन के आधार पर करने को कहा है।

'धार्मिक स्थलों में भक्तों के लिए सुरक्षा और संसाधन मुहैया कराए'

जयपुर (कासं)। राज्य मानवाधिकार आयोग ने कहा है कि धार्मिक स्थलों पर लाखों की संख्या में आने वालों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

इनकी अनदेखी से ही पूर्व में विभिन्न मंदिरों और दरगाहों में अव्यवस्थाओं के चलते, भगदड़ जैसी दुखद घटनाओं में दर्शनार्थियों ने अपनी जान खोयी है और कई घायल भी हुए हैं। ऐसे में देवस्थान विभाग और मुख्य धार्मिक स्थलों से संचालक मंडलों से आयोग अपेक्षा करता है कि वे धार्मिक स्थलों में उचित संसाधन सुनिश्चित करें। आयोग अध्यक्ष जस्टिस जीआर मूलचंदानी ने यह आदेश प्रकरण में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए दिए।

आयोग ने कहा कि धार्मिक स्थलों पर पीने के पानी, छाया, बैठने के लिए स्थान, वृद्ध, बीमार और महिलाओं के लिए अलग पंक्ति के साथ ही सुलभ दर्शन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही आयोग ने देवस्थान आयुक्त को कहा है कि वे धार्मिक स्थलों में इन सुविधाओं को लेकर आयोग में रिपोर्ट पेश करें।

आयोग ने मामले में प्रदेश में प्रमुख मंदिरों के प्रबंधकों के साथ ही सभी संभागीय आयुक्त, जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी किए हैं।

आयोग ने रामदेवरा, श्रीनाथजी, सांवरिया सेठ, खाटू श्याम जी, मेहंदीपुर बालाजी, गोविन्द देवजी, सालासर बालाजी, बेणेश्वर धाम, चौथ माता, मोती डूंगरी, एकेश्वर, गलता, गोवर्धन जी, जोधपुर का रामदेवरा, पाल के बालाजी, संतोषी माता, रातानाडा गणेश मंदिर और अजमेर दरगाह के साथ ही किलों में स्थित माताजी के मंदिर साल में कई बार मेले भरते हैं। जिसके लाखों की संख्या में भक्त आते हैं। असंख्य जनसमूह के एकत्र होने पर भगदड जैसी घटनाएं भी हुई हैं।

राजस्थान में अंगदान और अंग प्रत्यारोपण की सेवाएं मजबूत करेगी सरकार

पारदर्शिता के लिए पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन संचालित किया जाएगा : गायत्री राठौड़

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में समीक्षा बैठक ली।

जयपुर (कासं)। प्रदेश में अंगदान और अंग प्रत्यारोपण सेवाओं को सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने के लिए प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन संचालित किया जाएगा। इसके लिए नव विकसित लाइव पोर्टल जल्द शुरू किया जाएगा। अंगदान एवं प्रत्यारोपण करने वाले सभी अस्पतालों को इस पोर्टल से जोड़ा जाएगा, ताकि अंगदान एवं प्रत्यारोपण की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहे और सभी जानकारियां इस पर उपलब्ध हों।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने स्वास्थ्य भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अंगदान एवं अंग प्रत्यारोपण जीवन रक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। प्रदेश में इससे जुडी सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए मानक प्रक्रियाओं को पूरी तरह ऑनलाइन करने के साथ ही विजिलेंस सिस्टम को सुदृढ़ बनाया जाएगा। राठौड़ ने कहा कि अंगदान एवं प्रत्यारोपण के कार्यों के लिए निदेशालय स्तर पर गठित प्रकोष्ठ को और सुदृढ़ किया जाएगा।

यह प्रकोष्ठ नियमित रूप से अस्पतालों का निरीक्षण करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि सभी अस्पतालों में अंगदान एवं प्रत्यारोपण की प्रक्रियाएं एसओपी के अनुरूप हों और उन अस्पतालों में इन कार्यों के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हो। साथ ही,सभी महत्वपूर्ण जानकारियां पोर्टल पर अपडेट हों।

- **लाइव पोर्टल से जुड़ेंगे सभी अस्पताल, विजिलेंस सिस्टम भी मजबूत होग**

सीएचसी स्तर तक मिलेगा प्रशिक्षण

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि अंगदान को प्रोत्साहित करने के लिए मेडिकल कॉलेज से लेकर ट्रोमा सेंटर एवं सीएचसी स्तर तक स्वास्थ्यकर्मियों एवं एम्बुलेंसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जाए। साथ ही, आमजन एवं स्वास्थ्यकर्मियों में इस पुनीत कार्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

जनसमस्या निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता

प्रमुख शासन सचिव ने अधिकारियों से कहा कि वे जनसमस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। जनसुनवाई, सम्पर्क पोर्टल, 181 हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री कार्यालय या अन्य माध्यमों से प्राप्त परिवेदनाओं का त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। साथ ही, शिकायतकर्ता से बात कर समस्या समाधान का फीडबैक भी प्राप्त करें। उन्होंने ग्रिवांस रिडरेसल सिस्टम को मजबूत बनाने और इसके लिए तकनीकी नवाचारों को अपनाने पर भी बल दिया।

बेहतर सर्विस डिलीवरी पर फोकस

राठौड़ ने कहा कि अधिकारी स्वयं के स्टाफ की समस्याओं का भी समय पर निस्तारण कर उन्हें राहत प्रदान करें। कार्यालय परिसर में साफ-सफाई, रंग-रोगन एवं नियमित मेंटीनेंस के कार्यों पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी एवं कार्मिक बेहतर सर्विस डिलीवरी पर फोकस करते हुए आमजन को विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों का पूरा लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव, अतिरिक्त मिशन निदेशक डॉ. टी. शुभमंगला, राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी की अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. निधि पटेल, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त नरेश गोयल, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पीएम सेतु योजना में राजस्थान देशभर में नंबर-1 बना

''राजस्थान इकलौता राज्य है, जिसे भारत सरकार के कौशल मंत्रालय के राष्ट्रीय डैशबोर्ड पर सभी ग्रीन इंडिकेटर प्राप्त है।''

जयपुर। प्रधानमंत्री कौशल विकास एवं रोजगार क्षमता उन्नयन (पीएम-सेतु) योजना के क्रियान्वयन में राजस्थान देश में नंबर-1 स्थान पर है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने कौशल विकास और रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इसके लिए वर्ष 2025 में नई कौशल नीति तथा जनवरी-2026 में रोजगार नीति लागू की गई।

ज्ञात रहे कि पीएम-सेतु योजना का मुख्य उद्देश्य सरकारी आईटीआई को आधुनिक बनाना, इंडस्ट्री-लिंक्ड ट्रेनिंग प्रदान करना और कौशल विकास द्वारा रोजगार बढ़ाना है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर मंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ स्वयं राज्य के आई.टी.आई. कलस्टरों की पहचान व उन्नयन के लिए प्रयासरत है।

मंत्री राठौड़ ने बताया कि राजस्थान सरकार के कौशल, रोजगार व उद्यमिता विभाग ने इस पी.पी.पी. योजना के टेंडर दस्तावेज तैयार करते समय व्यापक सुधार किए है। राज्य द्वारा ''रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आर.पी.एफ.) जारी की है, जिसे भारत सरकार की मॉडल आर.पी.एफ. के अनुरूप रखते हुए पिछले 3 महीनों में हितधारक परामर्श बैठकों से प्राप्त सुझावों के आधार पर और अधिक व्यवहारिक बनाया है। इन सुधारों का उद्देश्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करना है। मंत्री राठौड़ ने बताया कि राजस्थान, देश का ऐसा पहला राज्य है, जिसे भारत सरकार के कौशल मंत्रालय के राष्ट्रीय डैशबोर्ड पर सभी ग्रीन इंडिकेटर प्राप्त है। यह सरकार की कार्यशैली दर्शाता है।

मंत्री राठौड़ ने बताया कि राज्य सरकार ने इस योजना में एक प्रमुख सुधार करते हुए 10 वर्ष का अनुबंध अवधि तय की है, जिसमें योजना का वित्त पोषण केवल 5 वर्ष तक होगा। इससे 9 पूर्ण शैक्षणिक चक्रों का संचालन संभव होगा और अल्पकालिक परियोजनाओं से जुड़ी अस्थिरता में कमी आएगी। मंत्री राठौड़ ने बताया कि 16 फरवरी को बोलीदाताओं और हितधारकों के लिए विशेष कार्यशाला होगी, जिसमें ''रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आर.पी.एफ.) की बारीकियां, प्रस्ताव प्रस्तुत करने की प्रक्रिया और रणनीतिपूर्ण निवेश प्लान बनाने के बारे में मार्गदर्शन दिया जायेगा।

योजना के तहत प्री-बिड मीटिंग 4 मार्च 2026 को प्रस्तावित है, जिसमें संभावित बोलीदाताओं को टेंडर दस्तावेजों का अध्ययन करके सुझाव व शंकाए प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त समय भी मिलेगा।

वन संपदा संरक्षण और इंसानों व वन्यजीवों का संघर्ष रोकने के लिए सरकार गंभीर

वन मंत्री ने वाइल्डलाइफ इंटेलिजेंस नेटवर्क सशक्त बनाने तथा संरक्षित वन क्षेत्रों में वन्यजीवों की समुचित निगरानी के लिए विशेष सेल बनाने के निर्देश दिए

जयपुर (कासं)। वन राज्य मंत्री संजय शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में राज्य वन्यजीव मंडल की स्थायी समिति की सप्तम बैठक हुई। संजय शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की वन्यजीव संपदा के संरक्षण, मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम और पारिस्थितिकीय संतुलन बनाए रखने की दिशा में सतत और प्रभावी कदम उठा रही है।

वन मंत्री ने वाइल्डलाइफ इंटेलिजेंस नेटवर्क को सशक्त बनाने पर जोर देते हुए कहा कि इससे वन्यजीव संबंधी मामलों में वन विभाग की पुलिस पर निर्भरता कम होगी। वन्यजीवों के जनसंख्या प्रबंधन और मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं की रोकथाम के लिए मानक संचालन प्रक्रिया तैयार कर उसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। किसी वन्यजीव की मृत्यु की स्थिति में विभाग द्वारा प्रेस वार्ता कर तथ्यात्मक जानकारी साझा की जाए, ताकि भ्रामक और अपुष्ट खबरों से आमजन को दूर रखा जा सके।

उन्होंने फॉरेस्ट कम्युनिटी डवलपमेंट प्रोग्राम संचालित करने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे वन क्षेत्रों में निवासरत समुदायों को आजीविका के अवसर मिलेंगे और क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित होगा। बैठक में कराकल संरक्षण के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की गई तथा वन्यजीव संरक्षण की दिशा में भावी कार्ययोजना पर सुझाव आमंत्रित किए गए।

वन मंत्री संजय शर्मा ने मंगलवार को सचिवालय में राज्य वन्यजीव मंडल स्थायी समिति की बैठक ली।

वन राज्य मंत्री ने निर्देश दिए कि संरक्षित वन क्षेत्रों में वन्यजीवों की समुचित निगरानी के लिए एक विशेष सेल का गठन किया जाए, जो नियमित रूप से विभाग को रिपोर्ट उपलब्ध कराए। उन्होंने कहा कि वन क्षेत्रों में स्थित ऐतिहासिक महत्व की इमारतों, स्मारकों एवं शिकार हॉल का विभाग द्वारा समुचित संरक्षण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही इन स्थलों का चिन्हांकन कर उन्हें पर्यटन की दृष्टि से व्यवस्थित रूप से विकसित किया जाए।

अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार ने कहा कि वन्यजीव की मृत्यु के बाद विभागीय स्तर पर स्पष्ट प्रोटोकॉल निर्धारित किया जाए। साथ ही, वन क्षेत्रों से सटे गांवों में प्रत्येक माह बैठक आयोजित कर स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित किया जाए, उनकी समस्याएं सुनी जाएं और आवश्यक समाधान सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में 7 नवंबर को आयोजित पिछली बैठक की कार्यवाही का अनुमोदन किया गया तथा प्रगति रिपोर्ट पर विस्तृत चर्चा हुई। इसके साथ ही वन्यजीव स्वीकृति से जुड़े नए प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया। इनमें संरक्षित वन क्षेत्रों में सड़कों के नवीनीकरण, विद्युत लाइनों के संचालन तथा सामुदायिक सहभागिता से संबंधित महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे।

- **वन्यजीव की मृत्यु पर तथ्यात्मक जानकारी प्रेस वार्ता के जरिए साझा करें, ताकि लोगों को भ्रामक और अपुष्ट खबरों से दूर रखा जा सके**
- **उन्होंने वन क्षेत्रों में स्थित ऐतिहासिक महत्व की इमारतों, स्मारकों एवं शिकार हॉल का समुचित संरक्षण करने तथा इन्हें पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के निर्देश दिए**

बैठक में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख पवन कुमार उपाध्याय, अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक के.सी.ए. अरुण प्रसाद, समिति के सदस्य डॉ. रवि सिंह, राजपाल सिंह तंवर, निरंजन कुमार वसु, नम्रता भारतीय सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने किया लोक कला संगम के पोस्टर का विमोचन

जयपुर। राजस्थान की समृद्ध लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से होने वाले लोक कला संगम-2026 का शुभारंभ राजभवन में हुआ। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने इस त्रि-दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव के पोस्टर का विधिवत विमोचन किया। राज्यपाल बागडे ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे लोक कलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। संस्कार भारती, राजस्थान सरकार के पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग तथा जवाहर कला केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में यह आयोजन 20 से 22 फरवरी 2026 तक शिल्पग्राम, जयपुर में आयोजित किया जाएगा।

संस्कार भारती के प्रांत मंत्री प्रदीप सिंह राजावत ने बताया कि आयोजन की थीम ''राजस्थान रै लोकरंग रो उजास है'', जिसके अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए 400 से अधिक लोक कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। संस्कार भारती के प्रांत महामंत्री बनवारी लाल चेजारा ने कहा कि लोक कला संगम-2026 केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि लुप्तप्राय लोक कलाओं के पुनर्जीवन और कलाकारों को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने का एक सशक्त सांस्कृतिक अभियान है।

पुरानी घोषणाएं धूल फांक रहीं, बुधवार को फिर होगी जुमलों की बौछार : जूली

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में बुधवार को राज्य बजट पेश होगा, लेकिन पूर्व नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इससे पूर्व ही सरकार की कार्यप्रणाली पर तीखा हमला बोला है। एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए जूली ने कहा कि हमने सरकार के पिछले वादों का रियलिटी चैक किया और वर्तमान शासन को ''विकास विरोधी व हैडलाइन प्रेमी'' पाया। उन्होंने कहा कि 26 प्रतिशत कार्यों को अब तक हाथ भी नहीं लगाया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कुल घोषणाएं: 2717 हुई, जिनमें पूर्ण कार्य: मात्र 754 हुए। शून्य प्रगति: 707 घोषणाएं (26.02 प्रशित) ऐसी हैं जिन्हें सरकार ने दो साल बीतने के बावजूद छुआ तक नहीं है। जूली ने सवाल तंज कसते हुए कहा कि ''जब पिछली घोषणाओं का धरातल पर अस्तित्व ही नहीं है, तो नए बजट का क्या औचित्य? यह बजट प्रदेश के विकास का दस्तावेज नहीं, बल्कि भाजपा की विफलता को छिपाने का आंकड़ों वाला पर्दा होगा।''

- **नेता प्रतिपक्ष ने भाजपा के बजट को केवल आंकड़ों का मायाजाल बताया**

जूली ने कहा कि जयपुर के सिविल लाइन्स का फ्लाईओवर आज भी अधूरा है, जबकि इसी मार्ग से मुख्यमंत्री का काफिला प्रतिदिन गुजरता है। जो सरकार अपनी आंखों के सामने चल रहे प्रोजेक्ट्स पूरे नहीं करा सकती, वह प्रदेश के दूर-दराज के इलाकों में विकास क्या खाक करेगी? सहकार मार्ग फ्लाईओवर की घोषणा तो केवल कागजी पुल बनकर रह गई है।''

जूली ने महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स की लेटलतीफी पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा ने इसे बीरबल की खिड़ी बना दिया है। दिसंबर 2024 की डेडलाइन को बढ़ाकर अगस्त 2025 किया गया, लेकिन आज फरवरी 2026 तक भी लोकार्पण का कोई अता-पता नहीं है। 2024 में प्रदेश को 1000 इलेक्ट्रिक बसें देने का वादा किया गया था। दो साल बीत गए, लेकिन सड़कों पर एक भी नई बस नहीं उतरी।

जनता आज भी धुआं उगलती खटारा बसों में सफर को मजबूर है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बुधवार को सदन में पेश होने वाला बजट भी लुभावने जुमलों और झूठी उम्मीदों का अंबार होगा। सरकार अपनी परफॉरमेंस रिपोर्ट को छिपाने के लिए फिर से भारी-भरकम शब्दजाल बुनेगी।

तेज रफ्तार कार ने बंद लेन में अलाव ताप रहे टोल कर्मियों को टक्कर मारी

हादसे में एक टोल कर्मचारी की मौके पर मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए

हादसे के बाद कार दूसरी कार पर चढ़ गई।

ग्रामीणों ने मांगों को लेकर टोल प्लाजा पर धरना दिया।

सूरजगढ़, (निसं)। देर रात रघुनाथपुरा टोल प्लाजा पर तेज रफ्तार कार ने बंद लेन में अलाव ताप रहे टोल कर्मियों को चपेट में ले लिया। हादसे में एक टोल कर्मचारी की मौके पर मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। आक्रोशित ग्रामीणों ने टोल बंद कर सड़क जाम कर दी। छह घंटे बाद मुआवजे पर सहमति बनी।

जानकारी के अनुसार देर रात रघुनाथपुरा टोल प्लाजा की एक लेन बंद थी। बैरियर लगाकर टोलकर्मी और स्यालू कलां गांव के कुछ लोग अलाव ताप रहे थे। इसी दौरान सूरजगढ़ दिशा से आई तेज रफ्तार कार डिवाइडर पर चढ़कर अनियंत्रित होकर अचानक बंद लेन में घुस गई। कार ने अलाव ताप रहे लोगों को कुचल दिया और आगे खड़ी एक कैंपर (बोलेरो) से टकरा गई। हादसे में टोल प्लाजा पर तैनात 32 वर्षीय उम्मेद पुत्र शीशराम (स्यालू कलां निवासी) की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर घायल पवन पुत्र विजेंद्र राजपूत (गांव गाडोली) को झुंझुनू रेफर किया गया, जबकि देवेंद्र पुत्र श्रीपाल सिंह सहित अन्य दो घायलों का सूरजगढ़ सरकारी अस्पताल में इलाज करवाया गया। घायलों को जीवन ज्योति रक्षा समिति की एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया।

हादसे के बाद स्यालू कलां निवासी व स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। मृतक उम्मेद परिवार का एकमात्र कमाने वाला था। ग्रामीणों ने टोल कंपनी से 50 लाख रुपये मुआवजा, फास्टैग कंपनी में नौकरी, परिवार को पेंशन और अन्य लाभ की मांग की। उन्होंने टोल प्लाजा बंद करवा दिया और सूरजगढ़-चिड़ावा रोड पर पेड़-पत्थर डालकर जाम लगा दिया। इससे दोनों तरफ लंबी कतारें लग गईं, यात्रियों को पैदल सफर करना पड़ा। मौके पर पहुंचे आरपीएस दौलतराम और उपखंड अधिकारी दीपक चंदन ने ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की। लगभग छह घंटे धरने के बाद प्रशासन और ग्रामीणों में सहमति बनी।

श्रवण भालोठिया (स्यालू कलां) के अनुसार, मृतक को टोल कंपनी से 2 लाख, फास्टैग कंपनी से 4 लाख और भाजपा नेता पवन मेघवाल की ओर से एक लाख की सहायता दी गई। इसके अलावा मुख्यमंत्री-प्रधानमंत्री राहत कोष, कंपनी बीमा क्लेम और अन्य लाभ का आश्वासन मिला। इसके बाद जाम खुलवाया गया। पुलिस ने बताया कि पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है। मृतक के भाई अंकित ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। मृतक का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं चालक व अन्य की तलाश जारी है।

10 लाख की फिरौती के लिये प्रोपर्टी डीलर का किडनैप

- **दो लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर होने के बाद प्रोपर्टी डीलर को 20 किलोमीटर दूर छोड़कर फरार हो गए बदमाश**

बीकानेर, (निसं)। बोलेरो कैंपर सवार बदमाश प्रोपर्टी डीलर का किडनैप कर ले गए। मारपीट कर मोबाइल छीन लिया और 10 लाख रुपए की फिरौती मांगी। दो लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर होने के बाद 20 किलोमीटर दूर छोड़कर फरार हो गए। घटना लूणकरनसर के वार्ड संख्या 37 की है।

सुरेंद्र पीरतानी ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि योगेश सिहाग, तेजाराम जाट और एक अन्य युवक कैंपर गाड़ी लेकर उसके घर के सामने पहुंचे। आरोपियों ने उसे फोन कर बाहर बुलाया। जैसे ही वह बाहर आया, उसे जबरन गाड़ी में डाल लिया। उसका मोबाइल बंद कर दिया और मारपीट शुरू कर दी। सुरेंद्र ने बताया कि आरोपियों ने उससे 10 लाख रुपए की फिरौती की मांग की। इतनी बड़ी रकम देने में असमर्थता जताने पर आरोपियों ने उसके भाई को फोन कर माली होटल पर दो लाख रुपए लेकर आने को कहा। उसका भाई तय स्थान पर पहुंचा, लेकिन वहां किसी ने रुपए नहीं लिए। दो लाख रुपए सत्यनारायण गोदारा के खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर करवाए। रुपए मिलने के बाद आरोपी उसे हरियासर के पास छोड़कर फरार हो गए।

धोखे से नकदी हड़पी

उदयपुर, (निसं)। प्रतापनगर थाना पुलिस ने पिता-पुत्र के खिलाफ धोखे से पीड़िता से लाखों की नकदी हड़पने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता उषादेवी पत्नी रघुवीरसिंह चारण निवासी वर्धमान नगर उत्तरी सुन्दरवास ने हिरणमगरी निवासी भवानीसिंह व उसके पिता बहदुरसिंह के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि आरोपी से संपर्क होने पर स्वयं को उसने ठेकेदार होना बताया। इस पर मकान निर्माण के लिए उसे 1 जनवरी से 25 अक्टूबर 2025 के बीच टुकड़ों में 63 लाख रूपये का आरोपी को भुगतान किया, लेकिन आज दिन तक आरोपी ने मकान निर्माण नहीं किया। इसको लेकर रूपये मांगने पर टालमटोल करना शुरू कर दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है।

नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोपी को तीन साल की सजा

भीलवाड़ा, (निसं)। विशिष्ट पॉक्सो अदालत ने नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ और मारपीट करने के मामले में एक अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। वहीं अदालत ने जुर्माना भी लगाया है।

भीलवाड़ा के पुर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग के साथ हुई छेड़छाड़ के मामले में कोर्ट ने आरोपी को सलाखों के पीछे भेज दिया है। घटना की रिपोर्ट 16 नवंबर 2024 को दर्ज कराई गई थी। पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया था कि उसकी 17 वर्षीय बेटी पैदल भीलवाड़ा की तरफ जा रही थी, तभी रास्ते में आरोपी सुनील उर्फ सोनू ने उसे रोक लिया। आरोपी ने न केवल नाबालिग के साथ छेड़छाड़ की, बल्कि विरोध करने पर उसे दांतों से काट भी लिया। जब पीड़िता चिल्लाई तो आरोपी उसे छोड़कर भाग गया। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सुनील उर्फ सोनू को गिरफ्तार कर लिया और जांच पूरी कर कोर्ट में चालान पेश किया।

कोर्ट में सुनवाई के दौरान विशिष्ट लोक अभियोजक धर्मवीर सिंह कानावत ने अभियोजन पक्ष की ओर से 10 गवाह और 14 दस्तावेज पेश किए, जिससे आरोपी पर लगे आरोप साबित हुए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद, विशिष्ट न्यायाधीश (पॉक्सो कोर्ट) बालकृष्ण मिश्र ने आरोपी सुनील उर्फ सोनू को दोषी माना। कोर्ट ने आरोपी को तीन साल के कठोर कारावास और 16 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है।

तीन हजार की रिश्वत लेते कांस्टेबल गिरफ्तार

झूठे मुकदमे एवं कार्रवाई नहीं करने की एवज में आठ हजार की रिश्वत मांगी थी

कोटा, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कोटा एसीबी टीम ने परिवादी की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए गुमानपुरा थाने में तैनात कांस्टेबल जीतराम को तीन हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पुलिस कांस्टेबल ने परिवादी को झूठे मुकदमे में नहीं फंसाने व उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने की एवज में आठ हजार की रिश्वत की मांग की थी, जिसमें पूर्व में परिवादी से 5 हजार रूपये ले चूका था एवं शेष राशि लेते एसीबी टीम ने कांस्टेबल को गिरफ्तार किया है।

एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय स्वर्णकार ने बताया कि 9 फरवरी को परिवादी ने शिकायत दी थी। परिवादी ने शिकायत में कहा कि वह पहले एचडीएफसी बैंक के लिये रिकवरी का काम करता था, जो अब बंद कर दिया। परिवादी ने शिकायत में कहा कि विशाल मार्केट में दोस्त की दुकान पर बैठा हुआ था उसी समय गुमानपुरा थाने का कांस्टेबल जीतराम आया और झूठे मुकदमे में नही फंसाने व उसके विरूद्व कोई कार्रवाई नहीं करने की एवज में 8 हजार की रिश्वत की मांग की तथा 5 हजार रूपये ले लिये एवं बाकि शेष राशि 3 हजार की मांग कर रहा है। एएसपी ने कहा कि शिकायत मिलने पर शिकायत का सत्यापन करवाया गया, जिसमें कांस्टेबल द्वारा परिवादी से तीन हजार की रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। एसीबी के उप महानिरीक्षक आनन्द शर्मा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसीबी विजय स्वर्णकार के नेतृत्व में एसीबी पुलिस निरीक्षक चन्द्र कंवर ने मय टीम ट्रेप कार्रवाई करते हुए गुमानपुरा थाने के कांस्टेबल जीतराम को परिवादी से 3 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी के महानिरीक्षक सत्येन्द्र कुमार के निर्देशन में पकड़े गये आरोपी से पूछताछ जारी है।

जोधपुर में संदिग्ध हालत में महिला की मौत

- **अस्पताल लाने के दो घंटे बाद महिला ने दम तोड़ा**

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकट सालावास स्थित जूनियाबास में एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। वह यहां पर किराए के रूम पर रहती थी। उसे उल्टी, दस्त और पेट दर्द की शिकायत पर अस्पताल लाया गया था, मगर दो घंटे बाद उसकी मौत हो गई। पति की तरफ से विवेक विहार थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई है।

पुलिस ने बताया कि मूलतः उत्तरप्रदेश के मथुरा स्थित रामनगर हाल सालावास में जूनिया बास में रहने वाली 26 साल की वर्षा पत्नी प्रेमसिंह को आठ फरवरी की रात में पेट दर्द और उल्टी-दस्त की शिकायत पर एम्स अस्पताल लाया गया था। दो घंटे बाद उपचार के बीच रात साढ़े बारह बजे उसकी मौत हो गई। उसके पति प्रेमसिंह ने इस बारे में मर्ग की रिपोर्ट दी है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाया और परिजन को सुपुर्द किया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मौत के कारणों का पता लग पाएगा।

दुष्कर्म का मामला दर्ज : उदयपुर में किशोरी का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता ने आरोपी विशाल पुत्र सुनिल मीणा के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बतया कि 30 जनवरी को स्कूल जा रही थी। इस दौरान बाइक लेकर आया आरोपी मुझे चाकू दिखा कर बाइक पर बिठा कर अपने घर ले गया। जहां उसने मेरे साथ दुष्कर्म किया। वहां से घर लौटकर परिजनों को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया, जिसकी जांच खेरवाड़ा थानाधिकारी करनाराम को सौंपी है।

योगा छात्रा को परेशान करने वाला उत्तराखंड से गिरफ्तार

- **सोशल मीडिया पर परेशान करने सहित आपत्तिजनक मैसेज भेजे थे**

जोधपुर, (कासं)। शहर की भगत की कोठी पुलिस ने योगा छात्रा को सोशल मीडिया पर परेशान, ब्लैकमेल करने और आपत्तिजनक मैसेज भेजने वाले आरोपी को उत्तराखंड से गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। उससे मोबाइल इत्यादि बरामद किए जाने है।

भगत की कोठी थानाधिकारी राजीव भादू के अनुसार गत दिनों एक युवती की तरफ से रिपोर्ट दी गई थी। इसमें बताया कि वह देहरादून-उत्तराखंड में योगा के लिए गई थी। वह पढ़ाई भी करती थी। वहां उसके एक सहपाठी के मित्र द्वारा उसको बाद में लगातार सोशल मीडिया पर तंग और परेशान किया जा रहा है। आरोपी उसे इंस्टाग्राम, मेल आदि पर आपत्तिजनक पोस्ट कर ब्लैकमेल कर रहा था। थानाधिकारी भादू ने बताया कि काफी समय से चल रहे इस क्रम के चलते पीड़िता ने जनवरी में केस दर्ज कराया था। इस पर आरोपी की पहचान की गई। आरोपी उत्तरप्रदेश के बालवा सामली हाल सोनीपत हरियाणा निवासी विनीत चौहान को पकड़ा गया है। उससे मोबाइल आदि जब्त किए जाने हैं। अग्रिम पड़ताल की जा रही है।

स्टैण्ड पर बस के इंजन से धुआं निकला, अफरातफरी मची : जोधपुर शहर के रोडवेज बस स्टेण्ड पर सुबह उस समय अफरातफरी मच गई जब एक रोडवेज बस के इंजन में शार्ट सर्किट के बाद धुआं निकलने लगा। बस में सवार यात्रियों को इसका पता लगा तो वे आनन-फानन में नीचे उतरने लगे। कई यात्री तो बस की खिड़कियों से कूद कर बाहर आने लगे। बाद में यात्रियों को तसल्ली से बाहर निकलने को कहा गया। हालांकि रोडवेज प्रबंधन ने बाद में बस को कारखाने में भिजवा दिया।

जानकारी के मुताबिक जोधपुर आगार की एक रोडवेज बस रवाना होने की तैयारी में थी। इस बीच बस के इंजन में संभवतः शॉर्ट सर्किट हुआ और उसमें धुआं उठने लगा। देखते ही देखते बस में सवार यात्रियों में खलबली मच गई। लोग जैसलमेर बस हादसे को याद करते हुए आनन-फानन में बाहर आने लगे। बस की खिड़कियों से महिलाएं-बच्चों आदि का तत्काल उतारा गया। कुछ गेट से होकर बाहर निकलने की आपाधापी में रहे। बाद में बस को रोडवेज कारखाने में भिजवा दिया गया।

बस में सवार महिला के जेवर चोरी

उदयपुर, (निसं)। बस में सवार महिला के पर्स से अज्ञात चोर सोने के जेवरात चुरा ले गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार जामुडा गींगला सलूम्बर हॉल बप्पारावल नगर हिरण मगरी सेक्टर 6 निवासी प्रेमकंवर पत्नी चंद्रवीरसिंह चुण्डावत ने सूरजपोल पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि 9 फरवरी दोपहर में बस में बैठकर सलूम्बर जा रही थी। इस दौरान अज्ञात चोर मेरे पर्स से सोने की कड़े, मंगलूस, अंगूठी चुरा ले गया। इसका पता चलने पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया, जिसकी जांच एएसआई तेजसिंह कर रहे हैं।

ट्रेलर की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत

- **उपजिला अस्पताल मात्र करीब 500 मीटर की दूरी पर होने के बावजूद समय पर एम्बुलेंस नहीं पहुंची**

पावटा, (निसं)। क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक रमेश वर्मा (52) पुत्र राधाकृष्ण नवोदय विद्यालय के पास पावटा स्थित अपने घर जाने के लिए सड़क पार कर रहा था, तभी तेज गति से आ रहे अज्ञात ट्रेलर ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने घायल व्यक्ति को संभाला और तुरंत एम्बुलेंस को सूचना दी, लेकिन आरोप है कि उपजिला अस्पताल मात्र करीब 500 मीटर की दूरी पर होने के बावजूद समय पर एम्बुलेंस मौके पर नहीं पहुंची। एम्बुलेंस के इंतजार में घायल की हालत लगातार बिगड़ती रही। ग्रामीणों ने मानवता दिखाते हुए घायल को ई-रिक्शा में डालकर उपजिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय पर एम्बुलेंस उपलब्ध हो जाती तो शायद व्यक्ति की जान बचाई जा सकती थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया तथा अज्ञात ट्रेलर चालक की तलाश जारी है।

दो मामलों में अभियुक्त को सजा व जुर्माने से दंडित किया

- **चेक अनादरण के दो प्रकरणों में निर्णय सुनाया**
- **आरोपी को एक-एक वर्ष की सजा, 31 लाख रुपए का जुर्माना लगाया**

पावटा, (निसं)। न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट पावटा, जिला कोटपूतली-बहरोड़ ने चेक अनादरण के दो अलग-अलग प्रकरणों में निर्णय सुनाते हुए अभियुक्त को सजा व जुर्माने से दंडित किया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. अजय कुमार बिश्नोई ने मामले की सुनवाई करते हुए अभियुक्त जीताराम यादव पुत्र सगराराम यादव निवासी सुजातनगर, पावटा को प्रत्येक प्रकरण में एक-एक वर्ष के साधारण कारावास की सजा सुनाई है तथा 31 लाख का जुर्माना लगाया है।

प्रकरण के अनुसार, दो सगे भाई मदन सिंह पुत्र रामचन्द्र सिंह एवं अजीत सिंह पुत्र रामचन्द्र सिंह ने वर्ष 2021 में अभियुक्त जीताराम यादव के खिलाफ अलग-अलग चेक अनादरण के मामले दर्ज कराए थे। आरोप है कि जीताराम यादव ने मौजा शिवनगर, पावटा स्थित त्रिवेणी सिटी नामक आवासीय कॉलोनी में भूखंड बेचने का इकरार किया था। इस दौरान उसने मदन सिंह से साई पेटे के रूप में 11 लाख 50 हजार रुपए तथा अजीत सिंह से 10 लाख 25 हजार रुपए प्राप्त किए। इकरारनामे के अनुसार यदि भूमि का विक्रय पत्र निष्पादित नहीं किया जाता, तो प्राप्त राशि की दुगुनी रकम लौटाने की शर्त तय की गई थी। इसी शर्त के तहत अभियुक्त ने मदन सिंह को 23 लाख रुपए तथा अजीत सिंह को 20 लाख 50 हजार रुपए के चेक दिए, लेकिन खाते में पर्याप्त राशि नहीं होने के कारण दोनों चेक अनादरित हो गए। इसके बाद परिवादी पक्ष ने न्यायालय में अलग-अलग परिवाद प्रस्तुत किए। मामले की सुनवाई के बाद न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए दोनों मामलों में एक-एक वर्ष के साधारण कारावास तथा कुल 31 लाख रुपए के जुर्माने से दंडित किया। न्यायालय ने आदेश दिया कि जुर्माने की पूरी राशि परिवादी मदन सिंह और अजीत सिंह को प्रतिकर के रूप में प्रदान की जाएगी। मामले में परिवादी पक्ष की ओर से अधिवक्ता रोहिताश शर्मा ने पैरवी की।

तस्कर गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। डीएसटी एवं सायरा थाना पुलिस ने अवैध गांजा जब्त कर बाइक चालक तस्कर को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक गोपाल चंदेल के सुपरविजन में सायरा थानाधिकारी कानाराम सिरवी, डीएसटी टीम प्रभारी एएसआई विक्रमसिंह मय टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मृगेश्वर महादेव मंदिर सेमड के पास नाकाबंदी कर बाइक को रोक चालक गोपाल कृष्ण जोशी पुत्र लक्ष्मीलाल, जमना शंकर जोशी पुत्र नाथूलाल निवासी ब्राम्हणों का कलवाना सायरा को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से 2 किलो अवैध गांजा जब्त कर प्रकरण दर्ज किया।

कार्यालय जिला परिषद बीकानेर

क्रमांक :- नि.शा./जि.प.बी./2025-26/05 Date :- 03/02/2026

ई-निविदा सूचना 04/2025

कार्यालय जिला परिषद बीकानेर द्वारा DMFT योजनान्तर्गत स्वीकृत कार्य अभियांत्रिकी भवन निर्माण कार्य, को करवाने हेतु दिनांक 12.02.2026 तक ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण कार्यालय बीकानेर http://sppp.rajasthan.gov.in & http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN : ZBK2526WSOB00281

मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद बीकानेर

राज.संवाद/सी/25/19522

कार्यालय उप वन संरक्षक, करौली (राज.)

(गढ़का की चौकी करौली, Phone & Fax No. 07464-297003, Email-dcf.kroli.forest@rajasthan.gov.in)

ई-निविदा सूचना संख्या 09

इस कार्यालय अधीन रेंज करौली एवं मण्डरायल में अग्रिम मृदा कार्यों की साईटों पर Top coping of loose stone wall fencing with cenment concrete निर्माण कराये जाने वाले कार्य की निविदा आमंत्रित की गई है। अतः इच्छुक फर्म http://sppp.raj.nic.in एवं http://www.eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल पर देख कर निविदाओं में बोली लगा सकते है।

क्र. सं.	यू बी एन नम्बर	लागत लाखों में	जारी दिनांक	जमा व खोलने की दिनांक
1	UBN No FOR2526WSOB05263	13.00	03.02.2026	13.02.2026

(सुमित बंसल) उप वन संरक्षक करौली

DIPR/C/2580/2026

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति "विशिष्ठ श्रेणी" (नागौर)

क्रमांक :- राजकाज 20392304 दिनांक :- 06/02/2026

ई-निविदा सूचना

मण्डी समिति के नियंत्रणाधीन मण्डी प्रांगण एवं गौण मण्डी प्रांगणों में सफाई कार्य हेतु दर अनुबंध पर सफाई कर्मिको की आपूर्ति एवं 17 कम्प्यूटर विथ मशीन हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। राजस्थान अनुबंधित श्रमिक (नियमन एवं उन्मूलंन) अधिनियम 1970, कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948, वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी), आयकर (पैन नम्बर), राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यिक संस्थान अधिनियम 1958 या इण्डियन पार्टनशिप एक्ट 1932 के अन्तर्गत या इण्डियन कम्पनी एक्ट 1956 के अन्तर्गत पंजीकृत संवेदकों/संस्थाओं से ठेका पद्धति पर वार्षिक दर अनुबन्ध के आधार पर शर्तरहित ऑनलाईन (ई-प्रोक्योरमेंट) बोली आमंत्रित की जाती है। इससे सम्बन्धित विस्तृत विवरण http://www.eproc.rajasthan.gov.in व http://www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा व डाउनलोड की जा सकता है। UBN : DAM2526WSRC01177

सचिव कृषि उपज मण्डी समिति, नागौर

राज.संवाद/सी/25/19519

Rajasthan Olive Cultivation Limited

State Institute of Agriculture Management Campus, Durgapura, Jaipur-302018

निविदा-सूचना

राजस्थान ऑलिव कल्टीवेशन लिमिटेड के विभिन्न जैतून फार्मो एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बस्सी, जयपुर पर सोलर सिंचाई संयत्र, ऑफ ग्रिड सोलर की मरम्मत एवं पुरानी बैटरियों के विकय का कार्य हेतु निविदादाताओं से निम्नानुसार प्रस्ताव कार्यालय में आंमत्रित किये गये है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा की अनु. लागत राशि रु. लाख में	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक	निविदा खोलने की दिनांक
1	सोलर सिंचाई संयत्र, ऑफ ग्रिड सोलर की मरम्मत एवं पुरानी बैटरियों के विक्रय का कार्य। OCL2526WSOB00026	34.99	18.02.2026 दोपहर 03.00 बजे तक	18.02.2026 सायः 4.00 बजे

निविदा दस्तावेजो की जानकारी https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in पर अथवा कार्यालय से ली जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/19514 चीफ ऑपरेशन ऑफिसर

खेत में करंट लगने से किसान की मौत

परिजनों ने तलाश की तो किसान खेत की मेड़ पर तारों से चिपका मिला।

टोंक, (निसं)। दूनी तहसील के चंदवाड़ पंचायत के ठिकरिया गांव में खेत की मेड़ पर लगी झटका मशीन के करंट से एक किसान की दर्दनाक मौत हो गई। किसान रोजाना की तरह खेत से काम खत्म कर घर लौट रहा था, लेकिन देर शाम तक घर नहीं पहुंचा। परिजनों ने तलाश की तो वह खेत की मेड़ पर झटका मशीन के तारों से चिपका मिला। पुलिस ने उसे दूनी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घाड़ थाना क्षेत्र के ठिकरिया गांव निवासी किसान प्रभु बैरवा (65) पुत्र गोपीचंद बैरवा जो सोमवार को अन्य दिनों की तरह अपने खेत में सरसों की कटाई करने गया था। परिजनों के अनुसार वह रोज शाम 6 से 7 बजे के बीच घर लौट आता था, लेकिन सोमवार शाम 7 बजे के बाद भी जब वह घर नहीं पहुंचा तो परिजन चिंतित हो गए। इसके बाद परिजन और ग्रामीण उसकी तलाश में खेतों की ओर गए। तलाश के दौरान प्रभु बैरवा एक अन्य किसान के खेत की मेड़ पर जानवरों से फसल बचाने के लिए लगाई गई झटका मशीन के तारों पर गिरा हुआ मिला, तारों में करंट दौड़ रहा था, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को दूनी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे औपचारिक रूप से मृत घोषित कर दिया। शव को मोर्चरी में रखवाया गया है। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने प्रशासन से मृतक के आश्रितों को 20 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की मांग की है, साथ ही झटका मशीन लगाने वाले खेत मालिक पर कार्रवाई की मांग भी की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि रात के समय जानवरों से फसल बचाने के लिए झटका मशीन के तारों में करंट छोड़ दिया जाता है, जिससे ऐसे हादसे हो रहे हैं।

कोटा में 50 रेस्टोरेंट और ढाबों को निगम का नोटिस

रेस्टोरेंट और ढाबों की जांच में अग्निसुरक्षा के उपाय नहीं मिले

कोटा, (निसं)। नगर निगम के अग्निशमन अनुभाग ने मंगलवार को सघन अभियान चलाकर शहर में विभिन्न स्थानों पर रेस्टोरेंट और ढाबों की जांच की। अग्निसुरक्षा उपाय नहीं मिलने पर 50 रेस्टोरेंट और ढाबों को नोटिस जारी किया गया है।

आयुक्त ओमप्रकाश मेहरा ने बताया कि निगम के अभियंताओं की टीम एक ओर शहर में जीर्ण-क्षीर्ण भवनों और निर्माणाधीन भवनों की जांच कर रही है, वहीं दूसरी और अग्निशमन अनुभाग को रेस्टोरेंट और ढाबों की जांच में लगाया है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास की नेतृत्व में छह अलग-अलग टीमों ने मंगलवार को तलवंडी, विज्ञान नगर, रानपुर, दादाबाड़ी, नया कोटा, स्टेशन, छावनी सहित विभिन्न क्षेत्रों में रेस्टोरेंट और ढाबों पर अग्निसुरक्षा उपायों की जांच की।

मेहरा ने बताया कि जांच के बाद करीब 50 रेस्टोरेंट और ढाबों को अग्निशमन सुरक्षा उपायों के अभाव में नोटिस जारी किया गया है। इनके संचालकों को पाबंद किया गया है कि जल्द से जल्द नियमानुसार अग्निसुरक्षा के सभी उपाय सुनिश्चित करें, अन्यथा निगम की ओर से सीजिंग की कार्रवाई की जाएगी। उधर, निगम की अतिक्रमण निरोधक दस्ते की कार्रवाई के बाद इंद्र विहार क्षेत्र में करीब 90 प्रतिशत अतिक्रमण साफ हो गया है।

3127 किलो मिलावटी वनस्पति घी जब्त किया खाद्य सुरक्षा टीम ने

सरना डूंगर स्थित मैसर्स अष्ट विनायक फूड प्रोडक्ट्स पर छापेमार कार्रवाई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर में मंदिर में पूजा के नाम पर बेचे जा रहे घी के नाम पर मिलावट का बड़ा खेल खाद्य सुरक्षा टीम ने उजागर किया है। सरना डूंगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित मैसर्स अष्ट विनायक फूड प्रोडक्ट्स पर छापेमारी कर विभाग ने 3127 किलोग्राम घी जैसी खुशबू वाला मिलावटी वनस्पति जब्त किया गया।

आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण, राजस्थान डॉ. टी. शुभमंगला के निर्देशानुसार तथा अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा डॉ. रवि शेखावत के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत के निर्देशन में गठित केंद्रीय दल और खाद्य सुरक्षा अधिकारी जयपुर प्रथम की टीम ने फैक्ट्री पर निरीक्षण किया।

जांच के दौरान पाया गया कि स्कूटर ब्रांड की वनस्पति और रिफाइंड ऑयल को गर्म कर उसमें घी का फ्लेवर मिलाया जा रहा था। इसे कार्रवाई से बचने के उद्देश्य से वनस्पति के नाम पर ही देव कृष्णा ब्रांड और प्लेन टिन में पैक कर सस्ते दामों पर बेचा जा रहा था। यह उत्पाद आमजन को घी के रूप में भ्रमित कर बेचा जा रहा था।

मौके से वनस्पति, बटर फ्लेवर युक्त मिलावटी वनस्पति तथा पैक्ड देव कृष्णा ब्रांड के नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए।

चिकित्सा विभाग की खाद्य सुरक्षा टीम ने जयपुर के सरना डूंगर इलाके की एक फैक्ट्री में दबिश देकर मिलावटी घी जब्त किया।

- **जांच के दौरान पाया गया कि स्कूटर ब्रांड की वनस्पति और रिफाइंड ऑयल को गर्म कर उसमें घी का फ्लेवर मिलाया जा रहा था।**
- **फर्म मालिक रामलाल जाट ने स्वीकार किया कि यह वनस्पति घी मुख्यतः ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू उपयोग व पूजा-पाठ के लिए बेचा जाता था**

जब्त की गई पूरी खेप को सीज कर दिया गया है।

फर्म मालिक रामलाल जाट ने स्वीकार किया कि उक्त उत्पाद का उपयोग मुख्यतः ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू उपयोग एवं पूजा-पाठ के लिए किया जा रहा था। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग ने आमजन से अपील की है कि सस्ते, संदिग्ध अथवा बिना मानक वाले खाद्य पदार्थों से बचें और मिलावट की जानकारी विभाग को दें।

300 किलो मिलावटी पनीर नष्ट कराया

जयपुर। सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल की खाद्य सुरक्षा टीम ने झालाना डूंगरी क्षेत्र में 300 किलो मिलावटी पनीर जब्त कर मौके पर ही नष्ट करवाया। डॉ. मित्तल ने बताया कि मिलावटी पनीर की बिक्री की सूचना पर टीम ने शर्मा पनीर भंडार पर छापा मारा। जांच के दौरान दुकान पर पिकअप वाहन से उतारा गया पनीर संदिग्ध पाया गया। पूछताछ में दुकान मालिक नमोनारायण स्वामी ने बताया कि उसने यह पनीर 200 रुपये प्रति किलो की दर से खरीदा था। दुकान मालिक ने स्वीकार किया कि शादियों के सीजन में सस्ते पनीर की अधिक मांग रहती है, जिसे पूरा करने के लिए दूध पाउडर और सोयाबीन तेल से तैयार मिलावटी पनीर की सप्लाई की जाती है। खाद्य सुरक्षा टीम ने मौके से पनीर के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे तथा शेष 300 किलो मिलावटी पनीर को नष्ट करवाया। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रमेश यादव और राजेश नागर शामिल रहे।

रैकी के बाद सूने मकानों में चोरी करने वाले गिरफ्तार

जयपुर । खोरा बीसल पुलिस ने सूने मकानों की रैकी कर चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चांदी की दो जोड़ी पायजेब और एक चांदी की अंगूठी बरामद की गई है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि शहर में बढ़ती चोरी और नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पूर्व से चिन्हित अपराधियों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में खोरा बीसल थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी दिन के समय सूने मकानों की रैकी करते थे और रात में ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। नशे और शौक पूरे करने के लिए आरोपी चोरी को अंजाम दे रहे थे।

परिवादी शीशराम गुर्जर ने 7 फरवरी 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 2 जनवरी 2026 को वह ड्यूटी पर गया हुआ था। इस दौरान अज्ञात चोरों ने उसके मकान का ताला तोड़कर अलमारी से चांदी की पांच जोड़ी पायजेब, एक चांदी की अंगूठी, एक सोने की अंगूठी और सोने के कानों के झुमके चोरी कर लिए। घटना के बाद पुलिस टीम ने आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले, पूर्व में चालानशुदा अपराधियों से पूछताछ की और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। मुखबिर की सूचना पर गुलशन बुनकर (20) निवासी जयंदेश्वरा, मंदिर पानी की टंकी के पास, गांव जयरामपुरा हरमाड़ा, जयपुर और सुनील जागडोलिया (25), निवासी तेजाजी मंदिर के पास गांव जयरामपुरा हरमाड़ा, जयपुर संदिग्धों को दस्तयाब किया।

जयपुर की बिगड़ी ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए जुटेगा नगर निगम

राजधानी जयपुर में बिगड़ी ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए नगर निगम कमिश्नर डॉ. गौरव सैनी ने मंगलवार को अधिकारियों की बैठक ली।

- **आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बिल्डिंगों की पार्किंग की जगह पर वाहन पार्किंग सुनिश्चित करने, सड़कों से अवैध अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए**
- **उन्होंने शहर में साफ-सफाई पर विशेष फोकस रखते हुए तमाम अवैध अतिक्रमणों को हटाकर सड़कों की चौड़ाई तय नक्शे के मुताबिक करने के निर्देश दिए**

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में बिगड़ी ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए नगर निगम कमिश्नर डॉ. गौरव सैनी ने मंगलवार को अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने साफ हिदायत दी कि शहर में अवैध अतिक्रमणों पर कार्रवाई करें, यह सुनिश्चित करें कि सड़कें तय नक्शों के मुताबिक ही चौडाई में उपलब्ध हों। मैरिज गार्डनों के साथ-साथ मुख्य सड़कों पर बनी इमारतों में जांच की जाए कि पार्किंग की जगह में सिर्फ वाहन पार्किंग का ही उपयोग किया जाए। आमतौर पर लोग बिल्डिंग बनाते समय तो पार्किंग अपने नक्शे में दिखाते हैं, लेकिन बाद में उस जगह का दूसरे कामों में उपयोग करते हुए वाहनों को सड़क पर खड़ा करवाना शुरू कर देते हैं। यह अवैध पार्किंग और अतिक्रमण राहगीरों और दूसरे वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बनते है।

आयुक्त गौरव सैनी ने कहा कि गोविन्द मार्ग की चौडाई मास्टर प्लान अनुसार 100 फिट की जाए। नारायण सिंह सर्किल और टोंक फाटक पर बने फुट ऑवरब्रिज का रख-रखाव करें। अम्बाबाडी से द्रव्यवती नदी पर सुरक्षात्मक रैलिंग लगवाई जाए। साथ ही शहर में नियमित रख-रखाव, साफ-सफाई और पार्किंग व्यवस्था मजबूत करें। कमिश्नर डॉ. गौरव सैनी ने कहा कि नगर निगम द्वारा संचालित पार्किंग का डेटा बेस नियमित रूप से तैयार करें। उसके आधार पर सबसे व्यस्ततम समय में पार्किंग शुल्क उसी अनुसार निर्धारित करने की शर्त निविदा में रखी जावे। अस्थायी अतिक्रमणों पर पुख्ता कार्रवाई हो। नगर निगम क्षेत्राधिकार में संचालित ढाबो एवं रेस्टोरेन्ट की पार्किंग की जांच की जावे, यदि कोई प्रावधान है तो इनकी पालना करायी जावे। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त, अतिरिक्त मुख्य अभियंता, उपायुक्त मालवीय नगर, आदर्श नगर, सर्तकता, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी, उप नगर नियोजक, अधिशाषी अभियन्ता सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जयपुर दुग्ध संघ की ''सरस मायरा योजना'' बनी मिसाल

अब तक 504 से अधिक दुग्ध उत्पादक परिवारों की बेटियों के विवाह में भरा गया मायरा

जयपुर (कासं)। जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ (जयपुर डेयरी) द्वारा दुग्ध उत्पादक परिवारों के लिए संचालित 'सरस मायरा योजना' महिला सशक्तिकरण की प्रभावी, अनुकरणीय एवं जन-आधारित पहल बन चुकी है।

जयपुर दुग्ध संघ के अध्यक्ष ओम प्रकाश पूनिया के मार्गदर्शन और प्रबंध संचालक मनीष फौजदार के नेतृत्व में मंगलवार को बिंदायका जोन की दुग्ध समिति लोछब की ढाणी की दुग्ध उत्पादक चन्दा देवी की पुत्री कल्पना लोछब के विवाह समारोह में 'सरस मायरा योजना' के अंतर्गत 21 हजार रुपए की मायरा राशि का चेक प्रदान किया गया।

इस अवसर पर आसपास से आए दुग्ध समिति के सचिवगण, समिति पदाधिकारियों, दुग्ध उत्पादकों एवं संघ के अधिकारियों द्वारा भी अपनी ओर से कन्या को मायरा राशि प्रदान की गई। साथ ही उत्पादक परिवार की माता, पुत्री को उपहार स्वरूप वस्त्र भेंट कर कन्यादान की परंपरा निभाई गई।

समारोह के दौरान सामाजिक सहभागिता का अनुपम दृश्य देखने को मिला, जहां डीजे की धुन पर ग्रामीणजन एवं दुग्ध उत्पादक सामूहिक रूप से मायरा भरते हुए उत्सव में शामिल हुए, जिससे कार्यक्रम में पारंपरिक एवं सांस्कृतिक उल्लास का वातावरण बना रहा। प्रबंध संचालक मनीष फौजदार ने कहा कि 'सरस मायरा योजना' डेयरी सहकारिता से जुड़ी महिलाओं के सम्मान, सहभागिता एवं आर्थिक संबल को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि जयपुर डेयरी की इस योजना को राज्य सरकार स्तर पर भी सराहना मिली है, जो इसकी सामाजिक उपयोगिता को दर्शाता है।

उल्लेखनीय है कि 'सरस मायरा योजना' का शुभारंभ 4 अप्रैल 2025 को किया गया था। योजना के अंतर्गत पात्र दुग्ध उत्पादकों की पुत्रियों के विवाह अवसर पर 21 हजार रुपए की मायरा राशि प्रदान की जाती है, जो एक दुग्ध उत्पादक की अधिकतम दो पुत्रियों तक देय है। अब तक इस योजना के माध्यम से 504 दुग्ध उत्पादक परिवारों की बेटियों के विवाह अवसर पर मायरा राशि प्रदान की जा चुकी है।

जयपुर दुग्ध संघ के अध्यक्ष ओम प्रकाश पूनिया और प्रबंध संचालक मनीष फौजदार ने मंगलवार को बिंदायका जोन की दुग्ध उत्पादक चन्दा देवी की पुत्री कल्पना लोछब के विवाह समारोह में मायरा भरा।

दहशत फैलाने वाले दो हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

- **बदमाशों ने मालवीय नगर की कॉलोनी में एक परिवार से मारपीट कर मचाया था आतंक**
- **दोनों आरोपियों के खिलाफ जयपुर के विभिन्न थानों में 42 संगीन आपराधिक मामले दर्ज है।**

जयपुर। राजधानी के मालवीय नगर क्षेत्र में एक परिवार पर हमला कर कॉलोनी में दहशत का माहौल बनाने वाले दो कुख्यात हिस्ट्रीशीटरों को जयपुर पूर्व जिला पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हिस्ट्रीशीटर आचित्य सिंह पंवार उर्फ हनी टाइगर और मनीष सैनी को दबोचा है। दोनों आरोपियों के खिलाफ जयपुर के विभिन्न थानों में कुल 42 संगीन आपराधिक मामले दर्ज है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि 28 जनवरी 2026 की रात मनीष सैनी, अक्षय सैनी, हनी टाइगर, रोहित वर्मा व अन्य साथियों ने मालवीय नगर निवासी किशन मीणा के घर पर हमला किया था। आरोपियों ने घर के बाहर खड़ी गाड़ियों और मकान में तोड़फोड़ की, परिवार के सदस्यों को जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया और गोली मारने की धमकी दी। इस घटना के संबंध में थाना जवाहर सर्किल में बीएनएस एवं एससी/एसटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया।

एसीपी मालवीय नगर विनोद कुमार शर्मा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपनी लोकेशन बदल रहे थे, लेकिन पुलिस ने तकनीकी सूचनाओं के आधार पर दबिश देकर हनी टइगर और मनीष सैनी को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी आचित्य सिंह उर्फ हनी टाइगर थाना श्याम नगर का हिस्ट्रीशीटर है, जिसके विरुद्ध हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट सहित 11 गंभीर प्रकरण दर्ज हैं।

वहीं मनीष सैनी भी थाना मालवीय नगर का हिस्ट्रीशीटर है, जिसके खिलाफ हत्या, लूट और रंगदारी जैसे 31 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस इस मामले में पूर्व में ही दो अन्य आरोपियों गौरव कलवानी और प्रतीक नायक को गिरफ्तार कर चुकी है।

सार-समाचार

60 छात्राओं को साईकिल वितरित

जयपुर । महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, नवीन विद्याधर नगर में शिक्षा विभाग राजस्थान की महत्वाकांक्षी अभिनव योजना के तहत कक्षा 9 की 60 छात्राओं को साइकिल प्रदान की गई। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी संतोष वर्मा, निर्वतमान पार्षद दिनेश कांवट, हरि ओम जन सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष पंकज गोयल, प्रधानाचार्य करुण चौधरी और प्रभारी रोहित परेवा उपस्थित रहे। निर्वतमान पार्षद दिनेश कांवट एवं समाजसेवी पंकज गोयल ने बताया कि राज्य सरकार की योजना का लाभ हर वर्ग को दिया जा रहा है और शिक्षा विभाग राजस्थान की अभिनव योजना के तहत 60 बालिकाओं को साइकल वितरण की गई। इस अवसर पर विद्याधर नगर के गणमान्य नागरिक, अभिभावक एवं स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। सभी ने छात्राओं को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

सारस्वत बने कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष

जयपुर । अखिल राजस्थान चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कर्मचारी महासंघ में संगठनात्मक स्तर पर महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष नारायण सिंह शेखावत ने नर्सिंग ऑफिसर सुशील सारस्वत को कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष नियुक्त किया है। जारी नियुक्ति आदेश के अनुसार सुशील सारस्वत को कर्मचारी हितों की रक्षा, संगठन के उद्देश्यों की पूर्ति, संगठन के विस्तार तथा विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन नेतृत्व ने उम्मीद जताई है कि उनके अनुभव और कार्यशैली से महासंघ को नई मजबूती मिलेगी। नियुक्ति के बाद संगठन के पदाधिकारियों और कर्मचारियों में उत्साह का माहौल है। महासंघ से जुड़े कर्मचारियों ने सुशील सारस्वत की नियुक्ति को सकारात्मक कदम बताते हुए विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में कर्मचारी हितों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से आगे बढ़ाया जाएगा।

पांच ड्रग्स तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़े

जयपुर । पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए शहर के तीन अलग-अलग थाना इलाकों में दबिश दी है। पुलिस ने कुल 1 किलो 344 ग्राम चरस, 10.20 ग्राम स्मैक और 4.84 ग्राम एमडी बरामद कर पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए नशे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 12.50 लाख रुपये बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस आरोपितों से पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि जयपुर शहर में चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप अभियान के तहत सीएसटी ने आमेर, सांगानेर सदर और बगरू पुलिस के साथ मिलकर 1 किलो 344 ग्राम चरस, 10.20 ग्राम स्मैक और 4.84 ग्राम एमडी बरामद कर पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। सीएसटी को सूचना मिली कि दिल्ली हाईवे स्थित प्राचीन चामुंडा मंदिर के पास चरस की तस्करी होने वाली है। टीम ने घेराबंदी कर पहल सिंह (43) निवासी नेपाल (हाल निवासी कुल्लू, हिमाचल प्रदेश) को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 1.344 किलोग्राम चरस बरामद हुई है। दूसरी कार्रवाई सांगानेर सदर इलाके में हुई। यहाँ संजीवनी सिटी- के बाहर से मनीष कुमार सांसी (25) निवासी टोंक को दबोचा गया। पुलिस ने मनीष से 10.20 ग्राम स्मैक और मादक पदार्थ बिक्री की 21 हजार 500 रुपये की नकदी जब्त की है। बगरू पुलिस और सीएसटी ने राजस्थान नर्सिंग कॉलेज के सामने संयुक्त कार्रवाई करते हुए महेन्द्र चौधरी (31) निवासी अजमेर ,विनोद रैगर (27), निवासी अजमेर और गोविन्द सिंह छापरिया (27) निवासी जयपुर ग्रामीण को गिरफ्तार किया। इनके पास से 04.84 ग्राम एमडी, 7370 रुपये नकद, एक लग्जरी कार और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

देशी पिस्टल सहित बदमाश गिरफ्तार

जयपुर । जिला स्पेशल टीम जयपुर पश्चिम (डीएसटी) एवं पुलिस थाना सिंधी कैम्प की संयुक्त टीम ने अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक शातिर बदमाश को देशी पिस्टल सहित गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि डीएसटी पश्चिम एवं पुलिस थाना सिंधी कैम्प की संयुक्त टीम ने अवैध हथियार सहित अक्षय राव (20) निवासी जमना नगर विस्तार सोडाला जयपुर हाल वाहन पार्किंग बस स्टैण्ड सिंधी कैम्प जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के पास से एक देशी पिस्टल बरामद की है।

पुलिस मुख्यालय में गूंजा ''लर्निंग मंत्र''

100 से अधिक कार्मिकों ने सीखे टीम वर्क के गुर

- **मोबाइल छोड़कर किताबों से दोस्ती और व्यवहार कुशलता पर जोर**

जयपुर । पुलिस मुख्यालय में मिनिस्टीरियल स्टाफ की कार्यक्षमता और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। 9 और 10 फरवरी को आयोजित इस सत्र में पुलिस विभाग के लगभग 100 मंत्रालयिक कर्मचारियों ने हिस्सा लिया, जहाँ उन्हें फाइलों के प्रबंधन के साथ-साथ लोक व्यवहार की बारीकियां सिखाई गईं।

प्रभाव डालने की कला सीखी

उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल व्याख्यान तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरी तरह से एक्टिविटी बेस्ड रहा। मुख्य ट्रेनर शैलेंद्र सिंह चौहान मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्टाफ को इन्फ्लुएंशियल स्किल्स (प्रभावशाली कौशल) के 6 सिद्धांतों से रूबरू कराया। इसमें यह सिखाया गया कि कैसे एक कर्मचारी अपने व्यवहार से सकारात्मक प्रभाव छोड़ सकता है और आपसी सामंजस्य बैठाकर एक टीम की तरह काम कर सकता है।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस ट्रेनिग अनिल पालीवाल ने अपने संबोधन में आधुनिक जीवनशैली और कार्यप्रणाली पर गहरा प्रहार किया। उन्होंने डिजिटल युग की चुनौतियों का जिक्र करते हुए विशेष आग्रह किया कि खाली समय में मोबाइल की स्क्रीन पर वक्त गंवाने के बजाय किताबों से नाता जोड़ें। ज्ञान की वृद्धि के लिए निरंतर पढ़ना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जो कुछ आपने यहाँ सीखा है, उसे दफ्तर के काम में इम्प्लीमेंट करें।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन उप महानिरीक्षक पुलिस ट्रेनिंग शरद चौधरी के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। यह सत्र पुलिस मुख्यालय और जयपुर स्थित मैट्रिक्स ट्रेनिंग सॉल्यूशन के आपसी समन्वय का परिणाम था। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने माना कि इस तरह के सत्रों से न केवल उनके काम करने का तरीका बदलेगा, बल्कि तनाव कम करने और टीम भावना बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।

अवैध एलपीजी गैस रिफिलिंग गिरोह का भंडाफोड

जयपुर । सांगानेर इलाके में घरेलू गैस सिलेंडरों से ऑटो रिक्शा में अवैध रूप से गैस रिफिलिंग करने वाले एक बड़े गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड किया है। जयपुर पूर्व जिला पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नागौर निवासी दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 52 घरेलू गैस सिलेंडर, चार इलेक्ट्रिक मोटर और एक पिकअप गाड़ी बरामद की है।

पुलिस उपायुक्त (पूर्व) संजीव नैन ने बताया कि सांगानेर क्षेत्र में अवैध गैस रिफिलिंग की सूचना मिलने पर एसीपी सांगानेर हरि शंकर शर्मा और थानाधिकारी लिखमाराम के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम ने डीएसओ के साथ मिलकर दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की। बी-2 बाईपास के पास सूर्य नगर में एक खाली प्लॉट में दबिश देकर पुलिस ने 13 घरेलू सिलेंडर और रिफिलिंग में प्रयुक्त उपकरण जप्त किए। यहां से आरोपी अनिल विश्नोई को गिरफ्तार किया गया।

नारायण विहार पुलिस ने प्रताप नगर के सेक्टर-3 में की गई दूसरी कार्रवाई में 39 सिलेंडर (29 खाली व 10 भरे हुए) और सप्लाई के काम में ली जाने वाली एक पिकअप गाड़ी जप्त कर आरोपी दिनेश विश्नोई को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। आरोपी दिनेश विश्नोई के खिलाफ पूर्व में मारपीट और अवैध रिफिलिंग के मामले दर्ज हैं। वहीं, आरोपी अनिल विश्नोई एक आदतन अपराधी है, जिसके खिलाफ भीलवाड़ा, चूरू, नागौर, फलोदी, श्रीगंगानगर और बीकानेर के विभिन्न थानों में 7 मामले दर्ज हैं।

एल.आई.सी. को बीते 9 माह में 16.68 फीसदी का लाभ

- **कर पश्चात लाभांश की यह रकम 33 हजार 998 करोड़ रुपए है**

जयपुर (कासं)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एल.आई.सी.) के निदेशक मंडल ने 31 दिसंबर 2025 को समाप्त 9 माह के लिए एकल और समेकित वित्तीय परिणामों को अनुमोदित कर स्वीकृति प्रदान की।

एल.आई.सी. के सीईओ और एमडी आर. दुरैस्वामी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के 9 माह में कर पश्चात लाभ 16.68 प्रतिशत 33998 करोड़ रुपए हो गया है। व्यक्तिगत व्यवसाय असहभागी (नॉन पार) ए.पी.ई. भी 47.44 प्रतिशत बढ़कर 10045 करोड़ हो गयी है। व्यक्तिगत व्यवसाय में नॉन पार एपीई का हिस्सा 36.46 प्रतिशत रहा, जबकि गत वर्ष यह 27.68 प्रतिशत था। इसी तरह व्यक्तिगत व्यवसाय एपीई 11.95 फीसदी बढ़ोतरी के साथ 27 हजार 552 करोड़ रुपए हो गया, वहीं समूह व्यवसाय एपीई भी 23.14 प्रतिशत से बढ़कर 16455 करोड़ रुपए हुआ है।

दुरैस्वामी ने बताया कि, इस 9 माह की अवधि में समग्र एपीई 15.88 फीसदी बढ़कर 44007 करोड़ रुपए पर पहुंचा है। नव व्यवसाय का मूल्य (बीएनबी) 27.96 फीसदी से बढ़कर 8288 करोड़ हुआ। बीएनबी मार्जिन (नेट) 170 बीपीएस की वृद्धि के साथ 18.8 प्रतिशत हो गया। नव व्यवसाय प्रीमियम आय (व्यक्तिगत) 5.89 प्रतिशत वृद्धि के साथ 44941 करोड़ रुपए हो गयी। जबकि सकल समूह व्यवसाय प्रीमियम आय 13.56 प्रतिशत से बढ़कर 1 लाख 35 हजार 302 करोड़ रुपए हो गयी। सकल प्रीमियम आय भी 9.02 फीसदी वृद्धि के साथ 3 लाख 71 हजार 293 करोड़ रुपए पर है। सॉल्वेंसी अनुपात 2.02 प्रतिशत से बढ़कर 2.19 हुआ है।

वाहन चोर गिरफ्तार, स्कूटी बरामद

जयपुर । खोरा बीसल थाना पुलिस ने वाहन चोरी की बढ़ती वारदातों पर कार्रवाई करते हुए एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई स्कूटी बरामद की है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि शहर में हो रही वाहन चोरी की घटनाओं की रोकथाम के लिए रात्रि गश्त को सख्त करने और भीड़भाड़ वाले इलाकों में विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश कुमार गुप्ता के निर्देशन और सहायक पुलिस आयुक्त आलोक सैनी के सुपरविजन में खोरा बीसल थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की।

पुलिस ने विशेष टीम का गठन कर मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की।

Savoring National Latte Day: A Toast to Coffee Culture

National Latte Day, celebrated on February 11, honours the beloved latte, a perfect blend of espresso and steamed milk. This day is a celebration of coffee craftsmanship, café culture, and the simple joy a well-made cup brings to daily life. Beyond taste, lattes inspire creativity, from intricate latte art to unique flavour infusions, making every cup a personal experience. Coffee enthusiasts and casual drinkers alike use the day to explore new cafés, experiment with home brews, or simply savour a comforting moment. National Latte Day reminds us that life, like coffee, is best enjoyed one sip at a time.

#COOK PINE

Why They Tilt Towards the Equator

It is possible that Cook pines possess a genetic growth trait that evolved in their native range near the tropics

Cook pine trees (Araucaria columnaris) are tall, narrow conifers native to New Caledonia and widely planted across tropical and subtropical regions of the world. One of the most intriguing features attributed to these trees is their apparent tendency to lean towards the equator, regardless of which hemisphere they are planted in. This unusual growth pattern has attracted attention from botanists, geographers, and casual observers alike, raising questions about how plants perceive and respond to their environment.

Observing the Phenomenon

Reports of equator-leaning Cook pines come from diverse locations including Australia, Hawaii, Florida, and parts of South America. Observers have noted that in the Northern Hemisphere, the trees often tilt slightly southward, while in the Southern Hemisphere, they tend to lean northward, both directions pointing towards the equator. While not every Cook pine shows this behaviour, the pattern is frequent enough to suggest a real biological or environmental cause rather than coincidence.

Scientific Investigation

The phenomenon gained scientific attention in the 1990s and early 2000s when researchers began measuring trunk angles across multiple locations. These studies found that a majority of mature Cook pines displayed a measurable equator-ward lean, often increasing with age. Importantly, the tilt was usually subtle rather than dramatic, making it more noticeable when trees were planted in rows or compared side by side.

Possible Explanations

1. **Phototropism and Solar Geometry**

One of the leading explanations involves phototropism, the tendency of plants to grow towards light. Near the equator, the sun's path is more directly overhead, while farther north or south, it arcs through the sky at an angle. Cook pines may grow in a way that optimizes exposure to sunlight over the course of the year, subtly adjusting their vertical growth towards the average direction of maximum solar radiation, which happens to be equator-ward.

2. **Gravitropism Interacting with Light**

Trees normally grow upright due to gravitropism, the response to gravity. However, growth direction is often the result of multiple competing signals. In Cook pines, the interaction between gravity sensing and light sensing may be slightly unbalanced, producing a consistent but mild deviation from vertical when exposed to long-term directional light patterns.

3. **Growth Asymmetry and Internal Structure**

Another hypothesis suggests that Cook pines may develop asymmetrical wood density or cell expansion in response to environmental stressors such as prevailing winds, temperature gradients, or seasonal sun angles. Over decades, these small imbalances could accumulate, resulting in a noticeable lean.

4. **Genetic Predisposition**

It is also possible that Cook pines possess a genetic growth trait that evolved in their native range near the tropics. When planted outside that narrow latitudinal band, this trait may express itself more visibly as a directional lean. In this view, the tilt is not an 'intentional' response to the equator, but a side effect of how the species' growth program interacts with global geometry.

Despite popular claims, Cook pines should not be used as natural compasses. Not all individuals tilt, and local factors such as wind, slope, soil conditions, or damage can override the equator-ward tendency. The phenomenon is best understood as a statistical pattern rather than a universal rule.

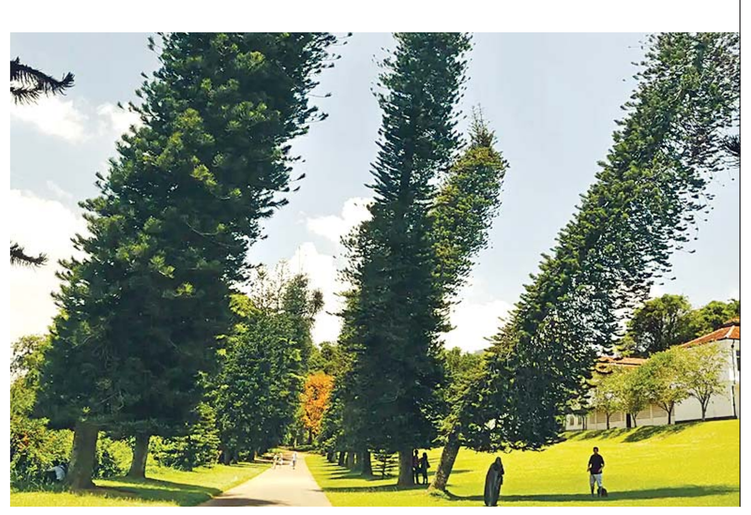

Listening cafés have become the perfect way to socialize in a bored world. "This kind of shared listening offers something increasingly rare: low-demand social connection," says clinical psychologist Gurpreet Kaur, who has a degree in music. "You are with others, but without the pressure to converse, entertain or manage social cues. That drop in demand allows the nervous system to soften rather than brace."

Virgin Hotels London-Shoreditch launched its new vinyl-lined listening room, Hidden Grooves.

Devon Turnbull, HiFi Pursuit Listening Room Dream No. 3, Cooper Hewitt, Smithsonian Design Museum, 2025.

Listening bars, like Hidden Grooves, have become the perfect way to socialize in a post-pandemic world.

Gen Z Is Trading Night Clubs for Japanese-Style Listening Bars

#ENTERTAINVILLE

● Verna Mohon

Gen Z music fans are now shunning night clubs for quieter pursuits. In a world drowning in noise, 20-somethings are swapping dance venues for listening bars. In these mini museums to music, patrons serenely sip coffee or cocktails while the owner curates the soundtrack from their own collection of vinyl.

The first listening bars, or ongaku kissa, were created 100 years ago in Japan. Customers drank coffee while European classical music played through high-fidelity speakers. During the 1970s, listening cafés, which now included jazz and rock 'n' roll, seemed to have reached their peak. But in recent years, the phenomenon has gone global.

A welcome respite from the chaos of the world today, these chill spaces can be found in teahouses and vegan cafés or even squeezed into off-the-grid campers, from Tokyo to Berlin to New York. Luxury brands have also embraced them. In 2025, Italian fashion design brand Valentino opened a pop-up listening bar during the summer at its Madison Avenue store and Virgin Hotels London-Shoreditch launched its new vinyl-lined listening room, Hidden Grooves. Even the Smithsonian is on board. Visitors to the Cooper Hewitt, Smithsonian Design Museum in New York City can experience a listening room custom-built by Brooklyn-based audio engineer Devon Turnbull, known creatively as OJAS, through mid-July.

Listening cafés have become the perfect way to socialize in a bored world. "This kind of shared listening offers something increasingly rare: low-demand social connection," says clinical psychologist Gurpreet Kaur, who has a degree in music. "You are with others, but without the pressure to converse, entertain or manage social cues. That drop in demand allows the nervous system to soften rather than brace."

The Japanese Origins of Listening Bars

The listening rooms in vegan cafés are a world away from the original Japanese ongaku kissa, called Meikyoku Kissa Lion, in Shibuya, Tokyo. Founded in 1926 by Yamadera Yanosuke, it was set in a humble building, but behind the doors was a tearoom complete with a chandelier and velvet-covered, high-backed chairs that faced a wall of speakers, a theater for music.

In the years that followed, the concept took off: As Japan headed into World War II, it was home to about 80 kissa, the majority of them in Tokyo. During the conflict, however, the listening cafés almost disappeared.

"In the late 1930s, a lot of these places would have their records confiscated or destroyed by the military police," says Tokyo-based documentary filmmaker Nick Dwyer, who spent 10 years researching ongaku kissa for 2024's *A Century in Sound*, which is now showing at festivals across the globe. The buildings themselves were also under threat. Meikyoku Kissa Lion was razed in 1945 during the firebombing of Tokyo.

Poverty was widespread in Japan after the war. Vinyl albums and sound equipment were luxuries that most Japanese could not afford. When American forces left Japan in the 1950s, however, ongaku kissa were revived. The stacks of vinyl left behind by American G.I.s and sold in street markets were played on sound equipment built from discarded American Army circuit boards. Over time, each type of music, whether rock or Argentinian tango, had its own kissa. "They were simultaneously places of learning, places of healing and places of worship," says Dwyer.

Meikyoku Kissa Lion was rebuilt and reopened in 1950, mirroring the original. The atmosphere of this café remains as reverential as a church, and the classical music piped through the speakers is crisp. The only change made by its 83-year-old owner, Keiko Ishihara, since its reopening, has been to its menu; the café stopped serving food, due to noise-level concerns, and offers only simple beverages, like coffee, tea and lemonade. Each vinyl is played on the café's turntable after being introduced to the patrons, who sit at tables facing ten-foot-tall speakers on the wall, like parishioners sitting in church pews.

Nick Dwyer's very first experience with listening bars was at Meikyoku Kissa Lion. "It just shocked me, because I had a realization, which was, when was the last time I just listened to a record, just listened and didn't do anything else?" he says.

"In Japanese culture, all inanimate objects have a soul. Records have a soul as well," Dwyer notes. "When someone in Japan thinks of the record, they think of the man that pressed it and the history etched into it."

Over time, shifts in technology, such as the invention of the Walkman and car stereos, saw some kissa fall out of fashion and close their doors, while others, such as jazz kissa, remained strong. Jazz purists believe that vinyl helps highlight the complex textures found in jazz, while digital versions may flatten the sound. Two of the most historic jazz kissa in Tokyo are Jazz Kissa Eigaken and Dug.

"Kissa have always survived because Japanese people want to hear music in the best possible way, and they want to hear it on these sound systems," says Dwyer.

The traveling minibar Midori is inside a solar-powered camper, pulled by a 1977 Mini Clubman Estate car.

Silence Please, a studio that designs bespoke high-fidelity speakers, launched a listening room meets teahouse in Manhattan in 2024.

Listening Bars pop up in the United States

One of the first listening bars in the United States was *In Sheep's Clothing,* a Los Angeles bar that opened in 2018 and served up curated tracks with single origin coffee. The establishment traded brick and mortar for pop-up events during the pandemic. Yet, other listening bars soon launched over the next couple of years, from as far away as New York and Miami.

One of the latest can be found in a former art gallery in Manhattan's Bowery neighbourhood. Silence Please, a studio that designs bespoke high-fidelity speakers, launched a listening room meets teahouse in 2024. It has become a fast favourite with New Yorkers, who sip matcha lattes on black leather sofas and chairs while enjoying their choice of vinyl at listening stations or the jazz or modern classical music, which is played to the crowd, and they can listen to together. Inspired by a visit to Meikyoku Kissa Lion in Tokyo, the Silence Please team plays records from start to finish on its Roar Speakers, which employees say will deliver visceral lows and crystal clear highs. Visitors can also take part in figure-drawing classes, tea tastings and listening sessions with record clubs.

D.J. Jansen Scott, who owns the vinyl store Duty Free Records (located inside Silence Please), says that the rise in bespoke speaker companies, such as Silence Please and OJAS and Bridge Street Sound in Brooklyn, blended with social media and people's desire for third spaces, made for fertile ground for listening bars in the U.S. "People want to hang out and hear curated music in a space that's maybe not as stimulating as a concert, yet more intentional than a bar where people are shouting over each other," says Scott. "As younger folks are drinking less, new communities are forming in these spaces."

Scott adds: "Someone jokingly said to me, 'it's illegal to loiter.' There aren't many places where you can just hang out and hear good music, without having to buy something. Listening rooms are a great place to loiter."

Listening cafés in the United States have also attracted a new post-pandemic audience, the work-from-home crowd. Silence Please "offers a unique experience that is hard to find elsewhere," says TikToker @Nikkdill, who seeks out unusual co-working spaces. She calls it 'a space where music, art and focus collide.'

Gen Z are finding that listening rooms are good for the mind, body and soul. Denver-based interior stylist and TikToker Izzy Lynch first visited ESP HiFi, a listening bar in Denver's Santa Fe Arts District that burns incense, serves natural wine and plays vinyl on restored vintage Garrard 401 turntables, in 2022. "The entire experience blew me away," says Lynch. "The sound was crisp, you could tell there was a lot of thought behind the placement of speakers to maximize acoustics. And I was mesmerized by the effortless floating between records."

The trend is carrying over to the home, with publications like the Wall Street Journal and Elle Décor weighing in on what's driving people to create personal listening rooms and how to design them. After designing an in-home listening room for a client, Lynch shared tips with her TikTok followers on styling similar spaces. While your speakers and turntable should be on display, for example, other media should be hidden. "If the room is doubling as a TV room, stow the TV away behind a piece of furniture, or orientate it so it isn't the focal point," she says. Lynch also encourages people to think about the lighting: "Use soft white bulbs hovering around 2700 Kelvin to help create a space that promotes lingering and listening."

Ongaku Kissa 2.0

As listening bars take hold in the U.S., ongaku kissa in Japan are assuming new forms. The traveling minibar Midori, for example, is inside a solar-powered camper, pulled by a 1977 Mini Clubman Estate car. Followers track its location in Tokyo on Instagram and catch up with it to listen to music selected by a D.J. or play their own vinyl.

"When the listening bar suddenly appears on the street, most people are amazed," says founder Shiori Tanaka. "The sense of being transported out of everyday life surprises many visitors, so much so that many become repeat customers."

Midori has also attracted traditional kissa fans, thanks to sound engineering by Komatsu Acoustic Laboratory, known for custom audio systems that use tube amplifiers and high-fidelity speakers.

"Tokyo's scene is incredibly diverse," Tanaka says. Listening bars can be found everywhere from dingy cellars to sparkling five-star hotels. "What they all share is a deep respect for sound," she adds.

Kenichi Saigo is the bar manager for Inc & Sons, a next-generation listening bar in Osaka. Tucked away in a basement, the candlelit watering hole has bottles of whiskey lining one wall, and a D.J. booth with shelves filled with vinyl records hugging another corner. Although talking is forbidden at Meikyoku Kissa Lion and other traditional Kissa, the rules are relaxing, and guests at Inc & Sons can chat quietly while a team member curates the tracks.

Here, the aim is to balance music, mixology and mood. "Sometimes, you'll get excited with loud jazz, sometimes, a mellow piano solo, or sometimes, a bright and cheerful atmosphere with Latin or rock," says Saigo. "You can enjoy the music, which changes like a movie, while drinking. I think that's the true joy of a listening bar."

Establishments that offer art classes or serve sushi have traditionalists wondering, when does it stop becoming a listening bar? But Dwyer sees the evolution for what it is: "I guess it's the hipstification of the listening bar."

Ongaku Kissa are different from other bars in that what they are doing is more for community than commerce, Dwyer argues. A successful bar, the filmmaker adds, comes down to the warmth and personality of the owner. "When you step into these kissa, you step into their world, all the music is selected by them," he says. "They want to connect with you through music."

rajeshsharma1049@gmail.com

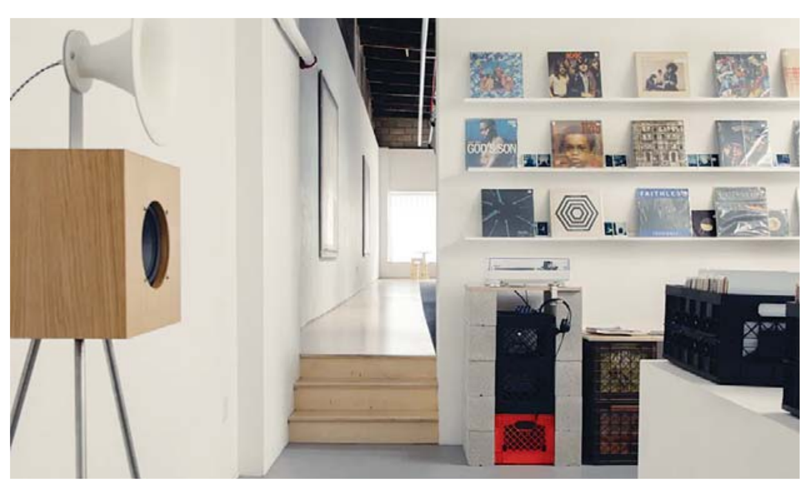

Visitors can enjoy their choice of vinyl at listening stations at Silence Please.

ESP HiFi is a listening bar in Denver's Santa Fe Arts District that burns incense, serves natural wine and plays vinyl on restored vintage Garrard 401 turntables.

#ANCIENT LENSES

Lenses Before Galilei

The Optics That Existed Long Before the Telescope

When we think of lenses, we often picture modern telescopes, microscopes, or cameras, tools that allow us to explore the cosmos and the microscopic world. Yet, the history of lenses stretches back thousands of years before Galileo ever pointed his telescope towards the stars. Long before the scientific revolution, ancient civilizations were already experimenting with curved glass, crystal, and polished stones to bend light, magnify objects, and perhaps even gaze into the heavens.

Early Beginnings: The Nimrud Lens

One of the most famous examples of an ancient lens is the Nimrud Lens, also known as the Layard Lens, discovered in 1850 by archaeologist Austen Henry Layard at the Assyrian palace of Nimrud in modern-day Iraq. Estimated to be around 3,000 years old (dating to about 750 BCE), the lens was made of rock crystal (quartz) and measured about 38 mm in diameter. It had a convex shape, capable of magnifying small objects or focusing sunlight, much like a primitive magnifying glass.

Scholars have long debated its purpose. Some suggest that it was used as a magnifier for intricate engraving or jewelry work, while others propose that it may have functioned as a fire-starting lens. A few even speculate that ancient Assyrians could have used such lenses for astronomical observations, though this remains controversial. Regardless of its exact use, the Nimrud Lens is undeniable evidence that ancient people understood the basic optical properties of curved, transparent materials.

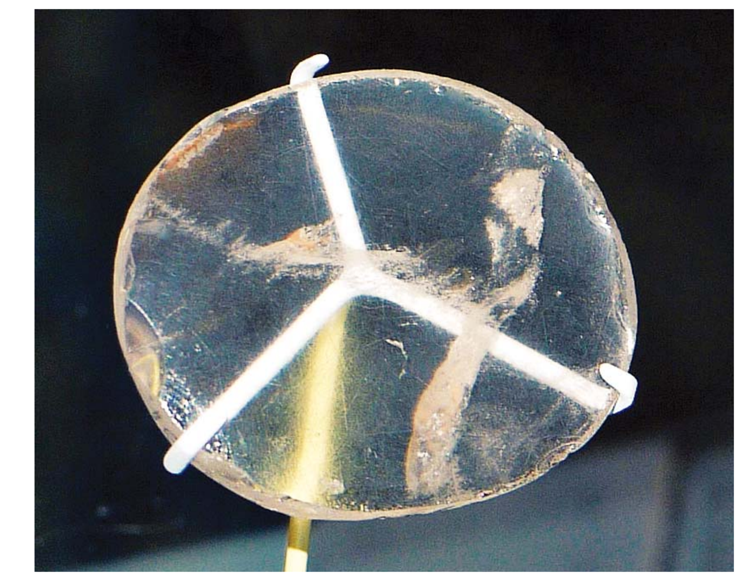

Ancient Egypt and the Mediterranean World

Evidence of lens-like objects appears even earlier in ancient Egypt, where polished crystal and obsidian were used in decorative and possibly optical contexts. Egyptian artisans, known for their meticulous craftsmanship, may have used small convex pieces of quartz or glass to magnify their fine work on jewelry and inscriptions.

Similarly, in ancient Greece and Rome, scholars like Aristophanes and Pliny the Elder described 'burning glasses,' convex lenses used to focus sunlight and ignite fires. By the first century CE, Roman glassmakers had developed lenses of sufficient clarity to serve both practical and experimental purposes. These early optical tools were sometimes used in medicine, crafts, and even as curiosities for manipulating light.

The Viking Sunstone and Optical Tools of the North

Far to the north, the Vikings may have developed their own optical technology. Archaeological evidence from Viking graves includes crystal objects, possibly lenses, that could have served navigational or decorative purposes. One intriguing related discovery is the Iceland spar crystal, often referred to as a sunstone, which the Vikings may have used to detect the position of the sun through polarized light on cloudy days. Though not a lens in the traditional sense, it demonstrates that ancient cultures experimented with light manipulation and optics in innovative ways.

Optical Knowledge Before Galileo

By the Middle Ages, scholars across the Islamic world and Europe had begun to study light systematically. Scientists like Ibn al-Haytham (Alhazen), the 11th-century Arab polymath, conducted detailed experiments on reflection and refraction, laying the groundwork for modern optics. Yet, even these breakthroughs drew indirectly on the ancient understanding of light-bending materials, knowledge that had been passed down through centuries of observation and craftsmanship.

When the telescope was invented in the early 17th century by Dutch lensmakers such as Hans Lippershey and later refined by Galileo Galilei, the technology itself was new, but the science behind it was not. The lenses that made telescopes possible were built on thousands of years of experimentation with glass and crystal.

A Legacy of Ancient Curiosity

The discovery of ancient lenses like the Nimrud crystal challenges our assumptions about early technology. It shows that ancient civilizations were not only skilled artisans but also keen observers of nature's principles. Whether used for magnifying, focusing, or simply marveling at light itself, these early lenses embody the same human curiosity that would one day lead to telescopes, microscopes, and cameras.

Long before Galileo turned his telescope skyward, the first lenses had already changed how people saw their world, literally. From Assyrian artisans shaping rock crystal to Roman scientists experimenting with burning glasses, ancient optics reveal a continuity of curiosity across millennia. These small, transparent artifacts stand as silent witnesses to humanity's oldest impulse: the desire to see farther, understand more, and bring the invisible into focus.

THE WALL

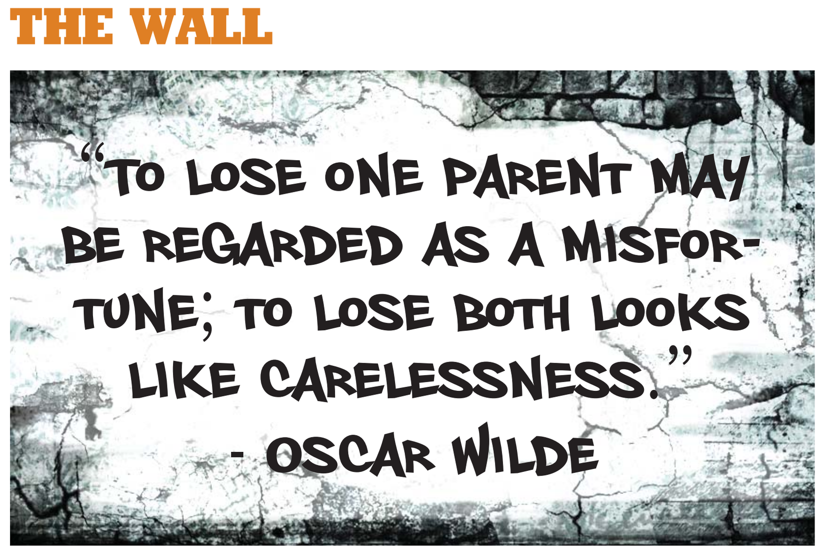

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

इंवेस्टमेंट के नाम पर 3.88 करोड़ की सायबर ठगी, छह आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों के पास से 4 लाख 49 हजार रूपये व सात मोबाइल फोन जब्त किये

कोटा, (निसं)। इंवेस्टमेंट के नाम पर 3 करोड़ 88 लाख रूपये की सायबर ठगी के मामले में सायबर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए छह सायबर ठगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने ठगों के पास से 4 लाख 49 हजार की राशि जब्त की है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि फरियादी ने 13 नवम्बर 2025 को सायबर थाने मे रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में कहा कि इंवेस्टमेंट के नाम पर 3 करोड़ 88 लाख रूपये की सायबर ठगी की गई है। शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले में अनुसंधान के लिये शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी के निर्देशन में पुलिस उपअधीक्षक गंगासहाय शर्मा सायबर थाना के नेतृत्व में टीम गठित की गई। गठित टीम ने मामले में तकनिकी अनुसंधान किया व बैंक रिकॉर्ड प्राप्त किये एवं संदिग्ध खाताधारकों व उन खातों को ऑपरेट करने वाले आरोपियों को चिन्हित किया। शहर एसपी ने बताया कि गठित दल ने मामले में अनुसंधान करते हुए साजिदेहड़ा हाल अनंतपुरा केसर विहार निवासी दानिश खान, लाजपत नगर द्वितीय निवासी विक्रांत नरूका, नयापुरा अटवाड़ा सोजत पाली निवासी अशफाक हुसैन, ब्यावर निवासी देवेन्द्र सिंह भाटी, जिला ब्यावर के मांडेडा निवासी शोकिन काठात एवं लक्ष्मण विहार कुन्हाड़ी निवासी चन्द्रश्याम मीणा को सायबर ठगी की वारदात में लिप्त मिलने पर प्रकरण में गिरफ्तार किया गया।

■ **पकड़े गये सायबर ठगों से पुलिस मामले में पूछताछ कर रही है**

शहर एसपी ने बताया कि मामले में पाली निवासी अशफाक हुसैन द्वारा कोटा शहर में अलग-अलग व्यक्तियों से बैंक खाते खरीदकर उन खातों में टेलिग्राम ग्रुप के माध्यम से विदेशों में स्थित सायबर ठगों से सायबर ठगी की राशि डलवाकर उस राशि से अपना कमीशन प्राप्त कर शेष राशि को यूएसडीटी क्रिप्टोकरेंसी में कन्वर्ट कर टीआरसी20 एड्रेस से विदेशी ठगों से भेजना पाया गया है।

वहीं आरोपी देवेन्द्र सिंह भाटी द्वारा कम्बोडिया में स्थित सायबर ठगों के साथ मिलकर फरियादी से सायबर ठगी की राशि अन्य आरोपियों के बैंक खाते में डलवाकर कैश विड्रॉल कर विदेशी ठगों को देना पाया गया। शहर एसपी ने बताया कि सायबर पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों के पास से 4 लाख 49 हजार रूपये व सात मोबाइल फोन जब्त किये हैं। पकड़े गये सायबर ठगों से मामले में अनुसंधान जारी है।

देशी बम्बूल से भरा ट्रक सहित आरोपी गिरफ्तार : कोटा के बपावर कलां पुलिस टीम ने मुखबीर की सूचना पर आधा ट्रक भरी देशी बम्बूल की लकड़ी सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने आरोपी के पास से लकड़ी काटने की सात कटार मशीन जब्त की है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अवैध परिवहन की रोकथाम हेतु कार्रवाई के लिये ग्रामीण पुलिस थानाधिकारियों को निर्देशित किया गया है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि बपावर पुलिस टीम को मुखबीर से सूचना मिली कि एक टाटा ट्रक चालक लाल रंग के ट्रक में चरेल गांव की तरफ से सरकारी भूमि से अवैध लकड़ी काटकर चोरी करके बारां की तरफ जा रहा है।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि मुखबीर की सूचना पर पुलिस उपअधीक्षक वृत्त सांगोद नरेन्द्र जैन के सुपरविजन में थानाधिकारी मदनलाल ढाका के नेतृत्व में टीम गठित की गई। ग्रामीण एसपी ने बताया कि थानाधिकारी मदनलाल ढाका मय जाब्ता लेकर खानपुर बारां एनएच रोड गौरव पथ के पास बपावर कलां पहुंचे और नाकाबंदी कर ट्रक को रोक कर तलाशी ली तो पुलिस टीम को अवैध लकड़ी देशी बम्बूल आधा ट्रक सहित लकड़ी काटने की सात कटार मशीन मिली। पुलिस टीम ने मौके पर बूंदी के थाना दबलाना टीकरदा निवासी संजय राठौर (40) को गिरफ्तार किया।

फायरिंग के चार आरोपी गिरफ्तार, हथियार बरामद

आरोपी सोशल मीडिया पर स्वयं को कोटा के डॉन बताते थे

कोटा, (निसं)। ग्रामीण पुलिस कोटा टीम ने कैथून में फायरिंग के मामले का खुलासा करते हुए फायरिंग के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपियों के पास से पिस्टल, कारतूस, चाकू एवं कार बरामद की है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि पकड़े गये आरोपी सोशल मीडिया पर खुद को कोटा का डॉन बताकर समाज में दहशत फैलाने का काम करते थे। ग्रामीण एसपी ने बताया कि 8 जनवरी को फरियादी अब्दुल कदिर ने कैथून थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि मेरे द्वारा आकाशवाणी केन्द्र के सामने शिवाजी नगर नाम से आवासीय कॉलोनी काटी है। रिपोर्ट में कहा कि वह प्लानिंग पर मौजूद था और उसका बेटा व कुछ कर्मचारी काउंटर के पास खड़े थे। उसी समय सकतपुरा निवासी समीर गंजा, आफाक अंसारी और तिवारी बच्चा तीनों बाइक पर आये और प्लानिंग के सामने बाइक को रोकर समीर गंजा ने जान से मारने कि नियत से फायरिंग कर दी और मौके से फरार हो गये। रिपोर्ट में कहा कि पूर्व में भी उस पर हमला हो चूका है।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले में कार्यवाही के लिये कैथून थानाधिकारी मनोज सिकरवार के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि मामले में गठित टीम के सदस्य कांस्टेबल लाखन सिंह को तकनीकी अनुसंधान एवं मुखबीर से सूचना मिली कि फायरिंग में फरार आरोपी आफाक हुसैन एवं समीर गंजा शेरगढ़ किला (जिला बारां) के पास झाड़ियों में छिपे हुए हैं।। सूचना पर कैथून व बपावर कलां थानाधिकारी मय जाप्ता एवं जिला कोटा ग्रामीण की स्पेशल टीमों द्वारा उक्त स्थान पर दबिश दी गई। बडोद थाना बुढ़ादीत हाल सकतपुरा थाना कुन्हाड़ी निवासी समीर उर्फ गंजा एवं सकतपुरा निवासी आफाक हुसैन उर्फ आशिक हुसैन झाडियों में छिपे हुए दिखाई दिये। उक्त अपराधियों ने पुलिस टीम को देखते ही भागने का प्रयास किया जिस पर पुलिस ने चारों तरफ से घेराबंदी कर दोनों को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने मामले में कार्यवाही करते हुए शाहिल हुसैन व अजरूद्दीन को भी गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपियों ने पूछताछ में फायरिंग की घटना के पीछे शकील मेवाती निवासी कनवास हाल निवासी भीमपुरा कैथून का हाथ होना बताया है, जिसने फरियादी को जान से मारने की सुपारी 3 लाख रूपये में दी थी, जिसमें से 20 हजार रूपये एडवांस राशि उक्त मुल्जिमों को दी थी। फायरिंग करवाने के मास्टरमाइंड अपराधी शकील मेवाती की तलाश जारी है।

डूंगरपुर में महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

डूंगरपुर, (निसं)। धंबोला थाना क्षेत्र अंतर्गत कोवाडिया फला में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। महिला का शव उसके घर में फंदे से लटका मिला है। मृतका के पीहर पक्ष ने मौत पर संदेह जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

सीमलवाड़ा चौकी प्रभारी ने बताया कि रेखा पत्नी रमेश खांट निवासी कोवाडिया फला का शव उसके घर में रस्सी के फंदे पर लटका मिला। घटना के समय महिला घर पर अकेली थी, क्योंकि उसका पति और

■ **घर में फँदे से लटका मिला शव, पीहर पक्ष ने जताई हत्या की आशंका**

दो बच्चे अहमदाबाद में मजदूरी के लिए गए हुए थे। पुलिस को घटना की सूचना रात करीब 12 बजे मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्यवाही की। सुबह करीब चार बजे शव को सीमलवाडा मोर्चरी में रखवाया गया। मंगलवार सुबह जब पीहर पक्ष मोर्चरी पहुंचे, तो उन्होंने गंभीर आरोप लगाए। पीहर पक्ष का कहना है कि उन्हें समय पर सूचना नहीं दी गई और उनकी गैर-मौजूदगी में ही शव को मोर्चरी में रखवा दिया। मृतका के भाई नरेश अहारी ने आशंका जताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और कानूनी कार्यवाही की मांग की है। फिलहाल पुलिस पीहर पक्ष से समझाइश का प्रयास कर रही है। शव का पोस्टमॉर्टम अभी तक नहीं हो पाया है और वह मोर्चरी में ही रखा हुआ है।

स्काउट गाइड पुरस्कार समारोह आज

जयपुर। जगतपुरा स्थित स्काउट गाइड के राज्य प्रशिक्षण केन्द्र पर बुधवार प्रातः 9 बजे राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह होगा। यह कार्यक्रम मुख्य अतिथि राज्यपाल एवं स्काउट संगठन के संरक्षक हरिभाऊ बागड़े की उपस्थिति में संपन्न होगा। इस अवसर पर सिरोही विधायक ओटाराम देवासी, दातारामगढ़ विधायक वीरेंद्र सिंह, नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी सहित अन्य विधायक एवं पूर्व विधायकों की उपस्थिति रहेगी। राज्य मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य ने बताया कि प्रत्येक वर्ष स्काउट गाइड का राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह राज्यपाल के मुख्य आतिथ्य में ही आयोजित होता है। जिनका प्रेरणास्प्रद उद्बोधन बालक-बालिकाओं में देश के प्रति समर्पण के भाव एवं उज्ज्वल भविष्य के मार्ग को प्रशस्त करता है।

इस अवसर पर माननीय राज्यपाल अपने कर कमलों से विधायक देवासी, वीरेन्द्र सिंह, सुरेश मोदी, जिला कलक्टर चूरू अभिषेक सुराना, बांसवाड़ा के कलक्टर इंद्रजीत यादव सहित लगभग 30 समाजसेवी एवं कार्मिकों को 'धन्यवाद बैज' एवं 'मेडल ऑफ मेरिट' से सम्मानित करेंगे।

आंवला क्रेता-विक्रेता सम्मेलन 13 को

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार पंच गौरव योजना के अंतर्गत "एक जिला-एक उपज" योजना के तहत आंवला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जयपुर जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 13 फरवरी को जयपुर के दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में जिला स्तरीय आंवला क्रेता-विक्रेता सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा।

मुख्य आयोजना अधिकारी डॉ. सुदीप कुमावत ने बताया कि कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में आयोजित होने वाले सम्मेलन में जयपुर जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से लगभग 700 से अधिक आंवला उत्पादक किसान, क्रेता, व्यापारी, एफपीओ एवं उद्यमी भाग लेंगे। कार्यक्रम की विशेषता के रूप में जयपुर जिले की सभी पंच गौरव उपजों की पृथक-पृथक स्टॉल लगाई जाएंगी, जिनके माध्यम से किसानों द्वारा उत्पादित स्थानीय विशिष्ट कृषि उपज, उनके मूल्यवर्धित उत्पादों तथा पारंपरिक विशेषताओं का प्रदर्शन किया जाएगा। इससे स्थानीय उत्पादों को व्यापक पहचान मिलने के साथ-साथ विपणन के नए अवसर सृजित होंगे।

हिट-एंड-रन मामला दर्ज होने के 15 दिन बाद भी आरोपी फरार

पीड़ित परिवार ने एसपी एवं कलैक्टर को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की

जालोर, (कासं)। जालोर शहर में हुए दर्दनाक सड़क हादसे को लेकर पीड़ित परिवार ने पुलिस प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक व कलैक्टर से त्वरित कार्रवाई की मांग की है। अब तक आरोपी वाहन चालक की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

ज्ञापन में खसाराम पुत्र स्व. चुन्नीलाल माली निवासी एफसीआई गोदाम के पास जालोर ने बताया कि 23 जनवरी दोपहर करीब 3.30 बजे उनके पिता चुन्नीलाल एवं माता नेनू देवी स्कूटी से एफसीआई से महेशपुरा रोड स्थित पिपलीवाला जा रहे थे। इसी दौरान बायपास हाइवे पार करते समय बिशनगढ़ की ओर से तेज गति से आ रही स्कॉर्पियो ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी और चालक मौके से फरार हो गया। हादसे में दोनों के सिर, हाथ व पैरों में गंभीर चोटें आईं। राहगीरों की मदद से उन्हें पहले ट्रॉमा सेंटर जालोर ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर पालनपुर रेफर किया गया। इलाज के दौरान 29 जनवरी को चुन्नीलाल का पालनपुर में निधन हो गया, जबकि उनकी पत्नी नेनू देवी का इलाज अभी जारी है।

परिजनों ने बताया कि इस संबंध में 26 जनवरी को पुलिस थाना जालोर में मामला दर्ज करवाया गया था, लेकिन आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। परिजनों द्वारा संदिग्ध वाहन नंबर की सूचना भी पुलिस को दी गई थी। उक्त वाहन को छह फरवरी को कोतवाली थाने लाया गया तथा सीसीटीवी फुटेज की जानकारी भी दी गई, लेकिन सात फरवरी को वाहन को छोड दिया गया।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि इतने ठोस सबूतों के बावजूद पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिससे उन्हें न्याय नहीं मिल पा रहा है। अब परिवार ने पुलिस अधीक्षक एवं जिला कलैक्टर को ज्ञापन देकर मांग की है कि दोषी चालक को शीघ्र गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि तीन दिन के भीतर कार्रवाई नहीं हुई तो परिवार धरने पर बैठने को मजबूर होगा। यह मामला अब जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है और आमजन भी प्रशासन से त्वरित न्याय की अपेक्षा कर रहे हैं।

जोधपुर में यूडी टैक्स वसूली के लिए कार्रवाई जारी

जोधपुर नगर निगम ने कई दुकानें सीज़ की, व्यापारियों में हड़कंप मचा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर नगर निगम की तरफ से यूडी टैक्स वसूली के लिए आज दूसरे दिन भी कार्रवाई जारी रही। नगर निगम अब सख्ती से टैक्स वसूली में लगा है। सोमवार को गई कार्रवाई के बाद मंगलवार को भी शहर में कार्रवाई की गई। कई दुकानों को एक साथ सीज कर सीलबंद किया गया गया। नगर निगम की इस कार्रवाई को लेकर व्यापारियों में हड़कंप मच गया। रेलवे स्टेशन-एमजीएच रोड पर सन्नाटा पसरा रहा। वे इसके लिए रास्ता खोजने में अब जुटे हैं ताकि कार्रवाई से बचा जा सके। एमजीएच रोड पर माथुर समाज की एक स्कूल है। बाहर रोड़ पर कई दुकाने हैं। इस भवन का लाखों का यूडी टैक्स बकाया है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को लगभग 80 से अधिक दुकानें और एक स्कूल को सीज किया गया है। सुबह जब व्यापारी अपनी दुकानें खोलने पहुंचे तब दुकानों पर नोटिस और सील चपड़ी मिली। व्यापारियों में निगम की इस कार्रवाई को लेकर हड़कंप का माहौल बना हुआ है। कई व्यापारी तो दुकानों पर ही नहीं पहुंचे, उससे पहले ही दुकानों पर नोटिस और सीलबंद कर दिया गया।

जोधपुर में नगर निगम ने यूडी टैक्स बकाया नहीं चुकाने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ऑफिस और 79 दुकानों को सीज कर दिया। करीब 50 लाख रुपए का शहरी विकास (यूडी) टैक्स लंबे समय से बकाया था। बार-बार नोटिस देने के बावजूद राशि जमा नहीं कराने पर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर ताले जड़ दिए। नगर निगम ने कायस्थ जनरल सभा परिसर में संचालित सर प्रताप लॉ कॉलेज और परिसर की दुकानों पर कार्रवाई को अंजाम दिया। निगम ने कॉलेज में स्टूडेंट्स के मिड टर्म एग्जाम के चलते कॉलेज में कमरों को सीज नहीं किया। वहीं परिसर में बने ऑफिस को सीज किया गया। साथ ही परिसर के आगे की तरफ महात्मा गांधी रोड पर बनी करीब 79 दुकानों को भी सीज किया गया है। संस्था पर 49 लाख 47 हजार 37 रुपए का यूडी टैक्स वर्ष 2017 से बकाया है।

गौरतलब है कि सोमवार को निगम ने सरदारपुरा स्थित एक मैरिज हॉल पर कार्रवाई की थी। सरदारपुरा डी रोड स्थित सेंट एंड्रयूज हॉल को सीज किया गया था। संस्था ने यूडी टैक्स 42 लाख 9 हजार 606 रुपए जमा नहीं कराए थे। निगम की ओर से दिए नोटिस को 15 दिन हो चुके थे। ऐसे में हॉल के चारों गेट को बंद कर दिए गए और ऑफिस को सीज करने की कार्रवाई की गई।

जोधपुर में दो युवतियां बिना बताए घर से निकली

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में दो युवतियों के बिना बताए कहीं चले जाने के मामले सामने आए हैं। इस संबंध में युवतियों के परिजनों ने पुलिस थानों में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार पहला मामला प्रताप नगर सदर थाने का है। एक व्यक्ति ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी 18 साल की बेटी सोमवार को घर से बिना बताए कहीं चली गई, जिसका आस पड़ोस और रिश्तेदारों में पता करने पर कोई जानकारी नहीं मिली। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक देवाराम को सौंपी है।

दूसरा मामला बासनी थाने का सामने आया है। एक व्यक्ति ने थाने में रिपोर्ट देकर बताया कि उसकी 21 साल की बेटी सोमवार को बिना बताए घर से कहीं चली गई है। वह वापस घर नहीं लौटी और न ही उसका कहीं पता चल पाया है। मामले की जांच कॉन्स्टेबल विजय कर रहे हैं।

पेड़ कटाई के दौरान बिजली के तारों पर गिरी लकड़ी, शॉर्ट सर्किट हुआ

शॉर्ट सर्किट से दर्जनभर मकानों और दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरे, टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन सहित बिजली के उपकरण जल गए

अजमेर, (निसं)। शहर के कृष्णगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत विकासपुरी इलाके में स्थित शिव मंदिर के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक मकान मालिक द्वारा अपने घर के बाहर लगे पेड़ की कटाई करवाई जा रही थी। कटाई के दौरान पेड़ की एक भारी लकड़ी सीधे बिजली के तारों पर गिर गई, जिससे तेज शॉर्ट सर्किट हो गया। शॉर्ट सर्किट की वजह से शिव मंदिर के आसपास स्थित करीब दर्जनभर मकानों और दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरे, टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन सहित अन्य बिजली के उपकरण जलकर खराब हो गए। अचानक हुई इस घटना से क्षेत्रवासियों में भारी रोष देखने को मिला।

घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग के अधिकारियों को सूचना दी। सूचना मिलते ही विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। बिजली आपूर्ति को कुछ समय के लिए बंद कर सुरक्षित किया गया। बिजली विभाग की टीम ने मौके पर मुआयना कर प्रत्येक घर और दुकान का सर्वे शुरू किया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि किस परिवार को कितना नुकसान हुआ है। विभाग द्वारा नुकसान का पूरा आकलन तैयार किया जा रहा है।

क्षेत्रवासियों के अनुसार बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि संबंधित मकान मालिक ने बिजली लाइनों के पास लगे पेड़ की डालियां काटने से पहले विभाग से कोई अनुमति नहीं ली थी। विभाग ने इस पूरे मामले को स्पष्ट लापरवाही करार दिया है।

कक्षा कक्ष के बरामदे में फर्श धंसने के मामले को शिक्षा विभाग ने गंभीरता से लिया

तकनीकी अधिकारी की मौजूदगी में त्रुटिपूर्ण फर्श कार्य को पुनः गुणवत्तापूर्ण कराया जा रहा है

माण्डलगढ़, (निसं)। माण्डलगढ़ क्षेत्र में राजगढ़ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के कक्षा कक्ष के बरामदे में फर्श धंसने के मामले को जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा विभाग ने गम्भीरता से लिया है। तकनीकी अधिकारी की मौजूदगी में त्रुटिपूर्ण फर्श के कार्य को पुनः गुणवत्तापूर्ण कराया जा रहा है।

राजगढ़ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य शिवराज मीणा ने बताया कि स्कूल परिसर में नवनिर्मित दोनों कक्षा कक्ष और बरामदे की सम्पूर्ण फर्श को संवेदक ने उखाड़ दिया है और एक फीट खुदाई कर खरंजा एवं पीसीसी कर दोबारा नया फर्श निर्माण कराया जा रहा है। प्रधानाचार्य का कहना है कि तकनीकी अधिकारियों से भवन सुरक्षा प्रमाण पत्र मिलने के पश्चात ही दोनों कक्षा कक्ष को विद्यार्थियों के बैठने में उपयोग में लिया जाएगा।

माण्डलगढ़ के सरकारी स्कूल में नव निर्मित कक्षा कक्ष की फर्श धँसने के बाद पुनः नया फर्श लगाया जा रहा हैं।

■ **गत सात फरवरी को नवनिर्मित कक्षा कक्ष के बरामदे का फर्श लोकार्पण करने के दौरान लोगों की भीड़ से अचानक धंस गया था**

■ **माण्डलगढ़ के राजगढ़ में कक्षा कक्ष के फर्श और छत का भवन सुरक्षा प्रमाण पत्र आने के बाद विद्यार्थियों को बैठाया जाएगा : प्रधानाचार्य**

मौक़े पर कनिष्ट अभियंता मुकेश कुमार चौधरी की निगरानी में फर्श पर कोटा स्टोन की टाइल लगाने का कार्य किया जा रहा है। वहीं नवनिर्मित कक्षा कक्ष की छत, दीवारें और अन्य निर्माण की गुणवत्ता की बारीकी से जांच की जा रही है। भवन निर्माण में जो भी घटिया एवं त्रुटिपूर्ण निर्माण होगा, उसे भवन निर्माण के तय मापदण्ड के अनुसार किया जाएगा।

गौरतलब है कि गत सात फरवरी को नवनिर्मित कक्षा कक्ष का लोकार्पण करने माण्डलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल पहुंचे थे। इस दौरान लोगों की भीड़ से कक्षा कक्ष के बरामदे का फर्श अचानक धंस गया था। इससे एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया था।

स्कूल लेक्चरर के स्थानांतरण एवं कार्यमुक्ति आदेश पर रोक

राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण जोधपुर ने सुनवाई की

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण जोधपुर ने स्कूल लेक्चरर के मामले में सुनवाई करते हुए उनके स्थानांतरण एवं कार्यमुक्ति आदेश पर रोक लगाई है। आदेश 10 जनवरी 26 को जारी हुए थे। इस बारे में मंगलवार को आदेश जारी हुए।

बीकानेर निवासी सुधा हर्ष जो कि वर्तमान में स्कूल लेक्चरर (ग्रह विज्ञान) के पद पर कार्यरत है। सुधा हर्ष वर्तमान में राजकीय बालिका सीनियर सैण्डरी स्कूल बारहगुवाड में स्कूल लेक्चरर के पद पर कार्यरत है। वह मस्तिष्क ज्वर संबंधी बीमारी से ग्रसित है तथा उसे मस्तिष्क टीबी सम्बंधी गंभीर बीमारी भी है। बीमारी के संदर्भ में सक्षम चिकित्सक द्वारा प्रमाण पत्र भी जारी किया हुआ है, इसके बावजूद भी निदेशक माध्यमिक शिक्षा द्वारा उसका वर्तमान स्थान से हीरा बाई गटटानी राजकीय बालिका विद्यालय नोखा बीकानेर 10 जनवरी 2026 से

■ **स्कूल लेक्चरर बीकानेर का मामला, आदेश 10 जनवरी को जारी हुए थे**

स्थानांतरण कर दिया एंव 10 जनवरी को ही उसे कार्यमुक्त भी कर दिया।

शिक्षा विभाग की स्थानांतरण संबंधी दिशा निर्देशों जो 14 जुलाई 2022 को जारी किये गये, उन दिशा निर्देशों में यह स्पष्ट उल्लेखित है कि गंभीर बीमारी (मस्तिष्क संबंधी बीमारी, किडनी ट्रासंप्लाट, हद्रय रोग संबधी) वाले कर्मचारियों का स्थानांतरण नहीं किया जायेगा। सुधा हर्ष का स्थानांतरण 10 जनवरी 2026 को जारी किया गया व 10 जनवरी 2026 को ही विभाग द्वारा उसे कार्यमुक्त कर दिया गया। स्थानांतरण व कार्यमुक्ति आदेश से व्यथित होकर पीड़िता ने एक अपील राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण के समक्ष अपने अधिवक्ता प्रमेन्द्र बोहरा व नीता छंगाणी के माध्यम से प्रस्तुत की। अधिकरण के समक्ष अधिवक्ता का यह तर्क था कि जब शिक्षा विभाग का मध्यवर्ती सत्र चल रहा है व शिक्षा विभाग द्वारा स्थानांतरण सबंधी दिशा निर्देश जो 14 जुलाई 2022 को जारी किए गए, उसमें यह स्पष्ट प्रावधान है कि गंभीर बीमारी से ग्रसित कर्मचारियों का स्थानांतरण नहीं किया जाएगा। उसके बावजूद भी सुधा हर्ष का स्थानांतरण किया गया है। उनका स्थानांतरण नहीं किया जाना चाहिए था क्योंकि अपीलार्थी मस्तिष्क ज्वर से एवं मस्तिष्क में टीबी नामक बीमारी से ग्रसित है।

प्रार्थीनी के अधिवक्ता के तर्कों से सहमत होते हुए अधिकरण ने माध्यमिक शिक्षा विभाग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया तथा प्रार्थीनी के स्थानातरण आदेश व कार्यमुंक्त आदेश पर आगामी आदेश तक रोक लगायी है।

मांगीलाल प्रदेश उपाध्यक्ष बने

निवाई। अखिल भारतीय कोली समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र कश्यप एवं राष्ट्रीय महामंत्री डीपी वर्मा के निर्देशानुसार प्रदेश अध्यक्ष आरसी वर्मा एवं प्रदेश महामंत्री नारायणसहाय कोली ने संगठन में निवाई निवासी मांगीलाल महावर को प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया है। जिनको नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।संगठन में निवाई निवासी मांगीलाल महावर को प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत करने पर सदस्यों ने जनों ने खुशी जताई है।

नाम परिवर्तन

मेरे पुराने पासपोर्ट में मेरी माताजी का नाम NIGAT दर्ज है जबकि उनका नाम NIKHAT BEGUM है भविष्य में मेरी माताजी का नाम NIKHAT BEGUM धर्मपत्नी मोईन उद्दीन अहमद निवासी 3029, मोहल्ला हिरण वालान चौकडी, तोपखाना हजुरी, बुरहान मंजिल के पास, घाटगेट, जयपुर के नाम से जाना पहचाना जावें। अहमद

I have changed my name from rekha devi soni to rekha soni r/o J 232 officer campus ext sirsi road vaishali nagar Jaipur

खोया पाया

मैं पूरण मल जैन पुत्र स्वं श्री फूल चंद जैन प्लाट 3/3ए कल्याण विहार मान्सर खेड़ी आगरा रोड़, ज़यपुर राजस्थान जो कि सूरजपोल गेट गृह विकास सहकारी समिति लि. जयपुर द्वारा 21/08/1997 से आवंटित पट्टा के कागजात खो गये है अगर किसी को मिलते है तो सुचित करे 9431115535

मेरे भूखण्ड संख्या- बी-503 पार्थ नगर योजना का मूल कब्ज़ा पत्र कही गुम हो गए है मिलने पर सम्पर्क करें मंगलिया लाल मीणा फोन नंबर-8005706602

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम, राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:10267 जाहिर आम-सूचना दिनांक:10.02.2026
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 51/414 (LIG) का आवंटन श्री मनोहर लाल पुत्र श्री हेमनदास को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2071 दिनांक 18-03-1999 को जारी किया गया था। जिसका नियमितिकरण पत्र क्रमांक 173/1099 दिनांक 05-08-2000 के द्वारा श्री शंकर लाल मीणा पुत्र श्री रामकरण मीणा के पक्ष में किया गया। इनके पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 28.12.2017 को कर दिया गया। श्री शंकर लाल मीणा की मृत्यु दिनांक 15.01.2024 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री आदित्य मीणा पुत्र स्व. श्री शंकर लाल मीणा द्वारा आवासन मण्डल मे अपना नाम रजिस्टर्ड हक त्याग के आधार पर मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। अतः उक्त आवास का हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्री आदित्य मीणा पुत्र स्व. श्री शंकर लाल मीणा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा। भवदीय,
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम राज. आवा. मण्डल, जयपुर

राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि., जयपुर
5 वी व 6ठी मंजिल नेहरू सहकार भवन, 22 गोदाम सर्किल, जयपुर
Phone: 0141-2741805, E-mail: rschfjaipur@yahoo.com
Office website: www.rschf.org
क्रमांक-1201/26 दिनांक-09/02/2026
आम सूचना संघ की आवासीय योजना कमला नेहरू नगर, अजमेर रोड़, जयपुर की दुकान संख्या-12 मय छत श्री के.बी. माथुर को आवंटित की गई थी। श्री के.बी. माथुर द्वारा उक्त दुकान की छत श्रीमती गुलाब देवी पत्नि श्री प्रभुदयाल जांगिड़ को रजिस्टर्ड विक्रय पत्र द्वारा दिनांक 13.08.2008 को विक्रय कर दी गई थी। श्रीमती गुलाब देवी की दिनांक 08.08.2025 को मृत्यु उपरान्त उनके पुत्र श्री श्रवण कुमार जांगिड़ द्वारा श्रीमती गुलाब देवी के समस्त वारिसान का 500/-रू. के नॉन-ज्यूडिशियल स्टाम्प पर शपथ पत्र मय सहमति के आवश्यक दस्तावेजों की फोटो प्रति प्रस्तुत कर उपरोक्त दुकान की छत अपने नाम ट्रांसफर कराने हेतु निवेदन किया गया हैं। जिस किसी को उक्त दुकान की छत ट्रांसफर करने पर आपत्ति हो तो संघ कार्यालय में 15 दिवस में प्रमाण सहित प्रस्तुत करें, अन्यथा दुकान संख्या-12 की छत, कमला नेहरू नगर, अजमेर रोड़, जयपुर को श्री श्रवण कुमार जांगिड़ पुत्र श्री प्रभुदयाल जांगिड़ के नाम हस्तांतरण कर दिया जावेगा।
(योगेश शर्मा) प्रबंध निदेशक

राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि., जयपुर
5 वी व 6ठी मंजिल नेहरू सहकार भवन, 22 गोदाम सर्किल, जयपुर
Phone: 0141-2741805, E-mail: rschfjaipur@yahoo.com
Office website: www.rschf.org
क्रमांक-1202/26 दिनांक-09/02/2026
आम सूचना श्रीमती संघ की आवासीय योजना कमला नेहरू नगर, अजमेर रोड़, जयपुर की दुकान संख्या 11 मय छत श्रीमती रूकमणी देवी को आवंटित की गई थी, जिसे उनके द्वारा श्रीमती गुलाब देवी पत्नि श्री प्रभुदयाल जांगिड़ को विक्रय किये जाने के फलस्वरूप दिनांक 26.03.1999 को ट्रांसफर कर श्रीमती गुलाब देवी के नाम विक्रय पत्र जारी कर दिनांक 31.03.1999 को रजिस्ट्री करवा दी गई थी। श्रीमती गुलाब देवी की दिनांक 08.08.2025 को मृत्यु उपरान्त उनके पुत्र श्री श्रवण कुमार जांगिड़ द्वारा श्रीमती गुलाब देवी के समस्त वारिसान का 500/-रू. के नॉन-ज्यूडिशियल स्टाम्प पर शपथ पत्र मय सहमति के आवश्यक दस्तावेजों की फोटो प्रति प्रस्तुत कर उपरोक्त दुकान मयं छत अपने नाम ट्रांसफर कराने हेतु निवेदन किया गया है। जिस किसी को उक्त दुकान मय छत ट्रांसफर करने पर आपत्ति हो तो संघ कार्यालय में 15 दिवस में प्रमाण सहित प्रस्तुत करें, अन्यथा दुकान संख्या-11 मय छत, कमला नेहरू नगर, अजमेर रोड़, जयपुर को श्री श्रवण कुमार जांगिड़ पुत्र श्री प्रभुदयाल जांगिड़ के नाम हस्तांतरण कर दिया जावेगा।
(योगेश शर्मा) प्रबंध निदेशक

कार्यालय उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर
आवश्यक सूचना आवास संख्या 1 क 44. सी.ई.बी. योजना अलवर जो कि मूलतः डा. आर.के. दीक्षित (श्री राजेन्द्र कुमार दीक्षित) पुत्र श्री स्मृति दीक्षित को आवंटन पत्रांक 214 दिनांक 30.04.1993 एवं संशोधित आवंटन पत्रांक 487 दिनांक 27.05.1993 के द्वारा आवंटित किया गया था। मण्डल द्वारा आवास का अदेय प्रमाणपत्र क्रमांक 1814 दिनांक 24.07.2001 को श्री राजेन्द्र कुमार दीक्षित के पक्ष मे जारी कर दिया गया था। श्री राजेन्द्र कुमार दीक्षित द्वारा आवास की रजिस्ट्री स्वयं के नाम से दिनांक 31.07.2001 को उपपंजीयक कार्यालय अलवर मे पंजीकृत करवाई जा चुकी हैं। श्री राजेन्द्र कुमार दीक्षित की मृत्यु दिनांक 08.01.2026 को हो जाने के उपरांत उनके उत्तराधिकारियो उनकी पत्नि श्रीमती विजया दीक्षित व उनके पुत्रो श्री रुचिन दीक्षित व श्री निशीथ दीक्षित द्वारा मण्डल नियमानुसार प्रस्तुत शपथपत्रो एवं अन्य प्रपत्रो के आधार पर उक्त आवास का मृत्यु उपरान्त संयुक्त नाम से प्रतिस्थापन हस्तांतरण किये जाने हेतु शुल्क जमा करा कर आवेदन किया गया है। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आगाह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 1 क 44, सी.ई.बी. योजना अलवर के सम्बन्ध मे पिता, पुत्र, पुत्री, भाई, अन्य किसी रिश्तेदार व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति विशेष को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस मे, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर मे अपना एतराज लिखित मे प्रस्तुत करेअन्यथा श्रीमती विजया दीक्षित पत्नि स्व. श्री राजेन्द्र कुमार दीक्षित व श्री रुचिन दीक्षित एवं श्री निशीथ दीक्षित पुत्रान स्व. श्री राजेन्द्र कुमार दीक्षित के पक्ष मे आवास का मृत्यु उपरान्त संयुक्त नाम से प्रतिस्थापन हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी।
उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त अलवर

कार्यालय तहसीलदार तहसील सांगानेर
क्रमांक : रीडर/26/90 दिनांक : 10.02.2026
आम सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम **ग्वार ब्राहमणान पटवार हल्का खेडीगोकुलपुरा के खाता संख्या 54 के ख.नं. 342, 343, 344, 345, 346, 351/1037, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 366, 367, 368 कुल किता 18 कुल रकबा 5.54 है.** में हिस्सा 1/2 की खातेदारी **स्व. छीतर पुत्र श्री पांचू जाति कुम्हार निवासी ग्राम ग्वार ब्राहमणान** के नाम दर्ज रिकार्ड है। उक्त खसरा नंबरान के संबंध में वसीयत के आधार पर नामांतरकरण खोलने बाबत प्रार्थी **प्रभू नारायण मीणा पुत्र श्री महादेव मीणा जाति मीणा निवासी प्लाट नंबर 10, कल्याण नगर, सांगानेर** द्वारा प्रा. पत्र प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है, उक्त खसरा नंबरान तथा वसीयत के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो कार्यालय की विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि में आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर आवेदक के पक्ष में नामांतरकरण की कार्यवाही नियमानुसार कर दी जावेगी।
तहसीलदार तहसील सांगानेर

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

पुलिस उप महानिरीक्षक ने की जनसुनवाई, कानून व्यवस्था व साइबर अपराध की जानकारी दी

कोटपूतली-बहरोड पुलिस उप महानिरीक्षक सह पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार ने वृत कार्यालय विराटनगर में जनसुनवाई की।

- जनसुनवाई के दौरान कस्बा विराटनगर से बंटी चौधरी, महेंद्र सैनी एवं श्योराम गुर्जर सहित अन्य नागरिकों ने पुलिस अधीक्षक का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया
- पुलिस उप महानिरीक्षक ने कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की

पावटा। जिला कोटपूतली-बहरोड पुलिस उप महानिरीक्षक सह पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार ने सोमवार को वृत कार्यालय विराटनगर में जनसुनवाई आयोजित कर आमजन की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान क्षेत्र की कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, साइबर अपराध तथा ट्रैफिक नियमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में एसडीएम विराटनगर कपिल उपाध्याय, वृत्ताधिकारी उमेश निठारवाल, एसडीएम सह तहसीलदार लालाराम यादव तथा विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल मौजूद रहे।

जनसुनवाई के दौरान कस्बा विराटनगर से बंटी चौधरी, महेंद्र सैनी एवं श्योराम गुर्जर सहित अन्य नागरिकों ने पुलिस अधीक्षक का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में महेंद्र ठेकेदार, बंटी चौधरी, हेमराज सैनी, रामस्वरूप धाधल, श्योराम गुर्जर (कुहाड़ा), रोहिताश चौधरी (नवरंगपुरा), ख्यालीराम गुर्जर (बियावास), रूपेंद्र, श्रीकृष्ण चौधरी (कुकडेला), धर्मेंद्र सिंह शेखावत (बीलवाडी), बृजमोहन सैनी सहित करीब 50 गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। जनसुनवाई में पुलिस उप महानिरीक्षक देवेंद्र कुमार ने नागरिकों से संवाद करते हुए क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने बढ़ते साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए लोगों को सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना पुलिस को देने का आव्हान किया। साथ ही ट्रैफिक नियमों की पालना करने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में वृत्ताधिकारी उमेश निठारवाल ने सभी आगंतुकों एवं नागरिकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यकर्ता पार्टी की रीढ : प्रभातीलाल

आरएलपी पार्टी के अजमेर सह प्रभारी प्रभातीलाल जाट का कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकालकर स्वागत किया।

निवाई। आरएलपीं (राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी) के अजमेर सह प्रभारी प्रभातीलाल जाट का कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकालकर स्वागत किया। सह प्रभारी प्रभातीलाल ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ है। उन्होंने कहा कि आगामी पंचायतराज एवं नगर ईकाई के चुनाव के लिए कार्यकर्ता अभी से कमर कसें। इस दौरान आरएलपी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सह प्रभारी प्रभातीलाल का इन्दिरा कॉलोनी, झिलाय रोड एवं बाईपास सहित जगह जगह जेसीबी मशीन से पुष्प वर्षा करके एवं माला पहनाकर स्वागत किया। जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पराना, बद्री गुरुजी, शंकर नारोलिया, लोकेश, संजय बराला, हनुमान जाट, रामेश्वर चौधरी व कमल पलेई सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

विश्वेन्द्र सिंह ने बेटे संग फोटो पोस्ट की

भरतपुर (निस)। भरतपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य और पूर्व मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने करीब पांच साल बाद बेटे अनिरुद्ध सिंह के साथ सोशल मीडिया पर फोटो अपलोड किया है। कैप्शन लिखा- 'आज जवाहर रिजॉर्ट में बहुत दिनों बाद मेरे बेटे युवराज अनिरुद्ध भरतपुर से सुखद मुलाकात हुई।'वहीं अनिरुद्ध ने भी एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- 'मुझे कॉफी पीने का शौक है। पिताजी ने नई कॉफी

योग खुशहाल जीवन का आधार : डॉ. हरीश गुर्जर

कोटपूतली । कस्बे के डाबला रोड स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की तीनों ईकाईयों के सात दिवसीय विशेष शिविर के चौथे दिन मंगलवार को मुख्य अतिथि पशुपालन विभाग के सेवानिवृत्त डिप्टी डायरेक्टर डॉ. हरीश गुर्जर ने स्वयंसेविकाओं को संबोधित करते हुये कहा कि स्वाध्याय और योग खुशहाल जीवन का आधार हैं।

उन्होंने योग, स्वास्थ्य और पशुपालन से जुड़ी संक्रामक बीमारियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी तथा पशुओं से मनुष्य में फैलने वाली बीमारियों से सावधानी बरतने और आवश्यक टीकाकरण की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने रेबीज सहित विभिन्न बीमारियों के लक्षणों के बारे में विस्तार से जानकारी साझा की। साथ ही छात्राओं की काउंसलिंग करते हुए अध्ययन में एकाठाता बढ़ाने, तनाव से बचने और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के उपयोगी टिप्स दिए। उन्होंने योग को मानव चेतना और सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ते हुए इसे दैनिक जीवन में अपनाने का आ ान किया। इससे पूर्व प्रथम सत्र में स्वयंसेविकाओं ने कैंपस स्वच्छता अभियान चलाया तथा समूहों में विभिन्न खेल गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

उत्तर पश्चिम रेलवे ने टिकट चेकिंग में रचा इतिहास

- वर्ष 2025-26 में 50 दिन पहले ही पार किया अब तक का सर्वोच्च राजस्व रिकॉर्ड
- बिना टिकट यात्रा की रोकथाम के लिए विशेष एवं योजनाबद्ध टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

फुलेरा। उत्तर पश्चिम रेलवे ने टिकट चेकिंग के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक का सर्वाधिक राजस्व अर्जित किया है। रेलवे के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन ने पूर्व के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने जानकारी देते हुए बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में 9 फरवरी 2026 तक टिकट चेकिंग से 63.50 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया जा चुका है। यह राशि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 27.01 प्रतिशत अधिक है । उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि उत्तर पश्चिम रेलवे ने अपना अब तक का सर्वाधिक वार्षिक टिकट चेकिंग राजस्व 63.22 करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 2023-24) का आंकडा 50 दिन पहले ही पार कर लिया है।

उत्तर पश्चिम रेलवे की ओर से बिना टिकट यात्रा की रोकथाम के लिए विशेष एवं योजनाबद्ध टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत विभिन्न रेलखण्डों में टिकट बिक्री के आंकडों, फील्ड स्टाफ के फीडबैक तथा रेल मदद पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा कर रणनीति तैयार की जाती है। इस विशेष अभियान से न केवल रेलवे के राजस्व में वृद्धि हो रही है, बल्कि यात्रियों की शिकायतों में भी कमी आई है और उनकी संतुष्टि का स्तर बढ़ा है। रेलवे की ओर से टिकट चेकिंग को केवल दंडात्मक कार्रवाई न मानकर जागरूकता अभियान के रूप में लिया जा रहा है।

यात्रियों को रेल वन एप सहित अन्य डिजिटल माध्यमों से आसानी से टिकट लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिससे ऑनलाइन टिकट बुकिंग में भी लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। उत्तर पश्चिम रेलवे यात्रियों से अपील करता है कि वे निर्धारित स्थान पर बैठकर, उचित एवं वैध टिकट के साथ अपनी रेल यात्रा का आनंद लें।

भरतपुर में वैन-ड्राइवर ने 6 साल के बच्चे को कुचला, मौत

- 4 दिन पहले धीरे चलाने के लिए ताऊ ने टोका तो धमकाया था-सामने आया तो उड़ा दूंगा

भरतपुर (निस)। भरतपुर में एक वैन ड्राइवर ने 6 साल के मासूम को कुचल दिया। हादसे में मासूम हर्ष की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वैन ड्राइवर मानवेंद्र सिंह काफी स्पीड में था। 4 दिन पहले भी उसे कम स्पीड में गाडी चलाने के लिए कहा था। मामला जिले के चिकसाना थाना चारलीगांज में सोमवा शाम 5 बजे का है। परिजनों की ओर से मंगलवार को ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया है। हर्ष के ताऊ मेघसिंह ने बताया कि चार दिन पहले भी ड्राइवर को कम स्पीड में गाडी चलाने के लिए टोका था। इस पर ड्राइवर ने धमकाया भी था कि सामने आया तो उडा दूंगा। हर्ष के ताऊ मानवेंद्र सिंह ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बातया कि- सोमवार को हर्ष दुकान से सामान लेकर लौट रहा था। इस दौरान वह सड़क किनारे खड़ा हो गया। इसी दौरान वैन ड्राइवर मानवेंद्र सिंह स्पीड में रेलवे पुलिया की तरफ से आ रहा था। जहां उसने सड़क किनारे खड़े हर्ष पर वैन चढ़ा दी। इधर, जैसे ही ये हादसा हुआ मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोग चिल्लाने लगे। परिजन मौके पर पहुंचे तब तक ड्राइवर वहां से फरार हो गया। उसे चिकसाना के सरकारी हॉस्पिटल लाया गया। वहां से शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भरतपुर के आरबीएम हॉस्पिटल में शिफ्ट किया गया। हर्ष के ताऊ ने बताया कि हर्ष सेकंड क्लास में पढ़ता था।

हर्ष का एक 4 का बड़ा भाई रुद्रप्रताप है। हर्ष के पिता चंद्रकांत अपना घर आश्रम में काम करता है। वैन के दोनों पहिए हर्ष की छाती से निकल गए थे इसलिए हर्ष की मौके पर ही मौत हो गई। ताऊ ने बताया कि चार दिन पहले भी वह जब गांव में वैन लेकर आया तब शराब पिये हुए था। सोमवार को भी वह शराब पीकर स्पीड में वैन चला रहा था। मेघसिंह ने रिपोर्ट में बताया कि चार दिन पहले शुक्रवार को वह घर के सामने खडा हुआ था।

उस दिन भी वह रेलवे पुलिया की तरफ से स्पीड में आ रहा था। इस पर मैंने उसे हाथ के इशारे से रोका और टोकते हुए कहा- भाई गांव के रास्तों पर छोटे बच्चों और ठामीण भी चलते है। गाडी को इतनी स्पीड में मत चलाया करो।

फेयरवेल पार्टी की वाहन रैली के वायरल वीडियो पर कार्यवाही

टोंक। फेयरवेल पार्टी में आयोजित वाहन रैली के वायरल विडियो पर संज्ञान लेते हुए यातायात पुलिस द्वारा शीध्र कार्यवाही करते हुए गत 31 जनवरी को एक निजी विद्यालय द्वारा फेयरवेल पार्टी का आयोजन के पश्चात छात्र- छात्राओ द्वारा बिना पुलिस प्रशासन की अनुमति के वाहन रैली निकाली गई, जिसमे कुछ वाहन चालको द्वारा एमवी एक्ट के नियमो का उल्लंघन किया गया। उक्त विडियो से शहर की कानून एवं शान्ति व्यवस्था प्रभावित होने के बाद विडियो मे छात्र-छात्राओ ने कारो से बाहर लटक कर ना केवल स्वयं के जीवन को खतरे मे डाला बल्कि यातायात नियमो का माखौल उडाया गया।

नादौती में राजेश पायलट की जयंती मनाई

नादौती, (निसं)। देश के जाने-माने किसान नेता, पूर्व केन्द्रीय मंत्री किसान नेता स्वर्गीय राजेश पायलट की जयंती मंगलवार को आस्थाधाम जगदीश धाम कैमरी के पायलट उद्यान में पूरे सम्मान, श्रद्धा और जनभागीदारी के साथ मनाई गई। जयंती कार्यक्रम में जगदीश मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों, सदस्यों, किसान प्रतिनिधियों, महिलाओं की बड़ी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत स्व. राजेश पायलट की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंदिर कमेटी के अध्यक्ष घनश्याम खटाना खेड़ला ने की ।

इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने स्व. राजेश पायलट के संघर्षपूर्ण जीवन, किसान आंदोलन में उनकी भूमिका तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी अटूट निष्ठा पर विस्तार से प्रकाश डाला। मंदिर ट्रस्ट और पीसीसी सदस्य शीशराम खटाना ने कहा कि स्व. राजेश पायलट ने हमेशा किसानों, मजदूरों और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

उन्होंने सत्ता में रहते हुए भी आमजन से सीधा संवाद बनाए रखा और खेत-खलिहान से जुड़े मुद्दों को संसद के पटल तक मजबूती से पहुंचाया। मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष थानेदार घनश्याम खटाना ने कहा कि स्व. पायलट का पूरा राजनीतिक जीवन सादगी, ईमानदारी और निडरता का उदाहरण रहा। वे ऐसे जननेता थे जो बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग की आवाज बनकर उभरे।

किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य, सिंचाई, बिजली, बीज और खाद जैसे मूलभूत मुद्दों पर उन्होंने सदैव संघर्ष किया। आज जब किसान महंगाई, कर्ज और प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहा है, तब राजेश पायलट के विचार और संघर्ष और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं।

बजट को लेकर भाजपा महिला मोर्चा का सम्मेलन, महिला सशक्तिकरण को समर्पित बताया

- सम्मेलन की मुख्य वक्ता शिवानी दायमा रही

भरतपुर (निस)। भारतीय जनता पार्टी जिला महिला मोर्चा ने बजट को लेकर भरतपुर विधानसभा के ग्राम मलाह में एक महिला सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन की मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता भाजपा जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला मोर्चा जिला संयोजक कविता गोयल ने की। सम्मेलन में मुख्य अतिथि शिवानी दायमा ने बजट के प्रावधानों पर चर्चा करते हुए कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के लिए बजट में अनेक योजनाओं को शामिल किया गया है। मुख्य वक्ता ने कहा कि आज का बजट महिला शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार और सुरक्षा को प्राथमिकता देता है। केन्द्रीय बजट एवं आगामी राज्य बजट के प्रावधानों के माध्यम से महिला सशक्त और आत्मनिर्भर बन सकेगी। सम्मेलन में उपस्थित महिला कार्यकर्ताओं को धन्यवाद प्रेषित करते हुए जिला संयोजक कविता गोयल ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की एक मजबूत नींव है। उन्होंने महिलाओं से केन्द्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने का आ ान किया। इस अवसर पर अनेक महिला कार्यकर्ता उपस्थित रही जिनमें विभा गर्ग, शहर मंडल अध्यक्ष अनामिका चौधरी, उच्चौन की मंडल अध्यक्ष रजनी जाटव, महामंत्री चिरौंजा, सुमन, सपना, गुड्डी, गुड्डन, रेशमा आदि उपस्थित रहीं।

भाजपा जिला महिला मोर्चा ने बजट को लेकर भरतपुर विधानसभा के ग्राम मलाह में महिला सम्मेलन का आयोजन किया।

कार्यालय उपायुक्त मालवीय नगर जोन, नगर निगम जयपुर
(नई विधानसभा के पास, लालकोठी, जयपुर)
क्रमांक : [illegible] दिनांक : 09.02.2026
[illegible]
सहायक नगर नियोजक, मालवीय नगर जोन, नगर निगम जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
आम सूचना [illegible] क्रमांक 275588 [illegible] Sub Division and Reconstitution [illegible]
[illegible]
उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Sub Division and Reconstitution जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
आम सूचना [illegible] क्रमांक 275588 [illegible] Sub Division and Reconstitution [illegible]
[illegible] ... भूखण्ड का बेचान जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 26.02.2021 को श्री अशोक कुमार उप्पल पुत्र श्री जनकराज उप्पल के द्वारा श्री राजेश कुमार शर्मा पुत्र श्री रामराय शर्मा के पक्ष में कर दिया गया। तत्पश्चात उक्त भूखण्ड का बेचान जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 12.04.2024 को श्री राजेश कुमार शर्मा पुत्र श्री रामराय शर्मा के द्वारा श्री धनंजय त्यागी पुत्र श्री अजमेर सिंह त्यागी के पक्ष में कर दिया गया। उक्त भूखण्ड में एक से अधिक बेचान होने के कारण सार्वजनिक विज्ञप्ति करवाया जाना प्रस्तावित है। आवेदक द्वारा उपविभाजन / पुर्नगठ न हेतु आवेदन किया गया है।
उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Sub Division and Reconstitution जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-10203 दिनांक - 06/02/26
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास/फ्लैट संख्या 29/D-71 (EWS), (एरिया 30.92 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्रीमती लाजवन्ती पुत्री श्री डब्लू.एल. वासवानी को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 10982 दिनांक 03.03.2006 को जारी किया गया। श्रीमती लाजवन्ती की मृत्यु दिनांक 11.10.2008 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री भरत कुमार पुत्र स्व. श्रीमती लाजवन्ती एवं श्री सुरेश कुमार द्वारा उक्त आवास/फ्लैट स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। श्री भरत कुमार के आवेदन पर कार्यालय आदेश क्रमांक 913 दिनांक 25.03.2010 द्वारा नाम दर्ज किया गया। श्री भरत कुमार पुत्र स्व. श्रीमती लाजवन्ती एवं श्री सुरेश कुमार के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 06.08.2010 को उप पंजीयक जयपुर-प्रथम को यहा पंजीकृत करवाये गये। श्री भरत कुमार द्वारा उक्त आवास/फ्लैट को दिनांक 16.09.2015 के द्वारा श्री विष्णु कुमार गुप्ता पुत्र श्री दीनदयाल गुप्ता को विक्रय कर उप पंजीयक अष्टम, मानसरोवर, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्री विष्णु कुमार गुप्ता द्वारा उक्त आवास/फ्लैट को दिनांक 21.01.2026 के द्वारा श्रीमती मालती देवी वर्मा पत्नी श्री जगन्नाथ को विक्रय कर उप पंजीयक चतुर्थ, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती मालती देवी वर्मा द्वारा उक्त आवास/फ्लैट को दिनांक 10.07.2024 के द्वारा श्रीमती लक्ष्मी अग्रवाल पत्नी श्री विष्णु कुमार अग्रवाल को विक्रय कर उप पंजीयक-सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/क्रेती श्रीमती लक्ष्मी अग्रवाल पत्नी श्री विष्णु कुमार अग्रवाल द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास/फ्लैट में अपना नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त आवास/फ्लैट के हस्तान्तरण बावत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने मे किसी को कोई आपत्ति नही है श्रीमती लक्ष्मी अग्रवाल पत्नी श्री विष्णु कुमार अग्रवाल का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
मुकदमा नम्बर 09 / 2026
चूंकि श्रीमती पार्वती मील पुत्री श्री रुघाराम मील निवासी रेलवे लाईन के नजदीक, नवलगढ रोड, रामनगर, सीकर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत रुघाराम नारायणी देवी मील चेरिटेबल ट्रस्ट सीकर वार्ड नं. 57, रेलवे लाईन के नजदीक, नवलगढ रोड, रामनगर, सीकर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 01.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइदा तारिख पेशी 16.03.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय), देवस्थान विभाग, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 55/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री सुभाष सिंह पुत्र मोहर सिंह निवासी वार्ड 12 पचेरी कलां, पचेरी कला, पचेरी बडी तह. बुहाना झुंझुनूं ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत सत्यम शिवम शिक्षा समिति जखराना तह. बहरोड जिला कोटपूतली बहरोड के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 6.2.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 15.4.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग जयपुर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4)
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी स्थान सांभरलेक
दानाराम वगैरह विरूद्ध तहसीलदार वगै.
वाद/प्रार्थना पत्र धारा 131/136 L.R.Act.
प्रार्थना-पत्र संख्या 21 सन् 2024
नाम लक्ष्मण उम्र 50 वर्ष पुत्र श्री अर्जुन जाति बलाई पता बलाईयों का मौहल्ला निमली तहसील दूदू जिला जयपुर राज.
उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है-
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि.24 माह 02 सन् 2026 को 10.00 ए.एम. पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश को सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज ता. 09 माह 02 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर अदालत
आज्ञा से-रीडर
उपखण्ड अधिकारी सांभरलेक

कार्यालय ग्राम पंचायत चकेरी, पंचायत समिति- सवाई माधोपुर जिला- सवाई माधोपुर
क्रमांक:-38 दिनांक 06/02/2026
ई-निविदा सूचना संख्या -05/2024-25
पंचायत समिति, सवाई माधोपुर के अधीन ग्राम पंचायत चकेरी में विभिन्न योजना में स्वीकृत कार्यों हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेंट प्रक्रिया से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से ऑनलाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्तें व सम्बन्धी दस्तावेज लोक उपापन की वेबसाइट www.sppp. rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan. gov. in पर देखें एवं डाउनलोड किये जा सकते है।
NIB No.ZSM2526A0813
UBN No. ZSM2526WSRC00934
प्रशासक ग्राम पंचायत चकेरी
ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत चकेरी

कार्यालय ग्राम पंचायत पाली पंचायत समिति खण्डार जिला सवाई माधोपुर
क्रमांक-2025-26/SPL-01 **ई-निविदा सूचना संख्या 04/2025-26** दिनांक 10.02.2026
पंचायत समिति खण्डार के अधीन ग्राम पंचायत पाली में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की विभिन्न योजनाओं में स्वीकृत निर्माण कार्य हेतु इच्छुक बोली दाताओं / फर्मो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोकूमेन्ट प्रक्रिया द्वारा दिनांक 19.02.2026 तक सांय 06.00 बजे ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।
उक्त निविदा से सम्बन्धित अन्य विवरण एवं दस्तावेज राजस्थान के लोक उपापन पोर्टल https://eproc.rajasthan.gov.in एवं एसपीपीपी पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in/ पर देखी जा सकती है।
EPROC TENDER ID 2026_PRD_537209_1
NIB No. - ZSM2526A0829 UBN No.- ZSM2526WSOB00949
ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत पाली
प्रशासक ग्राम पंचायत पाली

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक:F-JDA/Zone 22/2026/D-199
आम सूचना
आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 277613 दिनांक 14.01.2026 को निम्नांकित भूखण्ड का Name Transfer जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./निजी खातेदारी/जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Surya kant Pandey S/o Om Prakash Pandey	श्रीमती विजय लक्ष्मी महेन्द्रा पत्नी श्री ओ.पी. महेन्द्रा	41	166.67 SQ. METER	Private	Rajdhani Metro-polis Sector/ Block-H	Name Transfer	पंजीकृत विक्रय पत्र

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष मे Name Transer जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नही करने की दशा मे उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।
उपायुक्त जविप्रा जोन-22, जयपुर

कार्यालय नगरपालिका गोविन्दगढ (अलवर) राज0
क्रमांक - 294 दिनांक- 05/02/2026
निविदा सूचना
नगर पालिका गोविन्दगढ़ की ओर से निम्नलिखित निर्माण/लाईट कार्यो के लिए नियमों के अन्तर्गत नगर पालिका में पंजीकृत व अन्य विभागों में पंजीकृत संवेदकों से सीलबन्द लिफाफे में निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदाऐं Website www.sppp.raj.nic.in, WWW.Eproc.raj.gov.in से download कर देखी की जा सकती है अथवा निर्धारित शुल्क जमा कराकर नगर पालिका से प्राप्त की जा सकती है। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगर पालिका / नगर परिषद /नगर निगम में पंजीबद्वसक्षम संवेदक द्वारा 2 प्रतिशत राशि एवं अन्य विभागों में पंजीबद्वसक्षम संवेदक द्वारा 2 प्रतिशत राशि पृथक पृथक रूप से डिमाण्ड ड्राफ्ट अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका गोविन्दगढ के नाम से पालिका कोष में जमा करानी होगी। आर.टी.पी.पी. एक्ट की शर्ते मान्य होगी एवं अन्य शर्ते कार्यालय समय में देखी जा सकती है।

निविदा की क्रम संख्या	ऑनलाईन निविदा विकय/ डाउनलोड/अपलोड करने की अंतिम दिनांक व समय	भौतिक रूप से निविदा शुल्क/ प्रतिभूति राशि एवं प्रोसेसिंग फीस की डी.डी. जमा कराने की अंतिम दिनांक व समय	ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि
1	निविदा प्रकाशन से दिनांक 16.02.2026 को सायं 6.00 बजे तक	दिनांक 16.02.2026 को सायं 6.00 बजे तक	17.02.2026 को प्रातः 11:00 बजे

उक्त निविदाओं की कार्यवार अमानत राशि, कार्य अवधि, अनुमानित लागत, निविदा षुल्क का पूर्ण विवरण, शर्ते, शरायतें www.sppp.raj.nic.in पर देखी एवं download कर देखी जा सकती है। साथ ही कार्यालय के नोटिस बोर्ड/निर्माण/लाईट शाखा से कार्य दिवसों में देखी/प्राप्त की जा सकती है। आर.टी.पी.पी. एक्ट की शर्ते मान्य होगी एवं अन्य शर्ते कार्यालय समय में देखी जा सकती है।
NIB CODE- DLB2526B1278
UBN CODE-DLB2526WSOB33292
राज.संवाद/सी/25/19532
अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका गोविन्दगढ

संक्षिप्त

बीमा कम्पनी को 50 हजार रुपये देने के आदेश

दौसा। स्थाई लोक अदालत दौसा के अध्यक्ष राजेश चंद्र गुप्ता एवं सदस्य अशोक कुमार शर्मा व सुरेश कुमार गोयल ने बीमा कम्पनी को मृतक भैंस का बीमा मानते हुये 50 हजार रुपये की राशि अदा करने के आदेश दिये है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दौसा के सचिव संतोष अठावाल ने बताया कि प्रार्थी ने मृत भैंस की क्षितपूर्ति क्लेम राशि लेने के लिए अप्रार्थीगण बीमा कंपनी के समक्ष क्लेम दावा पेश किया किंतु अप्रार्थीगण ने क्लेम को मृत पशु के टैग से छेडछाड करना मानकर खारिज कर दिया। जिस पर न्यायालय स्थाई लोक अदालत ने सर्वेयर रिपोर्ट में ऐसा कोई कथन कि मृत भैंस के टैग के साथ छेडछाड किया गया है अथवा नहीं का अंकन नहीं होने तथा पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेज को देखते हुए मृत भैंस का बीमा मानते हुए व टैग से छेडछाड न मानते हुए प्रार्थी को उसकी बीमा राशि 50 हजार रूपये मय 6 प्रतिशत ब्याज के साथ अदा करने के आदेश दिये है।

पं.आचार्य ने प्रवचन दिए

दूदू । भागवत कथा के सुनने से मृत्यु का भय समाप्त होता है राम का चिंतन करने से प्राणी का कल्याण मार्ग खुलता है मुख्य चौराहे पर स्थित रामेश्वरम बालाजी मंदिर सभागार में आयोजित भागवत कथा के दौरान कथा वाचक पंडित हरिओम आचार्य ने प्रवचन में विचार व्यक्त किया साथ ही कहां की मनुष्य को काम का नहीं बल्कि राम का चिंतन करना चाहिए परमात्मा का स्मरण जीव के कल्याण का एकमात्र मार्ग है भागवत कथा स्मरण से मोक्ष की प्राप्ति होती है कथा के दौरान सुखदेव जन्म की कथा का विस्तार से वर्णन किया गया कथा के दौरान संगीत में प्रवचनों के सात भजनों को सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर होकर झूम उठे फोटो प्रवचन करतेहुए

नशा मुक्ति किट प्रदान

दूदू । दूदू राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तहत आयोजित सात दिवसीय शिविर में राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी एवं नई किरण नशा मुक्ति केंद्र नोडल अधिकारी डॉक्टर सत्य मुदिता स्नेही ने प्रथम सत्र में पांच सखा एवं पांच सखियों को नशा मुक्ति किट प्रदान किया तथा नक्शा मुक्ति सर्व प्रश्नावली तैयार कराई गई द्वितीय सत्र में स्वयंसेवकों ने नशा मुक्त भारत खुशहाल भारत के संदेश को लेकर रैली निकाली गई लोहार बस्ती एवं महावीर नगर में पहुंचकर आम जन को जागरूक किया

भजन संध्या आज

सिरस । गांव कारोला में चतरनाथ सेवा समिति के तत्वावधान में श्री चतरनाथ बाबा धाम पर गुरूवार को वार्षिक मेले का आयोजन होगा। जिसकी तैयारियों जोर-शोर पर की जा रही है। चतरनाथ सेवा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि मेल को लेकर बुधवार को विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा। जिसमें गायक कलाकार भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। इस दौरान भंडारे का भी आयोजन होगा। ने बताया कि विक्रम संवत 2014 से यहा अखंड ज्योति व धुणी जलती आ रही है। वार्षिक मेले को लेकर चतरनाथ सेवा समिति ने तैयारियां शुरू कर दी है।

धरना प्रदर्शन आज

निवाई। विमुक्त घुमंतू व अर्ध घुमंतु जनजाति संघ के तत्वावधान में मांगों को लेकर बुधवार को संगठन के प्रदेश सचिव मुकेश ललवाड़ी के सानिध्य में सैकड़ों कार्यकर्ता जयपुर में विधानसभा का घेराव करेंगे। संघ के प्रदेश सचिव मुकेश ललवाड़ी ने बताया कि रेनके एवं ईदाते आयोग के अनुसार डीएटी जनजातियों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिलवाने सहित 21 सूत्री मांगों को लागू करवाने की मांग को लेकर बुधवार को सैकड़ों कार्यकर्ता जयपुर में विधानसभा के बाहर धरना प्रदर्शन करेंगे।

शपथ ग्रहण समारोह 13 को

निवाई। बार एसोसिएशन के तत्वावधान में कटारा पैराडाइज में 13 फरवरी को बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ठाहण समारोह का आयोजन किया जाएगा। एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट कन्हैयालाल मीणा व सचिव रामजीलाल जाट ने बताया कि शपथ ठाहण समारोह में मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति गणेशाराम मीणा होंगे।

पायलट की जयंती पर रक्तदान शिविर में 47 यूनिट रक्त एकत्रित

दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा की मौजूदगी में गरीब मजदूरों को कम्बल एवं फल वितरित किये।

- राजेश पायलट की जयंती पर दौसा में उमड़े कार्यकर्ता

दौसा । किसान नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री राजेश पायलट की 81 वीं जयंती पर मंगलवार को राजेश पायलट स्मारक जीरोता पर श्रृद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा सहित सैकडों कांग्रेसियों ने राजेश पायलट की प्रतिमा पर पुष्प भेंट कर श्रृद्धांजलि अर्पित की। इधर दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा ने गरीब मजदूरों को कम्बल एवं फल वितरित किये। उधर भगवान श्री देवनारायण मंदिर एवं छात्रावास परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 4 दर्जन से अधिक युवाओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। उल्लेखनीय है कि किसान नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. राजेश पायलट की 81 वीं जयंती पर मंगलवार को श्री राजेश पायलट स्मारक जीरोता पर श्रृद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा सहित जिले भर के सैकडो कांग्रेसियों ने श्रृद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा ने कहा कि स्व. राजेश पायलट गरीब, मजदूर, किसानों के मसीहा थे। उन्होने अपने पूरे जीवनकाल में किसानों की मांग हमेशा पूरी ताकत के साथ उठाई तथा उन्हे उनका अधिकार दिलाया। उन्होने कहा कि स्व. राजेश पायलट बिना राजनैतिक भेदभाव के विकास के कार्य कराते थे, वे संचार क्रांति के जनक भी रहे है, उनके कार्यकाल में संचार के क्षेत्र में जमकर कार्य हुये। वक्ताओं ने उनके जनसेवा, किसान एवं मजदूर हितों के लिए किए गए संघर्ष तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति योगदान को स्मरण किया। इस दौरान दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा की मौजूदगी में गरीब एवं जरूरतमंद मजदूरों को फल एवं कंबल वितरित किए गए। विधायक बैरवा ने कहा कि राजेश पायलट जी का संपूर्ण जीवन गरीब, किसान और मजदूर वर्ग के अधिकारों के लिए समर्पित रहा, और उनके आदर्शों पर चलते हुए समाज सेवा ही सच्ची श्रद्धांजलि है। इस दौरान प्रधान बीना बैरवा, प्रधान सिकंदरा सुल्तान बैरवा, प्रदेश अध्यक्ष संगठन चौधरी रामकेश दिवाकर, उपाध्यक्ष वेद राजवीर कसाना, जिला अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह, कैलाश गोठवाल, कप्तान डोई, रामजीलाल गुर्जर, जिला प्रवक्ता मुकेश राणा सहित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। राजेश पायलट की जयंती के उपलक्ष्य में भगवान श्री देवनारायण मंदिर और गुर्जर छात्रावास परिसर में एक भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

गुर्जर की पदोन्नित पर ग्रामीण खुश

शाहपुरा । जुगराजपुरा निवासी प्रशासनिक अधिकारी मदन लाल गुर्जर की राजस्थान सहकारी सेवा में संयुक्त रजिस्ट्रार से अतिरिक्त रजिस्ट्रार पद पर पदोन्नित होने ठाामीणों, विभिन्न संगठनों ने खुशी जताई। जानकारी मुताबिक आरएएस अधिकारी मदन लाल गुर्जर ने विभिन्न पदों पर रहते हुए आमजन के लिए सरकारी योजनाओं को सुगमता से पहुंचाने के कार्य किए है।

विगत दिनों से राजस्थान सहकारी विभाग में संयुक्त रजिस्ट्रार रहते हुए ठाामीण अंचल में ठााम सेवा सहकारी समितियों के लिए अनेक उल्लखेनीय कार्य करके ग्रामीण किसानों को लाभान्वित करने, सहकारी समितियों में विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए कार्य किए। इस दौरान कैलाश गुर्जर जुगराजपुरा, ओमप्रकाश धाभाई, धर्मेन्द्र धाभाई, बाबुलाल कुलदीप, रमेश यादव, रजनीश यादव, बंटी रावत, कृष्ण कसाणा समेत अनेक लोगों ने खुशी व्यक्त की।

‘शहीदों के बलिदान के लिए प्रत्येक भारतवासी सदैव उनका ऋणी रहेगा’

पावटा में शहीद बंशीधर यादव की 28 वीं पुण्यतिथि तहसीलदार लोकेंद्र मीणा, यादव महासभा पावटा अध्यक्ष भैरूलाल हुल्डा की मौजूदगी में मनाई ।

पावटा । 28 साल पहले 10 फरवरी 1996 में श्री नगर ऑपरेशन मे आतंकवादियों के हमले में शहीद हुए क्षेत्र के पाथरेडी गांव निवासी जवान बंशीधर यादव की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि के तहत श्रद्धा सुमन अर्पित करने हजारों लोग एकत्रित हुए। पावटा तहसीलदार लोकेंद्र मीणा, यादव महासभा पावटा अध्यक्ष भैरूलाल हुल्डा सहित जनप्रतिनिधियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों, ठाामीणों ने उनके आदमकद प्रतिमा पर फूल-माला चढ़ाकर व पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान भारत माता की जय, वंदेमातरम, शहीद बंशीधर यादव अमर रहे आदि गगन भेदी नारे लगाए गए। इस मौके पर गिरिराज यादव व गिरदावर शशिधर यादव, रामस्वरूप यादव, सूरजभान यादव, रामनिवास यादव, पप्पूलाल यादव, मोहन लाल यादव, पिंकेश, मोहनलाल, वेद प्रकाश सहित पूरा परिवार भावुक नजर आया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं ठाामीणों ने वीरांगना कृष्णा देवी को शॉल उढाकर सम्मानित करते हुए शहीद परिवार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस दौरान पावटा तहसीलदार लोकेंद्र मीणा ने कहाँ कि शहीदों के बलिदान के लिए प्रत्येक भारतवासी सदैव उनका ऋणी रहेगा। मातृ भूमि की रक्षा के लिए समर्पित उनका बलिदान जीवन भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। जिस देश के सम्मान के लिए युवा अपने प्राणों की आहुति दें, उस देश को दुश्मन कभी पराजित नहीं कर सकता। धन्य है ऐसी माताएं, जिन्होंने ऐसे वीर सपूतों जन्म दिया।

आचार्य प्रसन्न सागर का निवाई में मंगल प्रवेश कल

- अन्तर्रमना म्युजिकल ठाुप संगीत के साथ करेंगे अगुवान
- आचार्य प्रसन्न सागर महाराज 11 फरवरी को विज्ञा तीर्थ आयेंगे और 12 फरवरी को विज्ञा तीर्थ से सुबह पहुंचेंगे।

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य प्रसन्न सागर महाराज का 16 पिच्छिका के साथ 12 फरवरी को निवाई में भव्य मंगल प्रवेश होगा। मंगल प्रवेश की तैयारियां जोर शोर से चल रही है।

जैन समाज के मीडिया प्रभारी सुनील भाणजा व विमल जौंला ने बताया कि आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ससंघ सहित दिल्ली से जयपुर, पदमपुरा, चाकसू व विज्ञा तीर्थ होते हुए 12 फरवरी को शाही ठाठ बाठ के साथ मंगल प्रवेश करेंगे।

राकेश संघी ने बताया कि आचार्य प्रसन्न सागर महाराज 11 फरवरी को विज्ञा तीर्थ आयेंगे और 12 फरवरी को विज्ञा तीर्थ से सुबह पहुंचेंगे। हितेश छाबड़ा ने बताया कि आचार्य प्रसन्न सागर महाराज के दिव्य चरणों से प्रथम बार धन्य हो रही है निवाई नगरी।

इस दौरान सन्त निवास नसियां जैन मंदिर में आचार्य प्रवचन सभा में अपनी दिव्य देशना प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि आचार्य संघ का मंगल जुलुस जमात स्थित वर्धमान सर्विस सेंटर से गाजे बाजे के साथ रवाना होकर जमात, राधा दामोदर सर्किल के पास पाद् प्रक्षालन एवं पुष्प वर्षा से स्वागत कर अगुवानी की जाएगी। आचार्य के स्वागत सत्कार में जगह जगह स्वागत तोरण द्वार लगाएं जाएंगे। जगह-जगह चरण प्रक्षालन एवं आरती कर स्वागत किया जाएगा।

जिसमें श्रद्धालुओं ने स्वागत की हे ऐतिहासिक तैयारी आ रहे है।

पुष्पदंत धारी जैसे कई श्लोगनो से जयधोष किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मंगल प्रवेश को लेकर भक्तजनो में भारी उत्साह है। मंगल प्रवेश जुलुस कुण्डों से रवाना होकर पुलिस थाना होते हुए पारसनाथ उद्यान नसिंया जैन मंदिर पंहुचेगा। जहाँ आचार्य भगवन धर्म सभा को सम्बोधित करेंगे।

ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

पावटा। अनीमिया मुक्त राजस्थान अभियान को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को पंचायत समिति सभागार में ब्लॉक स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी पावटा डॉ. कृष्ण सिंह शेखावत की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यशाला में अनीमिया मुक्त राजस्थान के जयपुर कॉर्डिनेटर पंकज जंगम ने अभियान की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अनीमिया मुक्त राजस्थान/भारत अभियान के तहत छह लक्षित वर्ग, छह प्रमुख हस्तक्षेप और छह क्रियान्वयन तंत्रों के माध्यम से अनीमिया की पहचान, रोकथाम और उपचार को प्रभावी बनाया जा रहा है। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान अनीमिया के कारण, लक्षण, बचाव और उपचार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की। खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कृष्ण सिंह शेखावत ने कहा कि जनभागीदारी से ही अनीमिया मुक्त समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने शिक्षकों और संबंधित कार्मिकों से अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और बच्चों व किशोरियों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का आ ान किया। प्रशिक्षण में ब्लॉक के अधीन विद्यालयों के पीईओ एवं अध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया।

तहसील कार्यालय अव्यस्थाएं, सम्बंधित को फटकार

- धूम्रपान करते पाए गए कार्मिक पर कोटपा के तहत की कार्यवाही

कोटपुतली। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण ने मंगलवार को तहसील कार्यालय बहरोड़ का औचक निरीक्षण कर कार्यालय व्यवस्थाओं एवं कार्यप्रणाली की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तहसीलदार एवं संबंधित अधिकारियों से विभिन्न अनुभागों में संचालित कार्यों की जानकारी लेते हुए अभिलेखों एवं रजिस्टरों का अवलोकन किया। एडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र व्यक्तियों को समय पर योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाए तथा आवश्यक प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से पोर्टल पर अपडेट की जाए। उन्होंने कहा कि आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किए जाएं। निरीक्षण के दौरान एडीएम ने लंबित राजस्व प्रकरणों,न्यायालयीन मामलों,भूमि कन्वर्जन,आवंटन,वसीयत से संबंधित प्रकरणों एवं अन्य विभागीय कार्यों का समय पर निस्तारण कर पोर्टल पर प्रविष्टि करने के निर्देश दिए। उन्होंने संपर्क पोर्टल एवं जनसुनवाई में प्राप्त परिवेदनाओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। एडीएम ने कार्यालय में धूम्रपान करने पर कार्मिक विजय सिंह यादव के विरुद्ध कोटपा अधिनियम के तहत चालान की कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि कार्यालय परिसर में अनुशासन एवं नियमों का कडाई से पालन कराया जाए। कार्यालय में विशेष सुधार की आवश्यकता पर जोर देते हुए व्यवस्थाओं पर असंतोष जाहिर किया व संबंधितों को फटकार लगाई। उन्होंने रास्ता प्रकरण, रिकॉर्ड शुद्धि, कुरेजत एवं इजरा से संबंधित मामलों के लिए अलग-अलग रजिस्टर संधारित कर नियमित कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। साथ ही सभी कार्यालयीय पत्राचार को पूर्णत: ई-फाइलिंग के माध्यम से करने एवं आगंतुकों व आमजन के साथ संवेदनशील व्यवहार रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही विरासत/वसीयत के10साल से लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण कर रिपोर्ट करने को कहा। एडीएम ने कहा कि दूर-दराज क्षेत्रों से आने वाले लोगों को अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़े। इस दौरान उपखंड अधिकारी राम किशोर मीणा, तहसीलदार राजेंद्र मोहन सहित संबंधित अधिकारी व कार्मिक भी मौजूद रहे।

राजेश पायलट ने कृषकों समेत वंचित वर्गों को मुख्य धारा में लाने का कार्य किया : गुर्जर

पूर्व मंत्री राजेश पायलट की जयंती पर कस्बे के राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय स्थित उनकी प्रतिमा के समक्ष पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सांवत गुर्जर की मौजूदगी में मनाई।

- पूर्व केन्द्रिय मंत्री व लोकप्रिय किसान नेता स्व. राजेश पायलट की 80 वीं जयंती
- राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय स्थित स्व. पायलट की मूर्ति पर पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन

कोटपूतली । देश की राजनीति में कृषकों के लोकप्रिय नेता रहे पूर्व केन्द्रिय मंत्री स्व. राजेश पायलट की 80 वीं जयंती पर कस्बे के राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय स्थित उनकी आदमकद प्रतिमा पर मंगलवार को पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष व कांठोस नेता सांवत गुर्जर की अगुवाई में पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में कांठोस नेताओं व कार्यकर्ताओं समेत आमजन व महाविद्यालय स्टॉफ सदस्यों एवं विधार्थियों ने स्व. पायलट की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुये अपनी श्रद्धांजलि दी। कांठोस नेता सांवत गुर्जर ने कहा कि स्व. पायलट ने कृषकों समेत वंचित वर्गो को राजनैतिक व सामाजिक रूप से मुख्य धारा में लाने का कार्य किया। उनके शब्द हमेशा छात्र व युवा पीढ़ी को प्रेरणा देते हैं। इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आर के सिंह, पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना, पूर्व विधायक रामचन्द्र रावत, पीसीसी महासचिव देव कसाना, ब्लॉक कांठोस अध्यक्ष प्रकाश चंद सैनी व सतीश निमोरिया, जगदीश मीणा, रमेश गुप्ता, चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव डॉ. अभिलाष मीणा, युवा कांठोस के पूर्व प्रदेश सचिव प्रदीप कसाना, हनुमान सैनी, रमेश जिंदल, मालीराम कम्पाउंडर, के एम बंसल, रामसिंह सिनेटर, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष मुनानुद्दीन कुरैशी, पूर्व सरपंच गोकुल चंद आर्य, बाबूलाल कसाना, इन्द्राज कसाना, सांवत सरपंच, तारा सरपंच, सत्यनारायण सरपंच, मुकेश जांगल, मुकेश मीणा, राजकुमार यादव, प्रो. घनश्याम कसाना, हंसराज पोषवाल, नंदलाल गुर्जर, सुन्दर कसाना, राजेन्द्र मीणा, एड. पवन सैनी, पूर्व पार्षद रामकुमार सैनी, सचिन रावत, मुकेश मुक्कड़, अभिषेक रावत, सागर दहिया, विक्की सैनी, रामप्रताप रावत, अरविन्द यादव समेत बड़ी संख्या में कांठोस कार्यकर्ता, पदाधिकारी, आमजन, महाविद्यालय स्टॉफ व विधार्थी मौजूद रहे।

सार-समाचार

त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव संपन्न

भरतपुर (निस)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, उप सेवा केंद्र ओल के तत्वावधान में जवाहर इंटर कॉलेज के प्रांगण में 90वाँ त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव श्रद्धा, उत्साह एवं आध्यात्मिक वातावरण के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्रह्माकुमारी कविता दीदी, सह-प्रभारी आगरा एवं सेवा केंद्र प्रभारी भरतपुर ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केनरा बैंक के बैंक मैनेजर भ्राता देवेंद्र प्रताप, उनके सहयोगी अधिकारी भ्राता योगेश, जवाहर इंटर कॉलेज ऑल के प्रिंसिपल भ्राता सोहन झा, रूपवास सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी बबीता दीदी डीग उप सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी प्रवीण दीदी, एवं हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी भरतपुर उप सेवा केंद्र प्रभारी पूनम बहन एवं ओल उपसेवाकेन्द्र की प्रभारी ब्र कु योगिता बहिन की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत एक विशाल प्रभात फेरी से की गई, जिसे भ्राता चंद्रवीर सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मंचीय कार्यक्रम के अंतर्गत उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा तिलक, बैज एवं फूल माला से किया गया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमार श्रीराम भाई, ब्रह्माकुमार बादाम भाई, ब्रह्माकुमारी ओमवती बहन, ब्रह्माकुमार रोहित भाई, ब्रह्माकुमार गौरव भाई, ब्रह्माकुमार जयसिंह भाई सहित सैकड़ों भाई-बहन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन डीग उप सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी प्रवीण दीदी द्वारा किया गया।

सवर्ण आयोग गठित करने की मांग आज तक क्यों नहीं उठाई

पावटा । क्षेत्र के वरिष्ठ नेता और जनसंख्या समाधान फाऊंडेशन के राष्ट्रीय सह संयोजक पवन शर्मा जवानपुरा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित 635 सामान्य वर्ग के सांसद विधायकों को चिठ्ठी भेजकर सवर्ण आयोग गठित करने की मांग दोहराई है साथ ही पवन शर्मा ने सवर्ण समाज के प्रतिनिधियों से तीन सवाल भी पूछे हैं यूजीसी एक्ट पर जब देशभर में सामान्य वर्ग के लोगों में आक्रोश था तो आपने क्या किया आज तक सामान्य वर्ग के हितों की सुरक्षा के लिए देश प्रदेश में सवर्ण आयोग गठित करने की मांग क्यों नहीं की जब सरकार सबका साथ सबका विकास की बात करती है तो सामान्य वर्ग के लोगों की उपेक्षा क्यों हो रही है। आर्थिक रूप से पिछडे सामान्य वर्ग के लोगों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए सरकारों द्वारा आज तक क्या योजनाएं लागू कि गई है। पवन शर्मा ने कहा जब सबको समानता का अधिकार है तो सामान्य वर्ग के लोगों पर किसी भी तरह का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा सरकार को कोई भी कानून बिना सोचे-समझे लागू नहीं करना चाहिए ।

इमामी बदमाश गिरफ्तार

भुसावर भरतपुर (निस)। थाना खेडली मोड पुलिस ने लूट के मामले में फरार 12 हजार रूपये के आरोपी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी राजेश कसाना ने बताया कि 9.10.2025 को लखन पुत्र भगवत जाति कोली निवासी ग्राम समौची थाना खेड़ली जिला अलवर के द्वारा लूट का मुकदमा दर्ज करवाया गया था। जिस पर प्रकरण सख्या 194 / 2025 दर्ज किया गया। थानाधिकारी कसाना ने बताया कि महानिरीक्षक पुलिस भरतपुर रेंज भरतपुर कैलाश चन्द विश्नोई आईपीएस व पुलिस अधीक्षक भरतपुर दिगंत आनंद आईपीएस के निर्देशन में ओमप्रकाश मीणा अति0 पुलिस अधीक्षक वैर तथा वीरेन्द्र शर्मा आरपीएस वृताधिकारी वृत भुसावर के सुपरवीजन में टीम का गठन किया गया। जहां उक्त मामले में फरार चल रहे 12 हजार रूपये के इनामी वाछित मुलजिम सुनील पुत्र रामकिशन जाति मीणा उम्र 23 साल नि. भैसींना थाना खेडली मोड जिला भरतपुर को गिरफ्तार किया। जिससे अनुसधान जारी है। गठित की गई टीम में उनके साथ जीतेन्द्रसिंह सउनि, शिवसिंह हेड कानि, योगेश कुमार कानि., हेमराज कानि, सत्यवीर सिंह कानि. चालक मौजूद रहे।

नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा मिलेगी

टोंक। राजस्थान सरकार के आयुष विभाग द्वारा निरोगी राजस्थान की संकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से जिले में 13 फरवरी से 16 फरवरी तक गांधी खेल मैदान टोंक में भव्य आयुष आरोग्य मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस 4 दिवसीय मेले में नि:शुल्क आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा विभिन्न रोगों का नि:शुल्क उपचार किया जाएगा। आयुष आरोग्य मेले के पोस्टर का विमोचन मंगलवार को जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने किया। इस दौरान आयुर्वेद विभाग के उप निदेशक राम सहाय बैरवा, डॉ. नरेश जोशी, डॉ.धर्मराज मीणा, डॉ. प्रमोद जोनवाल डॉ.लोकेंद्र गुप्ता, नंदलाल गुर्जर आदि उपस्थित रहे। आयुर्वेद विभाग के उप निदेशक राम सहाय बैरवा ने बताया कि आयुष मेले में अग्नि कर्म, कपिंग थेरेपी, क्षार सूत्र चिकित्सा, पंचकर्म, जलौका, विद कर्म, स्त्री रोग, नशा मुक्ति, न्यूरोपैथी जैसी विशिष्ट आयुष विधियों का प्रदर्शन और उपचार उपलब्ध होगा। साथ ही रोगियों को जांच के पश्चात विभाग की ओर से नि:शुल्क औषधियां वितरित की जाएगी। आमजन को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने के लिए प्रतिदिन योग सत्र आयोजित किए जाएंगे। साथ ही, आयुष औषधियों एवं ,स्वास्थ्य संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रदर्शनी, काढ़ा वितरण, स्वर्ण प्राशन संस्कार एवं सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया जाएगा।

सड़क निर्माण कार्य की निविदा जारी

शाहपुरा। राजस्थान राज्य सरकार द्वारा जयपुर ठाामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह की अनुशंसा पर स्वीकृत कालवाड तिराहे से वाया जोबनेर होते हुए भाटीपुरा तक 17 करोड़ की लागत राशि से सड़क निर्माण कार्य को लेकर राजस्थान राज्य सड़क विकास एवं निर्माण निगम लिमिटेड ने ऑनलाइन निविदा जारी की। भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर मीडिया प्रभारी सुभाष जोशी ने बताया कि सड़क निर्माण कार्य को लेकर निविदा जारी होने पर स्थानीय लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इससे आसपास के गांव एवं शहर की कनेक्टिविटी बेहतर होगी तथा विकास के नए आयाम स्थापित होंगे। इस दौरान उन्होंने जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह का आभार जताते हुए राव साहब जिंदाबाद, बीजेपी जिंदाबाद के नारे लगाये।

ग्यारसी लाल यादव ने बढ़ाया गांव का मान

मनोहरपूर । दिल्ली में डॉक्टरेट (मानव) उपाधि से हुए सम्मानित बिलान्दरपुर गांव के लिए गर्व का क्षण उस समय आया जब गांव के होनहार समाजसेवी ग्यारसी लाल यादव को वर्ल्ड कल्चरल एंड एजुकेशन ऑर्गेनाइजेशन द्वारा डॉक्टरेट (मानव) की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। यह भव्य सम्मान समारोह दिल्ली के मेपल गोल्डन बैंक्विट हॉल में आयोजित किया गया, जहाँ सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता गुलशन ठाोवर ने स्वयं मंच से यह सम्मान प्रदान किया। इस गरिमामय अवसर पर भारत की वर्ल्ड कल्चरल एंड एजुकेशन ऑर्गेनाइजेशन की प्रतिनिधि नेहा ठाकुर, रितु दया, जयपुर से अंशुल अठावाल तथा हैदराबाद से अजंता सरकार विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में देशभर से आए समाजसेवियों और गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी ने समारोह की शोभा बढ़ाई। इस सम्मान के उपलक्ष्य में संपत्ति विवाद सेवा केंद्र की स्थापना के माध्यम से समाज में किए गए उत्कृष्ट कार्यों को विशेष रूप से सराहा गया। समारोह को संबोधित करते हुए जीएल यादव ने कहा, कि यह सम्मान मेरे लिए केवल एक तिलक नहीं है, बल्कि समाज सेवा को और अधिक समर्पण भाव से करने की प्रेरणा है। मैं उन सभी संस्थाओं का हृदय से धन्यवाद करता हूँ जो समाजसेवियों का मनोबल बढ़ाकर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती हैं। गांव बिलान्दरपुर सहित पूरे क्षेत्र में इस उपलब्धि को लेकर खुशी और गर्व का माहौल है। ठाामीणों ने इसे समाजसेवा के क्षेत्र में नई प्रेरणा देने वाला क्षण बताया। यह जानकारी पूर्व प्रधानाध्यापक रामलाल यादव ने दी है।

14 साल की उम्र में जिस तरह वैभव बल्लेबाजी कर रहा है, वह हैरान करने वाला है। अगर वह अभी ऐसा खेल रहे हैं, तो 16, 18 या 20 साल की उम्र में कितना आगे जाएंगे, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। - जोस बटलर

इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज, वैभव की बल्लेबाजी की तारिफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

वानिंदु हसरंगा

श्रीलंका स्टार ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा आयरलैंड के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच में लगी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टी20 विश्व कप 2026 के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। एमआरआई स्कैन में उनकी बाईं हैमस्ट्रिंग में गंभीर चोट का पता चलने के बाद हसरंगा अब टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि एमआरआई रिपोर्ट को यूके के एक विशेषज्ञ ने पहले ही देख लिया था। फिलहाल, श्रीलंका टूर्नामेंट में उनकी जगह दुशान हेमंथा को शामिल कर सकता है। हसरंगा अपनी हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझते हुए भी गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए।

क्या आप जानते हैं ?... आईसीसी विश्व कप में दोनों टीमें 16 मैचों में आमने-सामने हुई हैं, जिनमें से भारत ने 15 मैच जीते हैं।

आईसीसी का बड़ा फैसला! भारत में खेलने से इंकार पर बांग्लादेश को नहीं मिलेगी कोई सजा

नई दिल्ली, 10 फरवरी। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के खिलाफ किसी भी तरह की अनुशासनात्मक कार्रवाई न करने का निर्णय लेकर क्रिकेट जगत के मौजूदा तनाव को कम कर दिया है। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में आईसीसी ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा कारणों से भारत में टी20 विश्व कप मैच खेलने से इनकार करने के बावजूद बांग्लादेश पर कोई आर्थिक या प्रशासनिक दंड नहीं लगाया जाएगा। आईसीसी ने कहा कि बीसीबी और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के प्रति एकजुटता दिखाते हुए 15 फरवरी को भारत के खिलाफ विश्व कप का मैच खेलने से इनकार किया था। आईसीसी ने एक बयान में कहा ,'' इस पर रजामंदी बनी है कि मौजूदा मसले के संदर्भ में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड पर किसी तरह का आर्थिक, खेलसंबंधी या प्रशासनिक दंड नहीं लगाया जायेगा।'' बीसीबी को विवाद निपटान समिति के पास जाने का अधिकार है। आईसीसी के मौजूदा नियमों के तहत यह अधिकार बरकरार है।'' आईसीसी ने कहा कि उसका नजरिया निष्पक्षता और समानता के सिद्धांतों पर आधारित है और यह सजा देने के बजाय मदद करने के साझा मकसद को दिखाता है। आईसीसी ने यह भी कहा कि बांग्लादेश को 2028 से 2031 के बीच में एक आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी दी जायेगी।

सुरक्षा कारणों से हटा था बांग्लादेश : गौरतलब है कि सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए बांग्लादेश ने भारत में मैच खेलने से मना कर दिया था, जिसके बाद उनकी जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल किया गया। आईसीसी के इस लचीले रुख को वैश्विक क्रिकेट कूटनीति में एक बड़े ''शांति प्रयास'' के रूप में देखा जा रहा है।

आईसीसी ने पाकिस्तान विवाद का निकाला बहुत अच्छा समाधान : राजीव शुक्ला

नई दिल्ली , 10 फरवरी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की प्रशंसा करते हुए कहा कि उसने 'बहुत अच्छा समाधान निकाला' जिसके कारण पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच का बहिष्कार वापस ले लिया।बांग्लादेश और श्रीलंका के आग्रह के बाद पाकिस्तान सरकार ने बहिष्कार की अपील वापस लेने का फैसला किया जिसका मतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होगा।

शुक्ला ने पत्रकारों से कहा, ''मैं बीसीसीआई की तरफ से आईसीसी अध्यक्ष (जय शाह) और उसके पदाधिकारियों का बहुत अच्छा समाधान निकालने के लिए आभार व्यक्त करना

चाहता हूं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के साथ चर्चा के बाद और सभी पक्षों की बात सुनने के बाद यह निर्णय लिया गया है।''

उन्होंने कहा, ''यह फैसला क्रिकेट के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। क्रिकेट जारी रहना चाहिए और अब विश्व कप को बड़ी सफलता मिलेगी। जहां तक आईसीसी का सवाल है तो यह एक बड़ी उपलब्धि है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भी आईसीसी की प्रशंसा की है। उसने सभी पक्षों की बात सुनी और सभी के हितों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया।''

शुक्ला ने आगे कहा, ''आखिर में क्रिकेट सभी के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सभी के लिए महत्वपूर्ण है।'' बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख अमीनुल इस्लाम ने ढाका में बयान जारी किया था जिसमें पाकिस्तान से बहिष्कार वापस लेने की अपील की गई थी। इसके बाद यह तय हो गया था कि पाकिस्तान बहिष्कार वापस ले लेगा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने भी फोन पर बात की, जिन्होंने उनसे टीम को मैच खेलने की अनुमति देने का आग्रह किया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने आईसीसी के साथ अपनी बातचीत के बारे में शरीफ को जानकारी दी इसके बाद पाकिस्तान की सरकार ने बयान जारी करके अपनी टीम को यह मैच खेलने की अनुमति प्रदान की थी।

आईसीसी ने इस मुद्दे पर कुछ रियायतें देते हुए बांग्लादेश पर कोई जुर्माना न लगाने का फैसला किया, जिसे सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए भारत में खेलने से इनकार करने के बाद विश्व कप से बाहर होना पड़ा था। इससे पहले पाकिस्तान ने कहा था कि वह भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेगा।

इसे बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर किए जाने से जुड़ा राजनीतिक विरोध माना जा रहा था। आईसीसी ने बांग्लादेश के सुरक्षा कारणों से अपने मैच भारत से श्रीलंका में स्थानांतरित करने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था। इसके बाद बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था और उसकी जगह स्कॉटलैंड को दे दी गई थी।

पाकिस्तान के यू-टर्न के बाद बड़ा बयान

टी20 विश्व कप में भारत से जीतना मुश्किल-सौरव गांगुली

नई दिल्ली , 10 फरवरी। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने 15 फरवरी को कोलंबो में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की और भारतीय टीम के अपने पसंदीदा खिलाड़ियों के नाम भी बताए। पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप ए के मैच पर प्रतिक्रिया देते हुए गांगुली ने कहा कि यह विश्व कप का एक बड़ा मुकाबला होगा। मैच 15 फरवरी को है, पाकिस्तान के लिए भारत को हराना आसान नहीं होगा। भारत एक बहुत अच्छी टीम है।

बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष की यह टिप्पणी पाकिस्तान सरकार द्वारा सोमवार को दिए गए निर्देश के बाद आई है, जिसमें उन्होंने अपनी राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में मौजूदा चैंपियन भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच के लिए मैदान में उतरने का निर्देश दिया था। पाकिस्तान सरकार द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को

पीसीबी, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के बीच हुई उच्च स्तरीय वार्ता के परिणामों से अवगत कराया, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया।

गौरतलब है कि पाकिस्तान ने पहले बांग्लादेश के समर्थन में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ समूह चरण के विश्व कप मैच का बहिष्कार करने का फैसला किया था। बांग्लादेश को आईसीसी द्वारा सुरक्षा चिंताओं के कारण भारत से बाहर मैच आयोजित करने के अनुरोध को अस्वीकार करने के बाद टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया था। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से भी चुनौतीपूर्ण समय में देश के समर्थन पर चर्चा की। आईसीसी और अन्य देशों के साथ चर्चा के बाद, पाकिस्तान सरकार ने अपनी क्रिकेट टीम को भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच खेलने का निर्देश दिया है।

डी कॉक ने धोनी की बराबरी की

नई दिल्ली, 10 फरवरी। टी-20 वर्ल्ड कप में सोमवार को 3 मुकाबले में खेले गए। साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक ने टूर्नामेंट इतिहास में सबसे ज्यादा डिसमिसल करने के मामले में महेंद्र सिंह धोनी की बराबरी कर ली। वहीं बल्लेबाजी में स्कॉटलैंड के जॉर्ज मुन्से अपनी टीम के लिए टॉप स्कोरर बन गए। टूर्नामेंट के पहले मैच में स्कॉटलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इटली को 73 रन से हरा दिया। दूसरे मुकाबले में जिम्बाब्वे ने ओमान पर 8 विकेट से आसान जीत दर्ज की। दिन के तीसरे मैच में साउथ अफ्रीका ने कनाडा को 57 रन से मात देकर अपने अभियान की शुरुआत की।

सूर्यकुमार की टीम की मांग खारिज, बीसीसीआई ने फैमिलि पॉलिसी पर दिखाए कड़े तेवर!

नई दिल्ली, 10 फरवरी। मौजूदा चैंपियन भारत, श्रीलंका के साथ आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 की सह-मेजबानी कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टी20 टीम ने मांग की है कि टूर्नामेंट के दौरान उनके परिवार को भी साथ यात्रा करने की अनुमति दी जाए। सूत्रों के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस मांग को अस्वीकार कर दिया है, लेकिन भारतीय बोर्ड की ओर से अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पिछले साल, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया से 1-3 की हार के बाद, बीसीसीआई ने संशोधित यात्रा नीति लागू की थी, जिसके तहत 45 दिनों से अधिक के दौरों के लिए परिवार के सदस्यों के ठहरने की अधिकतम अवधि दो सप्ताह तय की गई थी। छोटे दौरों के लिए यह अवधि सात दिनों तक सीमित थी। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी लंबे विदेशी दौरों के दौरान क्रिकेटरों के परिवारों की उपस्थिति सीमित करने के बीसीसीआई के निर्देश का समर्थन करते हुए कहा था कि खिलाड़ियों को यह समझना चाहिए कि वे छुट्टी पर नहीं बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य पर हैं।

गंभीर ने जुलाई 2025 में कहा था कि परिवारों की भूमिका महत्वपूर्ण है, लेकिन आपको एक बात समझनी होगी। आप यहां एक उद्देश्य के लिए हैं। यह छुट्टी नहीं है। आप यहां एक बहुत बड़े उद्देश्य के लिए हैं। उस ड्रेसिंग रूम में या इस दौरे पर बहुत कम लोग ऐसे हैं जिन्हें देश को गौरवान्वित करने का यह अवसर मिलता है। ग्रुप ए के अपने पहले मैच में भारतीय टीम ने अमेरिका को 29 रनों से हराया, जिसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मात्र 49 गेंदों पर नाबाद 84 रनों की मैच-विनिंग पारी खेली।

अब, भारतीय टीम 12 फरवरी को नामीबिया के खिलाफ अपने अगले मैच के लिए दिल्ली में है। इसके बाद वे 15 फरवरी को कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ बहुप्रतीक्षित विश्व कप मैच खेलने वाले हैं, और फिर 18 फरवरी को नीदरलैंड्स के खिलाफ अपने अंतिम ग्रुप-स्टेज मैच के लिए अहमदाबाद रवाना होंगे।

टी20 विश्व कप: यूएई के 173 रन भी पड़े कम, न्यूजीलैंड ने रिकॉर्ड साझेदारी से जीता मैच

नई दिल्ली , 10 फरवरी। मंगलवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के 11वें मैच में न्यूजीलैंड ने संयुक्त अरब अमीरात पर दबदबा कायम किया। मिचेल सैंटनर की अगुवाई वाली न्यूजीलैंड ने 174 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए 28 गेंद शेष रहते यूएई को 10 विकेट से हरा दिया। टिम सीफर्ट (42 गेंदों पर 89 रन नाबाद) और फिन एलन (50 गेंदों पर 84 रन नाबाद) नाबाद रहे और न्यूजीलैंड ने मात्र 15.2 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया। इस विश्व कप में न्यूजीलैंड ने दो मैचों में दो जीत के साथ अब तक अपराजित है।

लक्ष्य का पीछा करते हुए एलन ने पांच चौके और पांच छक्के लगाए, जबकि सीफर्ट ने 12 चौके और तीन छक्के जड़े। दोनों ने पहले विकेट के लिए 175 रनों की साझेदारी की, जो टी20 विश्व कप में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। 2011 से चेन्नई में किसी भी प्रारूप में अपराजित रही न्यूजीलैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी पूरी ताकत दिखाई। उन्होंने दूसरे ओवर में ही तेज गति पकड़ ली और लगभग पूरे मैच में यही लय बनाए रखी। सीफर्ट और एलन की आक्रामक गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने पहले छह ओवरों में 78 रन बनाकर 0 विकेट गंवा दिए, जिसमें छठे ओवर में 20 रन शामिल थे। यह कीवी टीम के लिए यूएई की उलटफेर की किसी भी उम्मीद को खत्म करने के लिए बिल्कुल सही शुरुआत थी।

इससे पहले, यूएई के कप्तान मोहम्मद वसीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। विश्व कप का अपना पहला मैच खेलते हुए, यूएई ने बल्ले से शानदार प्रदर्शन करते हुए 173 रन बनाकर 6 विकेट गंवा दिए। आर्यनश शर्मा के जल्दी आउट होने के बावजूद, यूएई ने पावरप्ले में 50 रन बनाकर 1 विकेट गंवा दिए, क्योंकि कप्तान वसीम और अलीशान शरफू ने कुछ बड़े छक्कों से दबाव कम किया। उन्होंने 107 रनों की साझेदारी की, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में यूएई के लिए दूसरी सबसे बड़ी विकेट साझेदारी है। केरल में जन्मे शरफू ने पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से महज 47 गेंदों में 55 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने दो त्वरित विकेट लेकर यूएई को दबाव में ला दिया। कप्तान मिशेल सैंटनर ने शराफू को आउट किया, जबकि ग्लेन फिलिप्स ने हर्षित कौशिक को 10 गेंदों और पांच रनों के भीतर पवेलियन भेजकर यूएई का स्कोर 124/3 कर दिया। इस झटके के बावजूद, वसीम ने रनों की बारिश जारी रखी। यूएई के कप्तान ने अंत तक बल्लेबाजी करते हुए 45 गेंदों में नाबाद 66 रन बनाए, जिसमें चार चौके और तीन छक्के शामिल थे। मयंक कुमार ने भी 21 रनों की छोटी लेकिन महत्वपूर्ण पारी खेली।

अंशुल गढ़वाल के ताबड़तोड़ दोहरे शतक से जयपुर डिविजन जीती

213 रन की पारी खेली 65 बॉल में

जयपुर, 10 फरवरी। जयपुर स्थानीय रेलवे ग्राउंड पर चल रहे इंटर डिविजन क्रिकेट टूर्नामेंट

के दिन के दूसरे मुकाबले में जयपुर डिवीजन ने अजमेर वर्कशॉप को 144 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जयपुर डिवीजन ने रिकॉर्ड 311 रन बनाएं। जिसमें अंशुल गढ़वाल के ताबड़तोड़ दोहरे शतक 213 रन मात्र 67 बोल 24 छक्के 12 चौके व आकाश साहू ने 46 रन बनाए। गेंदबाजी में अजय ,कार्तिक, राहुल ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में अजमेर वर्कशॉप 167 रन ही बना पाई। जिसमें तुषार ने 39 रन व कार्तिक मैक्सवेल ने 30 रन बनाए। गेंदबाजी में गौरव मीना व सीपी जाट ने 2-2 विकेट लिए। मैन ऑफ़ द मैच अंशुल गढ़वाल। सर्वाधिक स्कोर रेलवे क्रिकेट ग्राउंड गणपति नगर का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर जो की आज अंशुल गढ़वाल ने 213 रन की पारी खेली 65 बॉल में यह हमारे रेलवे क्रिकेट ग्राउंड का बहुत बड़ा अचीवमेंट है।

अजमेर डिविजन अपनी गेंदबाजी के दम से आरपीएफ टीम को हराया : अजमेर डिविजन अपनी गेंदबाजी के दम से आरपीएफ टीम को हराया। जिसमें प्रहलाद बागड़ा की घातक गेंदबाजी रही। जयपुर के स्थानीय रेलवे ग्राउंड पर हो रहे इंटर डिविजन क्रिकेट टूर्नामेंट के दिन के पहले मैच में अजमेर डिवीजन ने आरपीएफ को 9 विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आरपीएफ की टीम 78 रन पर ही ऑल आउट हो गई। जिसमें ओपी सैनी ने 27 रन बनाए। गेंदबाजी में प्रहलाद बागड़ा ने 3 विकेट व अफरोज, शैलेंद्र व प्रदुमन ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में अजमेर डिवीजन ने 9.3 ओवर में 81 रन बनाकर जीत दर्ज की। जिसमें निखिल डोरू ने 29 रन व जावेद खान ने 28 रन व एसपी सुवालका ने 23 रन बनाए। गेंदबाजी में संदीप दलाल ने 1 विकेट लिया। मैन ऑफ़ द मैच प्रहलाद बागड़ा ।

बास डी लीडे का ऑलराउंड धमाल, नीदरलैंड्स ने नामीबिया को 7 विकेट से रौंदा

नई दिल्ली , 10 फरवरी। मंगलवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के 10वें मैच में, बास डी लीडे के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत नीदरलैंड्स ने नामीबिया पर सात विकेट से जीत दर्ज की। पाकिस्तान से पहले मैच में मिली करीबी हार के बाद, नीदरलैंड्स ने नामीबिया पर शानदार जीत के साथ टी20 विश्व कप में अपनी उम्मीदों पर फिर से सवार हो गया। इस जीत के सूत्रधार बास डी लीडे रहे, जो नीदरलैंड्स के लिए बल्ले और गेंद दोनों से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी साबित हुए। उन्होंने गेंद से नामीबिया को ध्वस्त कर दिया (3 ओवर में 2/20) और फिर पांच चौकों और चार छक्कों सहित 48 गेंदों पर शानदार नाबाद 72 रनों की पारी खेलकर नीदरलैंड्स को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। हले फील्डिंग करने का विकल्प चुनते हुए, डच गेंदबाजों को तुरंत सफलता मिली क्योंकि आर्यन दत्त (3 ओवर में 1/13) ने नामीबिया के सलामी बल्लेबाज लॉरेन स्टीनकैंप को जल्दी आउट कर दिया। पावरप्ले में नामीबिया को लय हासिल करने में काफी संघर्ष करना पड़ा और 6 ओवर के बाद उसका स्कोर मात्र 40/1 रहा। जान निकोल लॉफ्टी-ईटन (38 गेंदों में 42 रन) और जान फ्रायलिंक (26 गेंदों में 30 रन) ने पारी को संभालने का प्रयास किया, लेकिन नीदरलैंड की अनुशासित गेंदबाजी ने रन रेट को नियंत्रण में रखा।

कोच भर्ती रद्द करना सरकार की नीयत पर बड़ा सवाल-गिरिराज

जयपुर, 10 फरवरी। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद द्वारा प्रशिक्षक ग्रेड-तृतीय के 128 पदों की भर्ती को अपरिहार्य कारणों का हवाला देकर रद्द किया जाना न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि यह प्रदेश के हजारों प्रशिक्षित कोचों और उभरते खिलाड़ियों के भविष्य के साथ सीधा अन्याय है।

जयपुर जिला ओलम्पिक संघ के अध्यक्ष व राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (खेल-कूद) प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रहे गिरिराज खंडेलवाल ने कहा कि यह निर्णय बताता है कि सरकार और खेल प्रशासन के लिए खेल व खिलाड़ी प्राथमिकता नहीं, बल्कि बोझ बन चुके हैं। 1 अक्टूबर 2023 को जारी भर्ती विज्ञापन को बिना ठोस कारण बताए रद्द करना, वर्षों से इंतज़ार कर रहे योग्य कोचों की मेहनत पर पानी फेरने जैसा है।

खेल परिषद की अकादमियों/बालिका खेल संस्थानों की चयन ट्रायल संपन्न

जयपुर, 10 फ़रवरी। मंगलवार को सवाई मान सिंह स्टेडियम में राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद द्वारा आयोजित की जा रही अकादमियों/बालिका खेल संस्थानों की आठ दिवसीय चयन ट्रायल का अंतिम दिन

था।राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की सचिव श्रीमती नीतू बारूपाल ने बताया कि बालिका वालीबॉल अकादमी-जयपुर, बालक वालीबॉल अकादमी-झुंझुनू, बालिका आवासीय खेल संस्थान (बॉक्सिंग खेल)-जयपुर, बालिका आवासीय खेल संस्थान (भारोत्तोलन खेल)-जयपुर के लिये स्किल टेस्ट हुए। इन खेलो के लिये राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद द्वारा गठित चयन समिति ने पूरी बारीकी से सब पर नज़र रखी।

नैना क्रिकेट एकेडमी की जीत में आशिष, आरव व निश्चल चमके

जयपुर, 10 फरवरी। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित प्रथम श्रीमती मुमताज खान स्मृति लीग कम नॉक आउट क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत नैना क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा में खेले गये दूसरे सेमीफाइनल मैच में निश्चल शर्मा 43 रन की जिम्मेदार पारी तथा आशिष प्रजापत 25 व 13 रन पर 3 विकेट के ऑल राउण्ड प्रदर्शन तथा आरव चौधरी 17 रन पर 3 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत एनबी. क्रिकेट एकेडमी को 108 रन से हराकर फाईनल में प्रवेश किया जंहा उसका मुकाबला कल तारिक क्रिकेट एकेडमी से बुद्धवार 11 फरवरी को नैना एकेडमी ग्राउण्ड जगतपुरा में होगा। टॉस जीतकर एन.बी क्रिकेट एकेडमी ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया लेकिन गैदबाजों की मददगार पिच पर नैना एकेडमी के बल्लेबाज निश्चल शर्मा 43 रन उरमित सिंह 26 रन आशीष प्रजापत 25 रन अव्याशं शर्मा 20 रन आरव चोधरी 18 रन को छोडकर अन्य कोई बल्लेबाज बडी पारी खेलने में विफल रहा और रोहन मीणा 44 रन पर 3 विकेट समर्थ सचदेव 37 रन पर दो विकेट विहान जैन 30 रन पर 2 विकेट लक्षित 27 रन पर 2 विकेट की गेंदबाजी के समक्ष 34.4 ओवर में 184 रन पर सिमट गये।

नामीबिया के खिलाफ अभिषेक का खेलना मुश्किलःपेट की समस्या से जूझ रहे, बुमराह की वापसी तय

नई दिल्ली, 10 फरवरी। नामीबिया के खिलाफ भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा का खेलना मुश्किल नजर आ रहा है। मंगलवार को मैच से दो दिन पहले दिल्ली में टीम इंडिया का पहला ट्रेनिंग सेशन हुआ, लेकिन अभिषेक मैदान पर दिखाई नहीं दिए। बताया जा रहा है कि वे पेट से जुड़ी समस्या से जूझ रहे हैं और अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं।

भारत को नामीबिया के खिलाफ 12 फरवरी को मुकाबला खेलना है। टीम के असिस्टेंट कोच रयान टेन डेशकाटे ने जानकारी दी कि अभिषेक को पेट में परेशानी है। टीम मैनेजमेंट भी उन्हें लेकर कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहता। बुधवार को होने वाला अगला ट्रेनिंग सेशन उनकी मैच फिटनेस को लेकर अहम माना जा रहा है।

बुमराह की वापसी तय

इस बीच जसप्रीत बुमराह की फिटनेस को लेकर राहत भरी खबर आई है। टेन डेशकाटे ने बताया कि बुमराह ने करीब 10 दिन बाद गेंदबाजी शुरू की है। वे पहले से बेहतर महसूस कर रहे हैं और उनकी मूवमेंट में भी सुधार दिखा है।

रैफल्स सिरमौर कप (14 गोल्स) टूर्नामेंट

जिंदल पोलो टीम बनी रैफल्स सिरमौर कप के पहले मैच की विजेता

जयपुर, 10 फरवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत आयोजित हो रहे रैफल्स सिरमौर कप (14 गोल्स) के लिए पहला मैच मंगलवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेला गया। यह रोमांचक मुकाबला टीम जयपुर अरावली और जिंदल पोलो टीम के बीच हुआ, जिसमें जिंदल पोलो टीम ने जयपुर अरावली को 13-12 के स्कोर से पराजित किया। 14 गोल के हाई गोल टूर्नामेंट होने के कारण मैच में 6 चक्कर खेले गए। परंतु, दोनों टीमों के बराबरी के स्कोर होने पर एक अतिरिक्त 7वां चक्कर

खेला गया। इस आखिरी चक्कर में जिंदल पोलो टीम 1 गोल के एडवांटेज से विजेता रही, जिससे यह मुकाबला अधिक दिलचस्प बन गया।

विजेता टीम जिंदल पोलो से मैक्स चार्ल्टन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 गोल किए। वहीं, सिद्धांत शर्मा ने 3 गोल और वैंकटेश जिंदल ने 2 गोल किए। टीम से सिमरन शेरगिल भी खेले। दूसरी ओर, टीम जयपुर अरावली से हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह और लांस वॉटसन ने बेहतरीन खेला। लांस वॉटसन ने टीम के लिए 5 गोल हासिल किए, तो वहीं, महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने 4 गोल किए। टीम से मैनुअल फर्नांडीज लोरेंटे ने 2 गोल और प्रताप सिंह कानोता ने 1 गोल हासिल किया।

आज का मैच : टूर्नामेंट का दूसरा मुकाबला बुधवार 11 फरवरी को आरपीसी ग्राउंड पर कैरेसिल सुहाना और विमल एरियन अचीवर्स के बीच होगा। टीम कैरेसिल सुहाना की ओर से अशोक चांदना, कुलदीप सिंह राठौड़, मैनुअल प्राडो और माटियास वायल खेंलेगे। वहीं, टीम विमल एरियन अचीवर्स में शमशीर अली, डेनियल ओटामेंडी, अलेजो अरामबुरु सहित एक अन्य खिलाड़ी शामिल होंगे।

एसआर कल्ला टीम विजयी

जयपुर, 10 फरवरी। डॉक्टर्स प्रीमियर लीग की आयोजन समिति के सदस्य डॉ अशोक चौधरी और डॉ युवराज ने बताया की डीपीएल के मैच में आर के हॉस्पिटल टीम ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए निर्धारित 20 ओवर्स में 6 विकेट के नुक़सान पर 187 रन बनाए। मैन ऑफ़ द मैच डॉ निहाल सिंह ने 47 रन , डॉ महेंद्र सिंह ने 56 रन और डॉ राजेंद्र ने 32 रन बनाये ।डॉ हिमांशु ने 3 विकेट लिए ।जवाब में एसआरके टीम 7 विकेट के नुकसान पर 169 रन ही बना पायी । डॉ निहाल सिंह ने 3 विकेट और डॉ छपोला ने 2 विकेट लिए । एक अन्य मैच में देशबंधु ई एन टी टीम ने 8 विकेट के नुक़सान पर 155 रन बनाये । डॉ राहुल ने 60 रन और डॉ आशीष सैनी ने 31 रन बनाये ।डॉ पंकज विजय ने 2 विकेट लिए । परंतु एस आर कल्ला टीम ने 6 विकेट के नुक़सान पर 19 ओवर्स में लक्ष्य हासिल कर लिया । मैन ऑफ़ द मैच डॉ सुनील सहारण ने 48 रन और डॉ शाहरुख़ ने 35 रन और डॉ मयंक ने 28 रन बनाये।

सुराना एकेडमी व चंबल स्पोर्ट्स जीते

जयपुर, 10 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित व वन रियलिटी द्वारा प्रायोजित के एल सैनी ए डिवीजन लीग में आज के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच में सुराना एकेडमी ने सभा क्लब को 4 विकेट से हराया तथा जयपुरिया ग्राउंड पर खेले गए मैच में चंबल स्पोर्ट्स ने यूनियन क्रिकेट क्लब को 21 रनो से हराया।

आज प्रातः के एल सैनी स्टेडियम पर सुराना एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले सबा क्लब को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। सबा क्लब ने मोहम्मद जैद के 25 रन, लोकेश सैनी के 86 रन, मोहित भगतानी के 78 रन, गौरव सालवी के 35 रनो से 50 ओवर में 7 विकेट पर 273 रन बनाए। सुराना एकेडमी के लिए आदित्य झाला ने 53 पर 3, अभिषेक यादव ने 58 पर 2, ऋषभ मोदी व आर्यमन कटारिया ने एक - एक विकेट लिया।

जवाबी पारी में सुराना एकेडमी ने आर्यमन कटारिया के 30 रन, दिव्यांशु गौड़ के 34 रन, आदित्य झाला के 67 रन, अभिषेक यादव के 35 रन, आर्यमन शर्मा के 51 रन नाबाद व हर्ष परवानी के 37 रन नाबाद से 48.2 ओवर में 6 विकेट पर 274 रन बना कर 4 विकेट से मैच जीत लिया। सबा क्लब के लिए गौरव सालवी में 53 पर 4, सुमित भगेरिया व मोहित अग्रवाल ने एक - एक विकेट लिया।

दूसरे मैच में जयपुरिया ग्राउंड पर यूनियन क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले चंबल स्पोर्ट्स को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। चंबल स्पोर्ट्स ने गौरव सैनी के 39 रन, अमन शेखावत के 33 रन, तोषित भाटिया के 29 रन, हिमान्य भारद्वाज के 53 रन नाबाद से 40.4 ओवर में 197 रन बनाकर आउट हो गई। यूनियन क्रिकेट क्लब के लिए आदित्य टांक ने 45 पर 3,

दीपक चौधरी ने 16 पर 2, लोकेश शर्मा ने 40 पर 2, अशोक स्वामी ने 34 पर 2 विकेट लिए।

जवाबी पारी में यूनियन क्रिकेट क्लब की टीम देव प्रताप के 40 रन, आरव सैनी के 27 रन, आदित्य चौधरी के 50 रन नाबाद से 47 ओवर में 176 रन बनाकर आउट हो है। चंबल स्पोर्ट्स ने 21 रनो से जीत दर्ज की। चंबल स्पोर्ट्स के लिए पूरव शर्मा ने 28 पर 3 हिमान्य भारद्वाज ने 35 पर 3 व अभिजय भंडारी ने 30 पर 2 विकेट लिए।

आज के बजट में राजस्थान में खुलेगा ''सौगातों का पिटारा''

वित्त मंत्री दीया कुमारी पेश करेंगी, भजनलाल सरकार का तीसरा बजट

जयपुर, 10 फरवरी। केन्द्र सरकार के बजट के बाद अब राजस्थान की जनता की निगाहें राज्य सरकार के बजट पर टिकी हैं। भजनलाल शर्मा सरकार का तीसरा वार्षिक बजट वित्तीय वर्ष 2026-27, बुधवार सुबह 11 बजे विधानसभा में पेश किया जाएगा। बजट को राज्य की वित्त मंत्री और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी प्रस्तुत करेंगी। मंगलवार को उप मुख्यमंत्री कार्यालय में बजट को अंतिम रूप दिया गया, जिसमें वित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

- **सरकार की ओर से पहले ही संकेत दिए जा चुके हैं कि यह बजट युवाओं, महिलाओं, किसानों व बुनियादी ढांचे को केन्द्र में रखकर तैयार किया गया है।**
- **माना जा रहा है कि बजट में नई योजनाओं, भर्तियों और विकास कार्यों की बड़ी घोषणाएं हो सकती हैं।**

राज्य बजट 2026-27 को अंतिम रूप दिए जाने के पश्चात उप मुख्यमंत्री (वित्त) दिया कुमारी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार शाम मुख्यमंत्री कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान प्रमुख शासन सचिव (वित्त) वैभव गालरिया, शासन सचिव वित्त (व्यय) टीना सोनी, शासन सचिव वित्त (बजट) राजन विशाल, शासन सचिव वित्त (राजस्व) कुमारपाल गौतम एवं निदेशक वित्त (बजट) बृजेश किशोर शर्मा उपस्थित थे।

सरकार की ओर से पहले ही संकेत दिए जा चुके हैं कि यह बजट युवाओं, महिलाओं, किसानों और बुनियादी ढ ांचे को केन्द्र में रखकर तैयार किया गया है। प्रदेशवासियों में इस बजट को लेकर खासा उत्साह है, क्योंकि माना जा रहा है कि इसमें नई योजनाओं, भर्तियों और विकास कार्यों की बड़ी घोषणाएं हो सकती हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह बजट सरकार के कार्यकाल का मध्य बजट है, इसलिए इसमें की गई घोषणाओं के अमल में आने की संभावना भी अधिक रहती है।

रोजगार को लेकर सरकार इस बार बड़ा कदम उठा सकती है। लगभग डेढ़ लाख नई सरकारी भर्तियों की घोषणा की संभावना जताई जा रही है। इसके साथ ही संविदा कर्मचारियों के वेतन में बढ़ ोतरी और सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं में इजाफा भी किया जा सकता है। किसानों के लिए सम्मान निधि बढ़ ाने, ब्याज मुक्त फसली कर्ज योजना का दायरा बढ़ ाने और फसलों की सरकारी खरीद को लेकर अहम फैसले लिए जाने की उम्मीद है।

इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भी सरकार का फोकस साफ नजर आ रहा है। कई शहरों में रिंग रोड और ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे, जयपुर मेट्रो के विस्तार के लिए बजट में विशेष प्रावधान किए जा सकते हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में जर्जर सरकारी स्कूलों की मरम्मत, नए मेडिकल कॉलेज खोलने और डॉक्टरों व पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती पर भी सरकार का ध्यान रहने की संभावना है। कुल मिलाकर यह बजट प्रदेश के विकास की दिशा तय करने वाला और आने वाले वर्षों की नीति को मजबूत करने वाला माना जा रहा है।

राजस्थान बजट 2026-27 को लेकर यह माना जा रहा है कि सरकार रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी और बड़ी संख्या में नई भर्तियों का रास्ता साफ हो सकता है। इसके साथ ही, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए भी महत्वपूर्ण घोषणाएं इस बजट का हिस्सा बन सकती हैं।

'परीक्षा परिणाम में देरी के कारण चयन से वंचित नहीं किया जा सकता'

जयपुर, 10 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने जूनियर इंजीनियर भर्ती-2020 से जुडे मामले में कहा है कि विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा परिणाम और अंक तालिका देरी से जारी करने के आधार पर पात्र अभ्यर्थी को चयन से वंचित नहीं किया जा सकता।

- **हाई कोर्ट ने कर्मचारी चयन बोर्ड की अपील खारिज की।**

अदालत ने इस मामले में एकलपीठ के आदेश को सही माना व कर्मचारी चयन बोर्ड की अपील को खारिज कर दिया है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश दिए। अदालत ने दोनों पक्षों की बहस सुनकर गत 2 फरवरी का अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। मामले से जुडे अधिवक्ता एमएफ बेग ने बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने सार्वजनिक निर्माण विभाग में जूनियर सिविल इंजीनियर के 276 पदों पर साल 2020 में भर्ती निकाली थी। भर्ती विज्ञापन में शर्त थी कि अभ्यर्थी के पास संबंधित विषय में इंजीनियरिंग या समकक्ष योग्यता होनी चाहिए। वहीं संबंधित पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष में अध्ययनरत उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं, बशर्ते परीक्षा से पहले वे योग्यता पूरी कर लें। एकलपीठ में याचिकाकर्ता रहे लोकेश कुमार ने भर्ती परीक्षा में शामिल होकर मेरिट में स्थान प्राप्त किया, लेकिन उसके यह कहते हुए नियुक्ति नहीं दी गई कि उसका परिणाम बाद में घोषित हुआ है। लोकेश कुमार ने इसे चुनौती दी और एकलपीठ ने उसे नियुक्ति देने का आदेश दिया था।

'शिक्षित और समझदार लोग राजनीति में आएं व जनसेवा को प्राथमिकता दें'

सचिन पायलट ने स्व. राजेश पायलट की 80वीं जयन्ती पर निःशुल्क दिव्यांग सामग्री वितरण शिविर का उद्घाटन किया

टोंक, 11 फरवरी (निसं)। किसान नेता, पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्वर्गीय राजेश पायलट की 80वीं जयंती के अवसर पर, जिला कांग्रेस कमेटी व श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के सहयोग से मुख्यालय स्थित अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित नि:शुल्क दिव्यांग सामग्री वितरण शिविर के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने कहा कि हम सभी के मन में यह भाव रहता है कि गरीब, असहाय लोगों की मदद किस प्रकार से की जाये, परन्तु कई बार यह भावना मूर्त रूप नहीं ले पाती। बहुत ही कम लोग ऐसे होते हैं, जो इस भावना को साकार रूप प्रदान करते है, भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति ऐसी ही एक संस्था है, जिसने अनेकों अक्षम लोगों को अपने पैरों पर खड़ा कर मुख्य धारा से जोड़ने का काम किया है।

- **उन्होंने कहा, राजेश पायलट ने अपने जीवन में ऐसी छाप छोड़ी कि एक गरीब परिवार का व्यक्ति मेहनत और लगन से बहुत ऊचाईयां हासिल कर सकता है।**
- **सचिन पायलट ने कहा कि भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति ने अनेकों अक्षम लोगों को अपन पैरों पर खड़ा कर मुख्य धारा में जोड़ने का काम किया है।**

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. राजेश पायलट की 80वीं जयंती पर टोंक में निःशुल्क दिव्यांग सामग्री वितरण शिविर में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांजनों को कृत्रिम हाथ-पैर, श्रवण यंत्र, बैसाखी, व्हीलचेयर एवं वॉकर वितरण किये।

कार्यक्रम में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के संस्थापक पद्म भूषण डॉ. डी.आर. मेहता सहित अनेक विशिष्टजन उपस्थित थे। इस अवसर पर राजेश पायलट को याद करते हुए उन्होंने कहा कि पायलट ने अपने जीवन में ऐसी छाप छोड़ी है कि एक गरीब परिवार का व्यक्ति, जिसके पास कुछ न हो, वह भी अपनी मेहनत और लगन से बहुत ऊँचाइयां हासिल कर सकता है। एक पुरानी कहावत है, 'जिस पेड़ की जड़ें गहरी नहीं होतीं, वह ऊंचा नहीं उठ सकता'। उनकी सोच थी कि शिक्षित एवं समझदार लोग राजनीति में आगे आयें और जनसेवा को प्राथमिकता दें। मुझे खुशी है कि राजेश पायलट जी की जयंती पर आज हम इस शिविर के माध्यम से कुछ लोगों की मदद कर पाये हैं।

उल्लेखनीय है कि तीन दिवसीय शिविर में दिव्यांजनों को कृत्रिम हाथ-पैर, श्रवण यंत्र, बैसाखी, व्हीलचेयर एवं वॉकर आदि का नि:शुल्क वितरण किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा भी राजेश पायलट के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर रामविलास चौधरी, पूर्व विधायक कमल बैरवा, देहात ब्लॉक अध्यक्ष कैलाशी देवी मीणा, सैयद महमूद शाह, अल्पसंख्यक विभाग जिला अध्यक्ष बरकत हसीन, सेवादल जिला अध्यक्ष अब्दुल खालिक फोजू, राम मीणा, केदार चौधरी, देवकरण गुर्जर, रामदेव गुर्जर, रामलाल संडीला, मंडल अध्यक्ष इमरान पहलवान के अलावा, बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित थे।

'जब तक ''अविश्वास ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर यह पद किसी सहयोगी दल को दिया जाता है, लेकिन भाजपा के पास भारी बहुमत होने के कारण उसने उपाध्यक्ष नियुक्त करना उचित नहीं समझा।

अब सदन की कार्यवाही स्पीकर पैनल को चलानी होगी।

सदन 13 फरवरी को एक महीने के लिए स्थगित हो जाएगा और बजट पारित करने के लिए मार्च में फिर से बैठक होगी। राहुल गांधी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान बोलने की अनुमति नहीं दी गई थी, लेकिन वे कल दोपहर 12 बजे बजट पर बोलेंगे।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा, ओम बिड़ला के खिलाफ मुख्य आरोप यह है कि उन्होंने संसदीय लोकतंत्र की मर्यादा बनाए रखने और निष्पक्ष व्यवहार करने के बजाय, सत्तारूढ़ पार्टी के निर्देशों पर और उनके अनुसार कार्य किया।

पहले भी तीन बार लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाए गए हैं, लेकिन वे हमेशा खारिज हो गए। पहला प्रस्ताव 1954 में अध्यक्ष मालवीय के खिलाफ लाया गया था।

भारत को बांग्लादेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के साथ भेदभाव न हो। लेकिन अब उन्हें राजनीतिक प्रक्रिया से लगभग बाहर कर दिया गया है।

विडंबना यह है कि छात्र आंदोलन का एक छोटा हिस्सा अब जमात के साथ मिलकर नई सरकार में प्रभाव बनाने की कोशिश कर रहा है। बांग्लादेश में वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए ऐसा लगता है कि देश कट्टरपंथी दिशा में ही आगे बढ़ सकता है। बांग्लादेश की संभावित राजनीतिक स्थिति और नई सरकार का चरित्र निश्चित रूप से भारत के लिए एक बड़ा सिरदर्द बना रहेगा। इससे भारत के पूर्वी हिस्सों में अस्थिरता बढ़ सकती है और नई सरकार में हिंदुओं पर अत्याचार जारी रहने की आशंका है।

यह जरूरी हो जाता है कि भारत बांग्लादेश के मामले में अधिक सक्रिय नीति अपनाए, क्योंकि दुनिया के कई बड़े देश अपने पड़ोसी देशों के साथ अपने रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों के अनुसार नीतियां बना रहे हैं।

'नरवणे की किताब बिक्री के लिए उपलब्ध है'

राहुल गांधी ने नरवणे की 15 जनवरी 2023 की एक्स पोस्ट को शेयर करके यह दावा किया।

नई दिल्ली, 10 फ़रवरी। लोकसभा में जारी गतिरोध के बीच नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की कथित किताब ''फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी'' के प्रकाशक पर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को दावा किया कि किताब बिक्री के लिए उपलब्ध है।

राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान अपने मोबाइल में जनरल नरवणे का 15 दिसंबर 2023 का पोस्ट दिखाया। उन्होंने कहा कि यह जनरल नरवणे का एक्स पोस्ट है, जिसमें उन्होंने लिखा था, नमस्ते दोस्तो, मेरी किताब अब उपलब्ध है। बस इस लिंक का अनुसरण करें। आनंदपूर्वक पढ़ें। जय हिंद।

राहुल ने कहा, सवाल यह है कि या तो जनरल नरवणे झूठ बोल रहे हैं या फिर पैनग्विन प्रकाशन, लेकिन मुझे पूर्व सेनाध्यक्ष पर भरोसा है, वे झूठ नहीं बोलेंगे।

- **उक्त पोस्ट में नरवणे ने किताब उपलब्ध होने का दावा किया था। पोस्ट में पेनग्विन इंडिया के एक्स पोस्ट का स्क्रीन शॉट भी लगाया था जिसमें किताब उपलब्ध होने की बात कही थी।**

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि जनरल नरवणे ने किताब में जो बातें लिखी हैं, वे सरकार और प्रधानमंत्री के लिए असहज हैं और इसी वजह से इस पर रोक लगाने की कोशिश की जा रही है।

राहुल गांधी ने जिस पोस्ट का जिक्र किया था, उसे जनरल नरवणे ने 15 दिसम्बर 2023 को एक्स पर साझा किया था। इसमें उन्होंने पैनग्विन इंडिया के एक एक्स पोस्ट का स्क्रीनशॉट लगाया था।

उसमें पैनग्विन प्रकाशन ने ई-कॉमर्स साइट अमेजन का लिंक साझा करते हुए लिखा था, चूँकि हम विजयदिवस की तैयारी कर रहे हैं। आइए, अपने देश के नायकों का सम्मान करें। शुरुआत करते हैं मनोज नरवणे से, जो भारत के 28वें थलसेनाध्यक्ष रहे और दशकों तक देश के लिए लड़े। उनकी कहानी जानने के लिए अभी फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी, प्री ऑर्डर करें।

ममता बनर्जी को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खुद ही मामला रखने का फैसला किया। उनके वकीलों के पैनल में कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी जैसे प्रसिद्ध वकील और सुप्रीम कोर्ट के कई अन्य वरिष्ठ वकील शामिल थे।

उन्होंने ऊंची आवाज में आरोप लगाया कि लोग रो रहे हैं और उनकी बात नहीं सुनी जा रही है। उन्होंने रवीन्द्रनाथ टैगोर का हवाला दिया। उन्हें लगा कि इस महान हस्ती का उल्लेख करने से उनकी मांग मान ली जाएगी।

उन्होंने अदालत में खुद अपनी बात रखने के दौरान तय समय से ज्यादा समय लिया और अपनी शिकायतों को विस्तार से बताया। उनका आरोप था कि चुनाव आयोग मामूली कारणों पर लोगों के नाम मनमाने तरीके से मतदाता सूची से हटा रहा है।

अदालत ने उनके आरोपों पर ज्यादा प्रतिक्रिया नहीं दी।

अदालत ने फैसला दिया कि राज्य में, और जिन राज्यों में यह प्रक्रिया शुरू की गई है, वहां प्रक्रिया को बिना किसी बाधा के जारी रहने दिया जाए। अदालत के हस्तक्षेप के बाद ममता बनर्जी चुनाव आयोग के खिलाफ अभियान चलाती रही हैं।

कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गए। उन्होंने न केवल मर्यादा का उल्लंघन किया, बल्कि उस बेंच को भी पार कर दिया, जहां प्रधानमंत्री बैठते हैं। स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई थी कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों को नियंत्रित करना पड़ा, ताकि कोई झड़प न हो। राजग की महिला सांसद इस बर्ताव से बेहद नाराज हैं।

रिजिजू ने कहा कि भाजपा की महिला सांसदों ने कांग्रेस की महिला सांसदों के अनुचित व्यवहार को लेकर ओम बिड़ला को पत्र लिखकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

चुनाव से पहले युवाओं के खाते में 1500 रु. डालेंगी ममता बनर्जी

यह कैश ट्रांसफर अंतरिम बजट में घोषित ''युवसाथी'' योजना के तहत किया जाएगा।

कोलकाता, 10 फरवरी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को राज्य सचिवालय नवान्न में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अंतरिम बजट में घोषित 'युवसाथी' योजना को लेकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार यह योजना अब एक अप्रैल से लागू करेगी। इसके तहत, राज्य के 21 से 40 वर्ष आयु वर्ग के बेरोजगार युवाओं को हर महीने 15 सौ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि पहले यह योजना 15 अगस्त से शुरू करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन नया आर्थिक वर्ष एक अप्रैल से शुरू होता है, इसलिए उसी दिन से योजना लागू करने का फैसला किया गया है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि इस योजना का लाभ उन्हीं युवाओं को मिलेगा, जिन्होंने माध्यमिक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की है और जो वर्तमान में बेरोजगार हैं। यह भत्ता अधिकतम पांच वर्षों तक दिया जाएगा। हालांकि, जैसे ही किसी लाभार्थी को नौकरी मिल जाएगी, उसी समय से भत्ता बंद हो जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जो युवा किसी अन्य सरकारी भत्ता योजना का लाभ ले रहे हैं, वे इस योजना के पात्र नहीं होंगे। हालांकि, ऐक्यश्री, मेधाश्री या स्मार्ट कार्ड जैसी छात्रवृत्तियों का लाभ लेने वाले युवाओं को युवसाथी योजना से वंचित नहीं किया जाएगा।

- **प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक प्रैस कॉन्फ्रेंस में इस योजना के बारे में विस्तार से बताया।**

मुख्यमंत्री ने आवेदन प्रक्रिया को लेकर बताया कि युवसाथी योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन नहीं लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि समय की कमी और आवेदन की सही तरीके से जांच सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने प्रत्यक्ष आवेदन की व्यवस्था की है, ताकि कोई भी योग्य व्यक्ति वंचित न रह जाए। इसके लिए राज्य के सभी 294 विधानसभा क्षेत्रों में विशेष शिविर लगाए जाएंगे। ये शिविर 15 फरवरी से 26 फरवरी तक चलेंगे और रोज़ाना सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक खुले रहेंगे। छुट्टी के दिनों में शिविर बंद रहेंगे। आवेदन करने वाले सभी लोगों को रसीद दी जाएगी और बाद में इन आवेदनों को डिजिटाइज किया जाएगा।

जयपुर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देखे तो दोनो जापानी टूरिस्ट अंदर रुकने के कुछ ही देर बात बाहर जाते हुए दिखाई दिए।

आईसीसी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुई, बल्कि वैश्विक क्रिकेट मंच पर पाकिस्तान की साख को एक और झटका लगा।

मैक्रों 17 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बयान के अनुसार, राष्ट्रपति मैक्रों और प्रधानमंत्री मोदी मुंबई में संयुक्त रूप से भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष 2026 का उद्घाटन करेंगे। यह नवाचार वर्ष पूरे 2026 में भारत और फ्रांस दोनों देशों में मनाया जाएगा।

शशि थरूर ने आम बजट पर चर्चा शुरू की

नई दिल्ली, 10 फ़रवरी। संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में जारी गतिरोध समाप्त होने के बाद, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने लोकसभा में आम बजट 2026 पर चर्चा की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने सरकारी खर्च में कमी और कर राजस्व संग्रह में ठहराव की आलोचना की।

उन्होंने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते पर भी सवाल उठाए और कहा कि भारत का व्यापार फायदा 45 अरब डॉलर है, लेकिन हमने यह डील कर ली कि अगले पांच साल में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी सामान खरीदेंगे। यह निश्चित क्रय प्रतिबद्धता भारत के हित में नहीं है और दीर्घकाल में नुकसानदायक साबित होगी। उन्होंने कहा कि वाणिज्य और विदेश मंत्री को इस समझौते की टाइमलाइन और अन्य सवालों के जवाब देने चाहिए। ग़ालिब के एक मशहूर शेर का हवाला देते हुए थरूर ने कहा, ''हमको मालूम है जन्नत की हकीकत लेकिन, दिल के बहलाने के गालिब ये खयाल अच्छा है।

- **इसी के साथ लोकसभा में गतिरोध समाप्त हो गया, थरूर ने अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर भी बात की।**

दम्पति ने तीन बच्चों सहित आत्महत्या की

मरने वालों में मनीष उसकी पत्नी सीमा व 3 बच्चे हैं

मथुरा, 10 फरवरी। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के महावन थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक परिवार के पांच सदस्यों के शव कमरे में मिले हैं। मरने वालों में पति-पत्नी और उनके तीन बच्चे हैं। सभी के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं। पुलिस को मिले सबूतों के आधार पर मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। मौके पर दीवार पर लिखा सुसाइड नोट और एक वीडियो भी मिला है।

पुलिस के अनुसार, महावन के ग्राम खप्परपुर में रहने वाला 35 वर्षीय मनीष खेती करता था। मंगलवार सुबह करीब दस बजे पुलिस को सूचना मिली कि मनीष, उसकी पत्नी सीमा (32), बेटी हनी (5), प्रियांशी (4) और बेटा पंकज (2) के शव घर के अंदर पड़े हैं। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाया। पुलिस को मौके से दीवार पर लिखा सुसाइड नोट और कॉपी पर लिखा सुसाइड नोट मिला है। इसके अलावा मृतक मनीष का फोन भी मिला है, जिसमें सुसाइड को लेकर एक वीडियो भी बनाया गया था।

- **दीवार पर लिखे एक नोट व एक वीडियो में आत्महत्या करने की बात कही गई है।**

घर की दीवार पर लिखा है कि मैं मनीष आत्महत्या कर रहा हूं, किसी को परेशान न किया जाए। घर के कमरे में एक पर्ची मिली है, इस पर भी लिखा है कि मैं आत्महत्या कर रहा हूं, किसी को परेशान न किया जाए। वीडियो में मनीष कह रहा है कि वह आत्महत्या कर रहा है। इसमें किसी का कोई दोष नहीं है। यह भी कहा है कि कुछ दिन पहले उन्होंने साढ़े 12 लाख रुपये की जमीन बेची थी, उसका पैसा भी उन्हें मिल गया है।

डीएम सीपी सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि मनीष की शादी को आठ साल बीत चुके हैं। उसके दो भाई हैं, जो गांव में ही अलग-अलग घरों में रहते हैं। मनीष अपने परिवार के साथ अलग रहता था। यह भी पता चला है कि कुछ दिनों से वह तंत्र-मंत्र के चक्कर में था। फिलहाल हर पहलू की जांच की जा रही है। यह आत्महत्या है, या फिर कोई और कारण, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्पष्ट हो पाएगा। परिवार और रिश्तेदारों से घटना के संबंध में जानकारी ली जा रही है।

असम में 2.43 लाख लोगों के नाम वोटर लिस्ट से कटे

चुनाव आयोग ने असम में विशेष पुनरीक्षण की अंतिम वोटर लिस्ट जारी की

नई दिल्ली, 10 फरवरी। चुनाव आयोग ने मंगलवार को असम की 126 विधानसभा सीटों के लिए विशेष पुनर्निरीक्षण (एसआर) 2026 की अंतिम मतदाता सूची जारी की है, जिसमें 2.49 करोड़ से ज्यादा वोटर हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी असम के अनुसार, ड्राफ्ट मतदाता सूची में कुल मतदाताओं की संख्या 2,52,01,624 थी, जो अंतिम सूची में घटकर 2,49,58,139 रह गई है, यानी ड्राफ्ट रोल से 2.43 लाख नाम हटाए गए। इस अंतिम सूची में 1,24,82,213 पुरुष मतदाता, 1,24,75,583 महिला मतदाता, और 343 तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं।

- **चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की स्पेशल इंडियन रोल की समय सीमा भी संशोधित कर दी है, अब इसका प्रकाशन 14 फरवरी को होगा।**

असम के मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय की तरफ से जारी एक प्रेस रिलीज में कहा गया, विशेष पुनर्निरीक्षण (एसआर) 2026 के लिए इंटीग्रेटेड ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 27 दिसंबर 2025 को पब्लिश की गई थी। इससे पहले 22 नवंबर 2025 से 20 दिसंबर 2025 तक हाउस-टू-हाउस सत्यापन अभियान सफलतापूर्वक चलाया गया।

मतदाता अपनी दावे और आपत्तियां 27 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक दाखिल कर सकते थे। चुनाव आयोग ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे स्पेशल रिविजन प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लें, ताकि सटीक और अद्यतन मतदाता सूची सुनिश्चित की जा सके। यह सूची स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव का आधार है। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के स्पेशल इंडियन रोल की समयसीमा भी संशोधित की है। अंतिम प्रकाशन अब 14 फरवरी 2026 को होगा। इसका कारण व्यापक मतदाता गणना और मतदान केन्द्रों का पुनर्गठन बताया गया है। पश्चिम बंगाल में बूथ लेवल अधिकारी 11 दिसंबर 2025 तक घर-घर सत्यापन पूरा कर चुके थे। ड्राफ्ट रोल 16 दिसंबर 2025 को प्रकाशित हुई थी और दावे और आपत्तियां 15 जनवरी 2026 तक स्वीकार की गई थीं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908